सूर्योदय 6.11 सूर्यास्त 6:14

आज का तापमान

शिमला	14.4 न्यू	24.0 अधि
धर्मशाला	19.8 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,580
निफ्टी	23,063

सोना 1,51,000 चांदी 2,28,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 25 सितंबर 2026 | 9 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 151, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

2-अक्तूबर को यूपीआई से पेमेंट नहीं लेंगे व्यापारी

एजेंसी, नई दिल्ली। देशभर में व्यापारी और दुकानदार 2 अक्तूबर को यूपीआई से पेमेंट नहीं लेंगे। सरकार के 2000 से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर 0.4% चार्ज के विरोध में व्यापारी संगठनों ने इस दिन नो यूपीआई डे मनाने का ऐलान किया है। इस दिन व्यापारी अपनी दुकानों पर लगे यूपीआई कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल पेमेंट डिवाइसेस को काले कपड़े से ढककर विरोध जताएंगे। व्यापारियों की सरकार से 15 अक्तूबर से लागू होने जा रहे चार्ज को हटाने की मांग है। महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर के अध्यक्ष रवींद्र मंगवे ने बताया कि यह आंदोलन सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशभर के 500 से ज्यादा प्रमुख व्यापारी संगठन इसमें हिस्सा लेंगे।

तमिलनाडु में बस व कार की टक्कर, चार की मौत

एजेंसी, चेन्नई। तमिलनाडु के पेरम्बलूर में वीरवार सुबह एक कार चलती बस के पीछे जा टकराई। हादसे में एक महिला समेत 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा तिरुचिरापल्ली-चेन्नई नेशनल हाईवे पर हुआ। पुलिस ने बताया कि बस में 34 यात्री सवार थे और वह तूतीकोरिन से चेन्नई जा रही थी। वहीं, 7 लोगों को लेकर एक किराए की कार रामनाथपुरम जिले से चेन्नई जा रही थी। इसमें दो महिलाएं भी सवार थीं। हादसे की सूचना मिलते ही हाईवे रेस्क्यू टीम और पेरम्बलूर पुलिस मौके पर पहुंची। टीम ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया। तीनों घायलों का इलाज जारी है।

कच्चे तेल के दाम में उछाल से सेंसेक्स 1,248 अंक लुढ़का

एजेंसी, मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में वीरवार को बिकवाली का दबाव काफी बढ़ गया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,247.71 अंक यानी 1.66% गिरकर 73,580.54 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 383.71 अंक यानी 1.64% टूटकर 23,063.10 पर आ गया। बाजार में गिरावट की शुरुआत कमजोर रही और पूरे कारोबारी सत्र में बिकवाली का दबाव बना रहा। बॉन्ड यील्ड में तेज उछाल और व्यापक बाजार में बिकवाली ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। गुरुवार के कारोबार में दोनों प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स दिन के अंत में 73,600 के आसपास और निफ्टी 23,100 के नीचे बंद हुआ।

बैंक हड़ताल के चलते आज आएगी केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 28 से 30 सितंबर तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल के कारण केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सितंबर माह की सैलरी और पेंशन का भुगतान 25 सितंबर को ही जारी करने का निर्देश दिया है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने 23 सितंबर को जारी एक ऑफिस मेमोरेंडम (ओएम) में केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए सैलरी और पेंशन का भुगतान जल्दी करने की जानकारी दी। व्यय विभाग ने बैंकों की तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल को देखते हुए मंत्रालयों व विभागों को निर्धारित समय से पहले 25 सितंबर को ही सैलरी का भुगतान करने को कहा है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती स्लीपर बस में लगी भीषण आग, 9 की मौत

यात्री बोले- सिगरेट पी रहे थे ड्राइवर-क्लीनर; आग भड़की तब भी बस नहीं रोकी

एजेंसी, नोएडा। नोएडा में बुधवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती स्लीपर एसी बस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 8 पुरुष और एक महिला है।

बस में कुल 35 यात्री सवार थे। 20 को रेस्क्यू किया गया, जबकि कुछ लोग खिड़कियां तोड़कर निकले। अंदर फंसे लोग बुरी तरह जल गए। उनके शव तक की पहचान नहीं हो पाई। बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से रात 9:30 बजे महोबा के लिए निकली थी। करीब 11:30 बजे जेवर एयरपोर्ट से 500 मीटर आगे इसमें आग लग गई। बस में सफर कर रहे सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे। यात्रियों ने विरोध किया तो दोनों हंसने लगे। बस में जलने की गंध भी आ रही थी, कुछ देर बाद उसमें आग लग गई। आग के बावजूद ड्राइवर ने तुरंत बस नहीं रोकी। यात्रियों के शीशे तोड़ने के बाद ही उसे रोका गया। पुलिस ने बताया कि बस मध्य प्रदेश के राज कल्पना ट्रैवल्स की है। इसके 19 चालान हो चुके हैं और 1.75 लाख जुर्माना लगाया गया है। पुलिस ने दो ड्राइवर पवन, विनोद और कंडक्टर योगेश को गिरफ्तार किया है। फायर ऑफिसर ने बताया कि फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियों ने 45 मिनट में आग बुझाई। फायर फाइटर्स बस का पिछला हिस्सा काटकर अंदर पहुंचे, तब एक-एक करके शव बाहर निकाले गए। रेस्क्यू करीब 2 घंटे चला।

◆बस मध्य प्रदेश की, 19 चालान, 1.75 लाख रुपए का हो चुका जुर्माना



मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक मदद

यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में जनहानि पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने शोक जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश भी दिए गए हैं। विधायक ने बताया कि वे वीरवार शाम जेवर में उपचाराधीन घायल रेखा भारद्वाज का हालचाल जानने अस्पताल जाएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने की वोट चोरी : राहुल गांधी

एजेंसी, नई दिल्ली। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, एसआईआर और वोटर लिस्ट से जुड़े विवाद पर वीरवार को 55 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी की है। उनके चयन का मैंने विरोध किया था, लेकिन सरकार ने उन्हें कानून से ऊपर रखते हुए चुना।

राहुल बोले, 'भारत में हर सरकार के खिलाफ एंटी-इंकंबेंसी होती है, इंदिरा गांधी बांग्लादेश युद्ध जीतने के बाद भी हारीं, फिर भाजपा के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ। ज्ञानेश कुमार ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में धांधली की। वोट चोरी की, जिससे लोकतंत्र कमजोर हुआ। इन हालात में एंटी इनकंबेंसी कैसे आएगी।' राहुल ने 2025 में एसआईआर पर तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस की थीं। तब उन्होंने चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया था। उन्होंने आयोग को सरकार की 'बी टीम' भी कहा था। भाजपा के साथ वोट



राहुल का पॉलिटिकल ज्ञान शून्य : भाजपा

राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने मीडिया से बात की। सुधांशु ने कहा- 'राहुल गांधी ने कहा कि मैं 50 साल से राजनीति समझ रहा हूं मगर उनकी खुद की उम्र 56 साल ही है। बंगाल में 1977 के बाद से कांग्रेस की सरकार नहीं आई है, बिहार में 1990 के बाद से कांग्रेस की सरकार नहीं आई है। राहुल गांधी को इसकी जानकारी ही नहीं है। जब से पारदर्शी चुनाव हो गए हैं, सीसीटीवी कैमरे आए हैं और स्वतंत्र मीडिया आया है तभी से इनके लाले पड़ गए हैं सत्ता में आने के लिए। राजनीतिक दृष्टि से राहुल गांधी का ज्ञान शून्य है।'

कॉकरोच पार्टी बोली- मुख्य चुनाव आयुक्त 48 घंटे में दें इस्तीफा

एजेंसी, नई दिल्ल। कॉकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया, तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने एसआईआर के जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए। दीपके ने कहा- लोकतंत्र का मतलब है कि जनता अपनी सरकार चुने, लेकिन जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, तब से सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं। बुधवार को इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने एसआईआर को लेकर पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्ति दर्ज की, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया।

नंदीग्राम से कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को मिली जमानत

एजेंसी, कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में होने वाले उपचुनाव से पहले नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को जमानत दी। अदालत ने फैसले में कहा कि पुलिस इस मामले में उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकती। कोर्ट ने मिलन प्रधान को चुनाव लड़ने की भी इजाजत दे दी है। कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने मिलन को जमानत देते हुए टिप्पणी की- यह आश्चर्यजनक है कि शिकायत 2007 में दर्ज की गई थी और जांच अधिकारी ने 19 साल बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की है। जस्टिस भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि राज्य सरकार की ओर से ऐसा कोई डॉक्यूमेंट पेश नहीं किया गया, जिससे यह साबित हो कि कोई प्रोडक्शन वारंट जारी किया गया था।



कब्जामुक्त कराएं जमीन, दबंगों को सिखाएं कानूनी सबक : सीएम योगी

एजेंसी, गोरखपुर। जनता की सेवा को सर्वोपरि रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीरवार सुबह बारिश होने के बावजूद 'जनता दर्शन' किया। दूरदराज से आए लोगों से उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

समस्या लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री ने समाधान का भरोसा दिया। इस अवसर पर अवैध कब्जे की शिकायतों पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जामुक्त कराने के साथ जबरन कब्जा करने वालों को कड़ा कानूनी सबक सिखाया जाए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर प्रवास पर हैं। वीरवार को बारिश की वजह से मुख्यमंत्री के निर्देश पर लोगों की सुविधा के लिए जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने उनकी पीड़ा जानी और आश्वस्त किया कि सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।



भारत में खाने का तेल होगा सस्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने खाने के तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी घटा दी है। इससे देश में खाना पकाने का तेल सस्ता हो सकता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, नई दरें 24 सितंबर से लागू होंगी। सरकार ने क्रूड सोया और क्रूड पाम ऑयल पर शुल्क 10% से घटाकर 5% कर दिया है। रिफाइंड सोया और रिफाइंड पाम ऑयल पर ड्यूटी 32.5% से घटाकर 27.5% की गई है। क्रूड सूरजमुखी तेल पर शुल्क 10% से घटाकर शून्य कर दिया गया है। रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर कस्टम ड्यूटी 32.5% से घटाकर 22.5% कर दी गई है। इन कटौतियों से खाद्य तेलों की आयात लागत कम होने की उम्मीद है। इससे ग्राहकों को कीमतों में राहत मिल सकती है।

पर्वतारोहियों का साहस, अनुशासन और टीम भावना युवाओं के लिए प्रेरणादायी : सीएम धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीरवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी के चार सफल पर्वतारोहण अभियानों का फ्लैग इन किया। इनमें जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान पहलगाम के साथ संयुक्त रूप से संचालित माउंट एकांकागुआ अभियान भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने सभी पर्वतारोहियों को सफल अभियानों के लिए बधाई देते हुए चुनौतीपूर्ण उच्च पर्वतीय परिस्थितियों में उनके साहस, अनुशासन, तकनीकी दक्षता और दल भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्वतारोहियों की उपलब्धियां उत्तराखंड सहित देश के युवाओं को साहसिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा कि नेहरू पर्वतारोहण संस्थान ने पर्वतारोहण, साहसिक खेलों, युवा विकास और उच्च हिमालयी प्रशिक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहचान बनाई है। संस्थान युवाओं को पर्वतारोहण व साहसिक गतिविधियों का उच्चस्तरीय प्रशिक्षण देने के साथ उनमें नेतृत्व, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित कर रहा है।

अर्जेंटीना स्थित 6,961 मीटर ऊंची माउंट एकांकागुआ के लिए नेहरू पर्वतारोहण संस्थान और जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान का संयुक्त अभियान कर्नल हेम चंद्र सिंह के नेतृत्व में संचालित हुआ।



मंडी मध्यस्थता योजना से सेब की खरीद में सुनिश्चित हुई पारदर्शिता : मुख्यमंत्री सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्य सरकार की मंडी मध्यस्थता योजना (एमआईएस) के तहत इस सेब सीजन में अब तक 8,000 मीट्रिक टन से अधिक सेब की खरीद की जा चुकी है।

वहीं, 17 हजार से अधिक बागवान एचपीएमआईएस पोर्टल पर पंजीकरण करवा चुके हैं। एक अगस्त से प्रदेश के 213 सेब संग्रहण केंद्रों पर खरीद प्रक्रिया जारी है, जो 31 अक्तूबर तक चलेगी। केंद्रों का संचालन एचपीएमसी और हिमफेड कर रहे हैं। इस वर्ष एमआईएस की पूरी प्रक्रिया को एचपीएमआईएस के माध्यम से डिजिटल किया गया है। इसमें बागवानों का पंजीकरण, खरीद, डिजिटल रसीद, परिवहन, प्रसंस्करण, निगरानी और भुगतान शामिल है। पात्र भुगतान सत्यापन के बाद डीबीटी के माध्यम से सीधे बागवानों के पंजीकृत बैंक खातों में भेजा जाएगा। सरकार ने बागवानों के लिए एकमुश्त पंजीकरण की सुविधा दी है। इस वर्ष पंजीकरण कराने वाले बागवानों को आगामी वर्षों में दोबारा पंजीकरण नहीं करवाना होगा। वे पोर्टल के माध्यम से संबंधित संग्रहण केंद्र को सेब जमा करवाने की सूचना दे सकेंगे। पंजीकरण एचपीएमआईएस पोर्टल, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक मित्र केंद्र और ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जा सकता है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि एमआईएस के डिजिटलीकरण से योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। डिजिटल रसीद और रियल-टाइम निगरानी से खरीद, परिवहन व प्रसंस्करण की प्रक्रिया व्यवस्थित होगी।



◆एमआईएस के तहत 8 हजार मीट्रिक टन से अधिक सेब खरीदा

17 हजार बागवान पंजीकृत



निर्देश गीता महोत्सव की तैयारियों पर मंथन, नेवी-एयरफोर्स व इसरो लगाएगा प्रदर्शनी

हर नागरिक का अपना उत्सव है गीता महोत्सव: सैनी

एजेंसी, कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 21 दिन का अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 5 दिसंबर से शुरू होगा। इस 11वें महोत्सव के आयोजन के लिए वीरवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गीता ज्ञान संस्थानम् में धार्मिक, सामाजिक और व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर महोत्सव की तैयारियों पर मंथन किया।

महोत्सव में 5 से 25 दिसंबर तक आर्ट एंड क्राफ्ट मेला लगेगा और 14 से 20 दिसंबर तक मुख्य कार्यक्रम होंगे। इनमें गीता यज्ञ, गीता पाठ, प्रदर्शनी और संत सम्मेलन समेत कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव में पहली बार देशभर के स्कूलों और यूनिवर्सिटी के करीब 10 लाख स्टूडेंट्स को जोड़ने की तैयारी है। बैठक में 285 संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बुलाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि कुरुक्षेत्र के हर नागरिक और सामाजिक-धार्मिक संस्था का अपना उत्सव है। उन्होंने संस्थाओं से सुझाव भी मांगे कि महोत्सव को ऐसा कैसे बनाया जाए कि देश-विदेश से आने वाला हर व्यक्ति कुरुक्षेत्र से गीता का संदेश लेकर जाए। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेंद्र सिंघल ने कहा कि महोत्सव में 50 से ज्यादा विदेशी कारीगर शामिल होंगे। विदेशों से विद्वानों को भी बुलाया जाएगा। इस बार पश्चिम बंगाल और दिल्ली स्टेट पार्टनर होंगे। अभी कंट्री पार्टनर तय नहीं हुआ है। पहली बार नेवी, एयरफोर्स और इसरो अपनी प्रदर्शनी लगाएंगे।



◆ 5 से 25 दिसंबर तक आर्ट एंड क्राफ्ट मेला लगेगा और 14 से मुख्य कार्यक्रम होंगे

◆ गीता महोत्सव में देशभर के 10 लाख विद्यार्थियों को जोड़ने की तैयारी

जिला परिषद की पहली बैठक में विकास कार्यों पर सदस्यों ने उठाए अहम सवाल

नई परिषद ने सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और परिवहन से जुड़ी समस्याओं पर अधिकारियों से मांगे जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नव निर्वाचित जिला परिषद शिमला की पहली बैठक वीरवार को जिला परिषद कार्यालय, चलौंठी में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष भूपेंद्र ससोदिया ने की। बैठक में सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली और ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए। सदस्यों की ओर से लिखित रूप में भेजे गए विकास कार्यों की समीक्षा की गई और मौखिक रूप से उठाई गई समस्याओं पर संबंधित विभागों के अधिकारियों से जानकारी ली गई।



जिला परिषद अध्यक्ष भूपेंद्र ससोदिया ने कहा कि प्रदेश और जिले के विकास को गति देने में जिला परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सदस्यों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिला परिषद सदन जमीनी स्तर की समस्याओं को सामने लाकर सरकार तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बताया कि भविष्य में सदस्यों के लिए ऑनलाइन सवाल भेजने और अधिकारियों से ऑनलाइन जवाब लेने की व्यवस्था की जाएगी।

अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन शर्मा ने कहा कि किसी योजना के प्रारूप में बदलाव, स्वीकृत बजट को घटाने-बढ़ाने या उसे दूसरी योजना में स्थानांतरित करने का अधिकार जिला परिषद सदन के पास नहीं है। सदस्यों का दायित्व विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के साथ उनकी गुणवत्ता पर नजर रखना भी है। जिला पंचायत अधिकारी एवं जिला परिषद सचिव डॉ. विनय शर्मा ने बैठक का संचालन किया। उन्होंने बताया कि चार सदस्यों ने लिखित प्रश्न भेजे थे।

चौपाल क्षेत्र के सदस्य अतुल शर्मा ने सड़क, परिवहन और पेयजल से जुड़े पांच मुद्दे उठाए। अधिकारियों ने बताया कि कारगोली नाला-देहा सड़क की मेटलिंग और टारिंग का निविदा कार्य पूरा हो चुका है और एक सप्ताह में काम शुरू होगा। पुलवाहल-सराह सड़क पर सुरक्षा दीवार, नालियों और पुलियों के निर्माण के लिए मौके का निरीक्षण किया जाएगा। नेरवा डिपो की 39 बसें 43 मार्गों पर चल रही हैं। नई विद्युत बसें मिलने के बाद बंद मार्गों को बहाल किया जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत घबास-सराह सड़क पर 5.50 करोड़ रुपये का काम चल रहा है। कुछ उठाऊ पेयजल योजनाएं धन की कमी के कारण लंबित हैं।

कोटगढ़-ठियोग क्षेत्र के सदस्य संदीप शरोल ने अस्पताल, पेयजल और बस सेवाओं से जुड़े मुद्दे उठाए। अधिकारियों ने बताया कि कुर्पन पेयजल योजना पर अब तक 288 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं।

बैंकों को सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के मिले निर्देश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला स्तरीय कंसल्टेटिव समिति की बैठक वीरवार को बचत भवन में उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिले में बैंकिंग सेवाओं, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, ऋण वितरण, प्राथमिकता क्षेत्र को दिए जा रहे ऋण तथा गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों की स्थिति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बैंकों के प्रतिनिधियों से आमजन को बैंकिंग सुविधाओं और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।



उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी बड़ी संख्या में लोगों को बैंकिंग सेवाओं और सरकार की विभिन्न योजनाओं की पर्याप्त जानकारी नहीं है। पात्र लोगों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाकर उन्हें लाभ दिलाना बैंकों की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने प्रभावी जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि 30 जून 2026 तक जिले में प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 1,95,161 खाते हैं। इनमें 21,924 खाते शून्य शेष वाले हैं, जबकि अन्य खातों में 129.87 करोड़ रुपये जमा हैं। योजना के तहत 1,31,634 रुपे कार्ड जारी किए गए हैं, जिनमें 75,245 सक्रिय हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 1,75,203, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 4,14,511 और अटल पेंशन योजना में 90,825 पंजीकरण हुए हैं।

जिले में 63 स्वयं सहायता समूहों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है और उन्हें 131 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध करवाई गई है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 6,021 खातों में 138.74 करोड़ रुपये तथा प्रधानमंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज योजना के तहत 15 खातों में 117 लाख रुपये का ऋण दिया गया है। क्रॉप लोन के तहत 31,684 मामलों में 463.35 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं।

बैठक में बताया गया कि मार्च से जून 2026 के दौरान जिले में बैंक जमा 44,893.88 करोड़ से घटकर 44,103.64 करोड़ रुपये रह गया, जबकि बैंक अग्रिम 21,518.44 करोड़ से बढ़कर 21,633.83 करोड़ रुपये हो गए।

रजनी पाटिल करेंगी कांग्रेस पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा

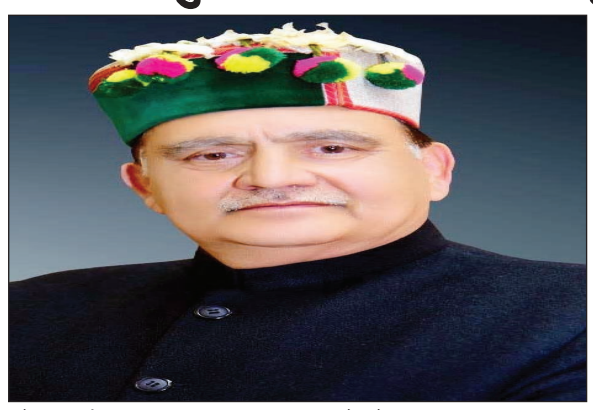
भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रदेश मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल 25 सितंबर को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में पार्टी पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा करेंगी। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार भी मौजूद रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस के संगठन महामंत्री विनोद जिंटा ने बताया कि बैठक की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और पदाधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारियों से संबंधित जिलों और ब्लॉकों में संगठन के कामकाज की विस्तृत रिपोर्ट ली जाएगी। संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी चर्चा होगी। जिंटा ने बताया कि 26 सितंबर को मीडिया विभाग, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अग्रणी संगठनों और विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी। बैठक में पार्टी की आगामी गतिविधियों और रणनीति पर विचार-विमर्श होगा।

शिमला मॉल रोड पर पत्नी से मारपीट पति पर मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला के मॉल रोड पर पर्यटक दंपती के बीच मारपीट और गाली-गलौज का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। पुलिस थाना सदर शिमला में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 74, 79 और 115(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने वीडियो में दिखाई दे रहे महिला और पुरुष की पहचान कर दोनों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया। पूछताछ में दोनों ने खुद को पति-पत्नी बताया। उन्होंने बताया कि उनका विवाह इसी वर्ष मई में हुआ था और वे पहली बार शिमला घूमने आए थे। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ और मारपीट की घटना सामने आई। पुलिस ने महिला से अलग पूछताछ कर उसके बयान दर्ज किए हैं। साथ ही वायरल वीडियो को सुरक्षित रखते हुए इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और घटनास्थल की भी तस्दीक की जा रही है।

मिलान के बाद हेलसिंकी पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानियां

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां अपने अध्ययन प्रवास के अगले चरण में इटली के प्रसिद्ध शहर मिलान से वायुमार्ग द्वारा फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी पहुंचे। पठानियां 21 से 25 सितंबर तक मिलान के अध्ययन प्रवास पर थे। इसके बाद 23 और 24 सितंबर को उनका फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में अध्ययन प्रवास निर्धारित है।



मिलान दुनिया के प्रमुख शहरों में शामिल है। यह शहर फैशन, डिजाइन, इतिहास, वास्तुकला और आर्थिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध है। इसे फैशन और डिजाइन की राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। अपने प्रवास के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों, शिक्षण संस्थानों और औद्योगिक क्षेत्रों का दौरा किया तथा वहां की व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली का अध्ययन किया। उन्होंने इन व्यवस्थाओं को हिमाचल प्रदेश और देश के संदर्भ में समझने का प्रयास किया।

पठानियां ने मिलान की वास्तुकला और शहर के विकास की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मिलान अपनी सुंदरता और व्यवस्थित विकास के कारण आकर्षित करता है। शहर को विकसित करने में वहां के वास्तुकारों और शिल्पकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

अध्ययन प्रवास के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने भारतीय समुदाय के लोगों और स्थानीय नागरिकों से भी मुलाकात की। भारतीय समुदाय के साथ संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि भारत उनका मूल देश है और विदेशों में अर्जित धन का निवेश देश में किया जाना चाहिए। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है और देश की युवा शक्ति उसकी सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का उपयोग समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

मिलान के बाद पठानियां फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी पहुंचे हैं। यहां वे 23 और 24 सितंबर तक विभिन्न संस्थानों और व्यवस्थाओं का अध्ययन करेंगे। इसके बाद उनका फिनलैंड के प्रसिद्ध शहर रोवानीमी जाने का कार्यक्रम है।

रोवानीमी फिनलैंड के लैपलैंड क्षेत्र की राजधानी है। यह आर्कटिक सर्कल के निकट स्थित होने के कारण विशेष पहचान रखता है। शहर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, उत्तरी रोशनी और पर्यटन गतिविधियों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इसे सांता क्लॉज के आधिकारिक गृह नगर के रूप में भी जाना जाता है।

पठानियां 25 और 26 सितंबर तक रोवानीमी के अध्ययन प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे वहां की स्थानीय व्यवस्थाओं, पर्यटन और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों का अध्ययन करेंगे। अध्ययन प्रवास के दौरान प्राप्त अनुभवों और व्यवस्थाओं की जानकारी हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में उपयोगी हो सकती है।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर विनय कुमार ने उठाए गंभीर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर कथित तौर पर मनमाने तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवाल लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय हैं।

विनय कुमार ने तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में दो चुनाव आयुक्तों की ओर से उठाई गई आपत्तियों का हवाला देते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची, नए मतदाताओं के पंजीकरण, फार्म-6 में बदलाव और मतदाता आंकड़ों के केंद्रीकरण जैसे विषयों पर कथित तौर पर आपत्तियां दर्ज की गई हैं।

विनय कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग के भीतर मतदाता सूची से जुड़े निर्णयों को लेकर सामने आई रिपोर्ट गंभीर चर्चा की मांग करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मसौदा सूचियों से हटाए गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के दौरान 13 करोड़ से अधिक नाम मसौदा मतदाता सूचियों से हटाए गए थे।

उन्होंने गोवा में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज करने, बंगाल में अपील और मतदाता आंकड़ों के केंद्रीकरण से संबंधित मुद्दों का भी उल्लेख किया। विनय कुमार ने कहा कि इन सभी विषयों पर चुनाव आयोग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष पहले भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। विनय कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर रहते हुए ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए और उनके इस्तीफे की मांग की।

हाल में सामने आई रिपोर्ट में दो चुनाव आयुक्तों की ओर से एसआईआर से जुड़े विभिन्न निर्णयों पर कई बार आपत्ति दर्ज किए जाने का दावा किया गया था। चुनाव आयोग ने हालांकि कहा है कि आंतरिक टिप्पणियां और मतभेद अंतिम निर्णय के समान नहीं होते तथा आयोग के फैसले सर्वसम्मति से लिए गए।

हिंदी कार्यशाला में कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा के प्रभावी प्रयोग पर जोर

अधिकारियों और कर्मचारियों को सरल, सहज हिंदी लेखन तथा संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी दी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजभाषा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) शिमला में तिमाही हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी, सरल और सहज प्रयोग को बढ़ावा देना रहा। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी के अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रेरित किया गया तथा राजभाषा से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों और कार्यालयीन कार्यप्रणाली में हिंदी के महत्व की जानकारी दी गई।



कार्यशाला में जनगणना कार्य निदेशालय, शिमला के सहायक निदेशक एवं राजभाषा अधिकारी अनिल कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने पीआईबी और केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) शिमला के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने संविधान में राजभाषा हिंदी के संबंध में किए गए प्रावधानों की जानकारी देते हुए सरल एवं प्रभावी हिंदी लेखन के विभिन्न पहलुओं पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि कार्यालयीन कामकाज में भाषा जितनी सरल और सहज होगी, सूचनाओं का आदान-प्रदान उतना ही प्रभावी होगा। इसलिए सरकारी कार्यों में ऐसे शब्दों के प्रयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जिन्हें आम लोग आसानी से समझ सकें। उन्होंने हिंदी में कार्य करने के दौरान भाषा की शुद्धता के साथ-साथ उसकी सरलता और प्रभावशीलता पर भी ध्यान देने की आवश्यकता बताई। पीआईबी शिमला के सहायक निदेशक संजीव शर्मा ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

ठियोग में पिकअप की टक्कर से तीन वर्षीय बच्ची की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ठियोग क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्र से दादी के साथ घर लौट रही तीन वर्षीय बच्ची की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा चाटोग-सिंखुरी सड़क पर बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे हुआ। मृतक बच्ची की पहचान दिव्यांशी के रूप में हुई है। हादसे में बच्ची की दादी मीरा उर्फ शकुंतला भी घायल हुई हैं।



पुलिस के अनुसार मीरा अपनी नाबालिग पोती दिव्यांशी को आंगनबाड़ी केंद्र से लेकर पैदल घर लौट रही थीं। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आई सफेद रंग की पिकअप ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बच्ची और उसकी दादी घायल हो गईं। हादसे के बाद दोनों को उपचार के लिए चियोग ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें एंबुलेंस से आईजीएमसी शिमला रेफर कर दिया।

पुलिस के अनुसार आईजीएमसी ले जाते समय रास्ते में बच्ची की हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। बच्ची के शव को आईजीएमसी शिमला की मोर्चरी में रखा गया है। दादी का उपचार चल रहा है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे के संबंध में पुलिस थाना ठियोग में 23 सितंबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) और 106(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एचपीटीडीसी कर्मियों को 24 दिन से नहीं मिला वेतन

कर्मचारी संघ ने लंबित एरियर, भत्तों और अन्य भुगतान शीघ्र जारी करने की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के कर्मचारियों को अगस्त का वेतन 24 दिन बीतने के बाद भी नहीं मिला है। वेतन में देरी से नाराज कर्मचारियों ने अब आंदोलन की चेतावनी दी है। भारतीय मजदूर संघ समर्थित एचपीटीडीसी कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह राणा ने मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर कर्मचारियों को समय पर वेतन दिलाने और निगम के अध्यक्ष को पद से हटाने की मांग की है।



शिमला में वीरवार को पत्रकार वार्ता में मदन सिंह राणा ने कहा कि निगम में करीब एक हजार नियमित, 70 दैनिक वेतनभोगी और 500 आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं। कई कर्मचारी किराये के मकानों में रहते हैं और वेतन में देरी के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के विभिन्न महंगाई भत्तों के एरियर और वर्ष 2016 के अंतरिम वेतन से संबंधित बकाया राशि भी लंबित है। इसके अलावा करीब एक वर्ष से चिकित्सा और यात्रा भत्ते के बिलों का भुगतान नहीं हुआ है।

राणा ने निगम की वित्तीय स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि होटल वाइल्ड फ्लावर हॉल से अब तक करीब 401 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। उनका दावा है कि हर महीने लगभग 1.25 करोड़ रुपये किराये के रूप में सीधे सरकार को जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इस राशि का उपयोग निगम के कर्मचारियों के वेतन और अन्य देनदारियों के भुगतान के लिए किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कुल्लू की चार पर्यटन इकाइयों में एक साथ नवीनीकरण कार्य चलने से निगम की आय प्रभावित हो रही है।

कर्मचारी संघ ने निगम की आठ इकाइयों को संचालन एवं रखरखाव आधार पर देने की प्रस्तावित प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। राणा ने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी निगम को कमजोर कर पर्यटन इकाइयों को निजी हाथों में देने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से निगम के कामकाज की समीक्षा करने की मांग की। राणा ने कहा कि यदि एक अक्टूबर तक वेतन का भुगतान नहीं हुआ और उनकी अन्य मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई तो कर्मचारी आंदोलन शुरू करेंगे।

पलटवार जम्वाल ने कांग्रेस नेता से राजनीतिक मर्यादा बनाए रखने और चुनावी गारंटियों पर जवाब देने को कहा

प्रधानमंत्री पर टिप्पणी को लेकर जम्वाल का पाटिल पर पलटवार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं सुंदरनगर विधायक राकेश जम्वाल ने कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल द्वारा सोलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जम्वाल ने कहा कि राजनीतिक दलों और नेताओं को एक-दूसरे की नीतियों तथा कार्यप्रणाली की आलोचना तथ्यों और मुद्दों के आधार पर करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पद संवैधानिक पद है और इस पद पर बैठे व्यक्ति के संबंध में सार्वजनिक बयान देते समय राजनीतिक मर्यादा का ध्यान रखा जाना चाहिए।

जम्वाल ने आरोप लगाया कि रजनी पाटिल द्वारा प्रधानमंत्री के लिए 'भैंस का दूसरा अवतार' जैसी टिप्पणी किया जाना राजनीतिक संवाद के स्तर को गिराने वाला है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों के बजाय नीतियों, योजनाओं और सरकार के कामकाज पर बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस केंद्र सरकार की नीतियों या प्रधानमंत्री के कार्यों से असहमत है तो वह तथ्यों के साथ अपनी आपत्तियां जनता के सामने रख सकती है।



भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके कार्यकाल में कई योजनाएं संचालित की गई हैं। उन्होंने नल से जल, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना, स्वच्छ भारत मिशन और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पर राजनीतिक दलों के बीच तथ्यात्मक बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी योजना की सफलता, उसके लाभार्थियों की संख्या और उसके प्रभाव को लेकर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन चर्चा आंकड़ों और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए।

जम्वाल ने कांग्रेस पर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए चुनावी वादों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले विभिन्न वर्गों से कई गारंटियां पूरी करने का वादा किया था। इनमें महिलाओं को 1500 रुपये देने, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और अन्य चुनावी वादे शामिल थे। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से इन वादों की वर्तमान स्थिति को लेकर प्रदेश की जनता के सामने स्पष्ट जानकारी रखने की मांग की।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार की आलोचना करने से पहले कांग्रेस नेताओं को अपनी राज्य सरकार के चुनावी वादों पर भी चर्चा करनी चाहिए। जम्वाल ने विशेष रूप से महिलाओं को 1500 रुपये देने की गारंटी, रोजगार से जुड़े वादों और प्रदेश की आर्थिक स्थिति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनता राजनीतिक दलों से अपने वादों और उनके क्रियान्वयन को लेकर जवाब मांगती है।

भाजपा मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि राजनीतिक दलों के बीच मतभेद होना लोकतंत्र की प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों की आलोचना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा की मर्यादा बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से व्यक्तिगत टिप्पणियों के बजाय जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने का आग्रह किया।

जम्वाल ने कहा कि प्रदेश में राजनीतिक बहस रोजगार, विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति और चुनावी वादों के क्रियान्वयन जैसे विषयों पर केंद्रित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के सामने दोनों पक्षों को अपने-अपने दावों और उपलब्धियों का तथ्यात्मक विवरण रखना चाहिए, ताकि लोग विभिन्न राजनीतिक दावों के बारे में स्वयं राय बना सकें।

ठियोग महाविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस



भारतेन्दु संवाददाता, ठियोग। राजकीय महाविद्यालय ठियोग में 24 सितंबर 2026 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भूपिंद्र सिंह ठाकुर के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में प्रोफेसर अनीता राठौर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना ठियोग महाविद्यालय इकाई, नगर परिषद ठियोग और गैर सरकारी संगठन प्लान फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। स्वयंसेवियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक सेवा का संदेश भी दिया। इसके बाद प्लान फाउंडेशन के सदस्यों ने कचरा पृथकीकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि घरों और सार्वजनिक स्थानों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित कर उसका उचित निस्तारण किया जाना पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक है।

कार्यशाला के दौरान स्वयंसेवियों को कचरे के उचित प्रबंधन, स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छ वातावरण के निर्माण के लिए लोगों की सहभागिता जरूरी है और कचरे को स्रोत स्तर पर अलग करना इसकी महत्वपूर्ण कड़ी है।

कार्यक्रम के बाद महाविद्यालय परिसर और इसके आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने सफाई अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और आसपास फैले कचरे को एकत्र कर उचित स्थान पर पहुंचाया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक भी किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के योजना अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

मसूरी में सेवा और नेतृत्व का संगम एमआईएस में 37 यूनिट रक्तदान





सुनील सोनकर

मसूरी। मसूरी इंटरनेशनल स्कूल (एमआईएस) में बुधवार को इंटरैक्ट क्लब की ओर से वार्षिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया, जिससे 37 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। रोटरी क्लब मसूरी ने भी आयोजन में सहयोग किया। क्लब अध्यक्ष अश्विनी मित्तल ने स्वयं रक्तदान कर अभियान में सहभागिता की। आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने के साथ विद्यार्थियों को सामाजिक सेवा के महत्व से जोड़ना रहा।

रक्तदान शिविर के बाद वर्ष 2026-27 के लिए इंटरैक्ट क्लब का पदग्रहण समारोह हुआ। प्रधानाचार्या शालू बब्बर ने नवनियुक्त अध्यक्ष श्रेया घमांडे और उनकी कार्यकारिणी को पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई।

◆रक्तदान के बाद इंटरैक्ट क्लब की नई टीम ने संभाली कमान, श्रेया घमांडे बनीं अध्यक्ष

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने श्लोक, मंत्रोच्चार और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

रोटरी अध्यक्ष अश्विनी मित्तल ने विद्यार्थियों को सेवा और जिम्मेदारी को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र करनवाल ने रोटरी, रोटरैक्ट और इंटरैक्ट क्लब की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

आईआईटी रुड़की में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पर विशेषज्ञों ने किया व्यापक मंथन

प्रयोगशाला से ग्रामीण क्षेत्रों तक तकनीकी समाधान पहुंचाने पर दिया जोर

अनिल थपलियाल



रुड़की। ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्य समूह की तीसरी वार्षिक समीक्षा बैठक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में शुरू हुई। 24 और 25 सितंबर को आयोजित हो रही इस बैठक में प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थानों और वैज्ञानिक संस्थानों के शोधकर्ता, वैज्ञानिक तथा अधिकारी शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विकसित की जा रही तकनीकी पहलों की प्रगति की समीक्षा करना, जमीनी स्तर पर उनके क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों पर चर्चा करना और टिकाऊ तथा व्यापक स्तर पर अपनाई जा सकने वाली ग्रामीण प्रौद्योगिकियों के लिए रणनीति तैयार करना है।

◗आईआईटी रुड़की में जुटे वैज्ञानिक और शोधकर्ता

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण प्रौद्योगिकी का प्रभाव तभी सार्थक होगा, जब वैज्ञानिक नवाचार प्रयोगशालाओं से निकलकर ग्रामीण समुदायों, किसानों, कारीगरों और अन्य जमीनी क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करें। उन्होंने ग्रामीण तकनीकों में व्यावहारिकता, वहनीयता, अनुकूलनशीलता और व्यापक स्तर पर अपनाए जाने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया। साथ ही जमीनी स्तर पर तैनाती, सामुदायिक सहभागिता और स्थानीय उद्यम मॉडल को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनई ने शैक्षणिक अनुसंधान, तकनीकी विकास और जमीनी क्रियान्वयन के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत बताई। उन्होंने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, प्रभावी प्रसार तंत्र और अंतिम उपयोगकर्ताओं से लगातार प्रतिक्रिया लेने पर जोर दिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा कि तकनीकी नवाचार किसानों, कारीगरों और ग्रामीण समुदायों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप होने चाहिए।

बैठक में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बंबई, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी हैदराबाद और शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कश्मीर के प्रतिनिधि शामिल हुए।

मसूरी अल्ट्रा मैराथन की दूसरी पारी पर्यटन सचिव ने लॉन्च की टी-शर्ट

सुनील सोनकर



मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में होने वाली अल्ट्रा मैराथन के दूसरे संस्करण की तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन को लेकर पर्यटन विभाग भी उत्साहित है। उत्तराखंड सरकार के पर्यटन सचिव एवं आईएएस अधिकारी धीराज गर्ब्याल ने पर्यटन विभाग के एसीईओ अभिषेक रोहिल्ला की मौजूदगी में अल्ट्रा मैराथन की आधिकारिक टी-शर्ट जारी की। इस अवसर पर उत्तराखंड होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं आयोजन से जुड़े संदीप सहनी ने कहा कि इसका उद्देश्य केवल दौड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि मसूरी को साहसिक और खेल पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना भी है। देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभागियों के आने से पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

◆पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल ने कहाः-ऐसे आयोजन से पहाड़ में एडवेंचर टूरिज्म और स्थानीय पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

आयोजकों के अनुसार दूसरे संस्करण का आयोजन पहले से व्यापक स्तर पर किया जाएगा। इसमें अलग-अलग आयु वर्ग और क्षमता के प्रतिभागियों के लिए विभिन्न श्रेणियों में दौड़ आयोजित होगी। आयोजन के माध्यम से स्थानीय युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के साथ मसूरी की प्राकृतिक सुंदरता को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है। पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल ने कहा कि उत्तराखंड की प्राकृतिक परिस्थितियां साहसिक और खेल पर्यटन के लिए अनुकूल हैं तथा ऐसे आयोजनों से पर्यटकों को पहाड़ों में आने का नया अवसर मिलता है। आयोजक संदीप सहनी ने कहा कि पहाड़ी सड़कों और प्राकृतिक वातावरण में होने वाली यह दौड़ प्रतिभागियों के लिए विशेष अनुभव होगी। आयोजन में स्थानीय लोगों, होटल व्यवसायियों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों की भागीदारी बढ़ाने का भी प्रयास किया जा रहा है, ताकि इसका लाभ व्यापक स्तर पर पर्यटन कारोबार को मिल सके।

एसएसपी दून के नेतृत्व में दून पुलिस को मिली एक और सफलता

◆क्लेमेंट टाउन हत्याकांड का पुलिस ने किया पर्दाफाश

अनिल थपलियाल



देहरादून। क्लेमेंट टाउन क्षेत्र में 26 वर्षीय महिला काजल की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए उसके पति धीरज पंवार उर्फ लल्लू को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पारिवारिक विवाद और पत्नी द्वारा तलाक लेने की तैयारी की जानकारी होने के बाद आरोपी ने कथित तौर पर घटना को अंजाम दिया। 21 सितंबर की सुबह 112 कंट्रोल रूम के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली थी कि धीरज की अपनी पत्नी काजल से हाथापाई हुई और इस दौरान गोली लगने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही क्लेमेंट टाउन पुलिस मौके पर पहुंची।

वहां काजल मृत अवस्था में मिली। उसके सिर और पेट पर गोली के निशान थे। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। घटना के बाद आरोपी अपना मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गया था। मृतका के भाई की तहरीर पर थाना क्लेमेंट टाउन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। एसएसपी देहरादून के निर्देश पर थाना क्लेमेंट टाउन और एसओजी की संयुक्त टीम गठित की गई।

पुलिस ने सुरागरसी और मुखबिर तंत्र की मदद से 23 सितंबर को आरोपी धीरज पंवार, निवासी मुजफ्फरनगर, को क्लेमेंट टाउन क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तमंचा, एक जिंदा कारतूस और घटना के समय पहनी गई शर्ट बरामद की गई। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

भव्य शोभायात्रा के साथ संपन्न हुआ मां नंदा-सुनंदा मेला



डी एस सिजवाली, अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में प्रसिद्ध मां नंदा देवी मेला 2026 बुधवार को मां नंदा-सुनंदा की भव्य शोभायात्रा और डोला विसर्जन के साथ श्रद्धा और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। माता के विदाई दर्शनों के लिए नगर के पारंपरिक मार्गों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। दोपहर एक बजे चंद राजवंश के प्रतिनिधि युवराज नरेंद्र चंद्र राज सिंह ने मंदिर में विधि-विधान से मां नंदा-सुनंदा का विदाई पूजन किया। इसके बाद अपराह्न साढ़े तीन बजे प्रतिमाओं का डोला मंदिर परिसर से निकाला गया। शाम साढ़े पांच बजे डोला नगर भ्रमण के लिए रवाना हुआ। लालबाजार, शिखर तिराहा, ड्योढ़ी पोखर, लोहाशेर, टैड़ी बाजार, कारखाना बाजार, हुक्का क्लब, जौहरी बाजार, मल्ली बाजार और अलेक्जेंडर गेट से होते हुए शोभायात्रा आर्मी कैंट पहुंची। इस दौरान 'बोल नंदा मैया की जय' के जयकारों से सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा गूंजती रही। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद दुगालखोला स्थित नौले में धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार मां नंदा-सुनंदा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। राज परिवार के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्रीनगर में साइबर स्टॉकिंग पर महिलाओं को किया जागरूक



गिरीश चंदोला

श्रीनगर। राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग और उत्तराखंड राज्य महिला आयोग के संयुक्त तत्वावधान में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर में स्टॉकिंग एवं साइबर स्टॉकिंग की रोकथाम को लेकर एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को ऑनलाइन तथा ऑफलाइन पीछा किए जाने की घटनाओं की पहचान, साइबर सुरक्षा, कानूनी अधिकार और शिकायत प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और वंदे मातरम् के साथ हुआ। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल, अनचाहे संदेश, ऑनलाइन निगरानी और डिजिटल माध्यमों से पीछा किए जाने जैसी घटनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी।

प्रतिभागियों को सोशल मीडिया खातों की सुरक्षा, व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में सावधानी और संदिग्ध गतिविधियों के दौरान डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने के तरीके बताए गए।

पुलिस एवं साइबर सेल के विशेषज्ञों ने शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया और उपलब्ध सहायता तंत्र की जानकारी दी। मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ ने साइबर उत्पीड़न से होने वाले तनाव और मानसिक दबाव से निपटने के उपाय बताए। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चंद्रकला तिवारी ने कहा कि डिजिटल दौर में महिलाओं की सुरक्षा के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के शिक्षक, स्थानीय महिलाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

12 सूत्रीय मांगों को लेकर 25 को पौड़ी में कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

अनिल थपलियाल, पौड़ी। पौड़ी। 12 सूत्रीय मांगों के समाधान को लेकर उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन के कर्मचारी 25 सितंबर को जिला मुख्यालय पौड़ी में धरना-प्रदर्शन और रैली करेंगे। आंदोलन के बाद जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को मांग-पत्र भेजा जाएगा। फेडरेशन ने कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर कर्मचारियों से अधिक संख्या में पौड़ी पहुंचने की अपील की है। पदाधिकारियों ने बताया कि पुरानी पेंशन बहाली, गोल्डन कार्ड की समस्याओं का समाधान, पदोन्नति, स्थानांतरण और सेवा संबंधी विसंगतियों समेत 12 मांगों को लेकर कर्मचारी लंबे समय से शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया गया है। जिलाध्यक्ष सीताराम पोखरियाल ने कहा कि 25 सितंबर का कार्यक्रम कर्मचारियों की साझा समस्याओं से जुड़ा है और सभी घटक संगठनों से भागीदारी की अपील की गई है। जिला सचिव दीपक गोडियाल ने बताया कि आंदोलन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित बनाने के लिए सतर्क दल गठित किया गया है। रैली की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संदीप भट्ट को सौंपी गई है। कोटद्वार तहसील क्षेत्र में भी कार्यक्रम आयोजित होगा।

ऋषिकेश पीजी कॉलेज में एबीवीपी की विजय संकल्प रैली आयोजित

अनिल थपलियाल



ऋषिकेश। पीजी कॉलेज छात्र संघ चुनाव के तहत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की ओर से विजय संकल्प रैली आयोजित की गई। रैली में ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने भी प्रतिभाग किया। रैली का शुभारंभ आशीर्वाद वाटिका से हुआ और विभिन्न मार्गों से होते हुए ऋषिकेश पीजी कॉलेज परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, एबीवीपी कार्यकर्ताओं, भाजपा पदाधिकारियों और कॉलेज के छात्र नेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया।

◆विजय संकल्प रैली में प्रेमचंद अग्रवाल ने बढ़ाया छात्र कार्यकर्ताओं का उत्साह

उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी किसी भी संगठन को मजबूती प्रदान करती है। छात्र हितों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देते हुए सकारात्मक प्रयास किए जाने चाहिए। रैली के दौरान कॉलेज परिसर में छात्र नेताओं और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, एबीवीपी कार्यकर्ताओं और छात्र नेताओं की मौजूदगी रही।

उत्तरकाशी में सहकारी बैंक खोलेगा नौ नई शाखाएं

युवाओं-किसानों को देगा सौ करोड़ का शून्य ब्याज ऋण

शिव सिंह थलवाल



उत्तरकाशी। जिला सहकारी बैंक की नवगठित प्रबंध समिति की पहली बैठक में जिले में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिला सहकारी बैंक के सभागार में नव निर्वाचित अध्यक्ष शारदा सतेंद्र राणा की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में नौ नई शाखाएं खोलने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इससे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्र के लोगों को बैंकिंग सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध हो सकेंगी। बैठक में जिले की सभी बैंक शाखाओं में एटीएम सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बैंक के उच्चाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में युवाओं, महिलाओं और किसानों को स्वरोजगार के लिए 100 करोड़ रुपये तक का ऋण शून्य ब्याज दर पर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। बैंक अब केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के तहत ऋण वितरण करेगा। इसके अलावा होमस्टे, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और वाहन खरीद सहित अन्य स्वरोजगार गतिविधियों के लिए भी ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। खरसाड़ी में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समिति को दोबारा संचालित करने पर भी सहमति बनी।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए छोटे कारोबार से जुड़ी महिलाओं को बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराने की योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए भारत दर्शन और चारधाम यात्रा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई।

मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों ने 12 सूत्री मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

डी एस सिजवाली



अल्मोड़ा। उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन जनपद अल्मोड़ा ने मिनिस्ट्रीयल कार्मिकों की लंबित 12 सूत्रीय मांगों के समाधान की मांग को लेकर गुरुवार को ज्ञापन सौंपा। पूर्व दर्जा राज्य मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बिट्टू कर्नाटक के माध्यम से ज्ञापन कैबिनेट मंत्री और मुख्यमंत्री को भेजा गया। संगठन ने कनिष्ठ सहायकों का ग्रेड वेतन 2000 से बढ़ाकर 2800 रुपये करने, मिनिस्ट्रीयल संवर्ग का पुनर्गठन कर पर्याप्त पद सृजित करने, कॉमन सेवा नियमावली लागू करने और सेवा नियमों में व्यावहारिक संशोधन की मांग की।

इसके साथ ही गोल्डन कार्ड और उपचार देयकों का समयबद्ध लाभ, एसीपी-एमएसीपी व लंबित पदोन्नतियां समय पर करने, पुरानी पेंशन बहाली और सेवा विसंगतियों के निराकरण की मांग उठाई गई। बिट्टू कर्नाटक ने मांगों को लेकर कैबिनेट मंत्री व मुख्यमंत्री से वार्ता कर प्रभावी पैरवी का आश्वासन दिया। संगठन ने शीघ्र निर्णय न होने पर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी।

सरकार जनता तक पहुंचकर समस्याओं का कर रही समाधान : सौरभ बहुगुणा

शिव सिंह थलवाल



उत्तरकाशी। सेवा संकल्प अभियान के तहत राइका चिन्यालीसौड़ में बहुउद्देशीय एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिला प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि सरकार जनता तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले अभियान में 1099 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी और आवेदन प्रक्रिया व जरूरी दस्तावेजों के बारे में बताया।

◗चिन्यालीसौड़ शिविर में बहुगुणा ने बांटे सहायता राशि के चेक

स्वास्थ्य, होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक विभाग ने लोगों की जांच कर निशुल्क दवाइयां वितरित कीं। मधुमेह और रक्तचाप की जांच भी की गई। प्रभारी मंत्री ने वृक्षारोपण किया और मत्स्य विभाग के विशेष वाहन को हरी झंडी दिखाई। डेयरी विकास विभाग ने मंजू देवी को 10 हजार, विनीता देवी को सात हजार और अशरफी देवी को पांच हजार रुपये के चेक दिए। उद्यान विभाग ने सियाराम को 2.32 लाख तथा देवेंद्र सिंह और सुरेंद्र सिंह को 2.40-2.40 लाख रुपये की सहायता राशि दी। शिविर में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं।

उपलब्धि द लिटररी टेबल फेस्टिवल में साहित्य, कला और समसामयिक मुद्दों पर होगा मंथन

साहित्य-कला के रंग में रंगेगा देहरादून

अनिल थपलियाल



देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में साहित्य, कला, संस्कृति और पत्रकारिता से जुड़े देश-दुनिया के दिग्गज एक मंच पर जुटने जा रहे हैं। आरोग्य वेलबीइंग ट्रस्ट के तत्वावधान में बहुप्रतीक्षित 'द लिटरी टेबल-लिटरेचर एंड आर्ट्स फेस्टिवल' का आयोजन 26 और 27 सितंबर को फेयरफील्ड बाय मैरियट, देहरादून में किया जाएगा। दो दिवसीय इस आयोजन में साहित्य और कला से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ पुस्तकों, रचनात्मक अभिव्यक्ति, संस्कृति और समसामयिक मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। आयोजकों के अनुसार, फेस्टिवल का उद्देश्य साहित्य और कला के प्रति नई पीढ़ी की रुचि बढ़ाने के साथ ही रचनात्मक सोच और वैचारिक संवाद के लिए एक सार्थक मंच उपलब्ध कराना है।

फेस्टिवल की अध्यक्ष एवं निदेशक डॉ. अलोका दासगुप्ता नियोगी ने बताया कि आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से साहित्य, संस्कृति, कला और पत्रकारिता जगत की प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी।

दिग्गज साहित्यकारों से सजेगा मंच

इनमें देवदत्त पटनायक, बची करकारिया, चंद्रचूड़ घोष, अनुज धर, डॉ. शालिनी मुलिक और सेवानिवृत्त डीजीपी अशोक कुमार प्रमुख रूप से शामिल हैं। इनके अलावा अजिताभ एम. बोस, तरुण मेहर्षि, अनीता शर्मा, मेजर जनरल रंजन महाजन, रॉबिन रॉय, समृद्धि गुलाटी, प्रेरणा चौहान, गुंजन क्वात्रा बलूजा, शभोब्रता मजुमदार, डॉ. अलोका दासगुप्ता नियोगी, अंजू राणा और मोना वर्मा सहित कई अन्य साहित्यिक एवं कलात्मक प्रतिभाएं भी विभिन्न सत्रों में भाग लेंगी।

संवाद, सीखने और सृजन का अवसर

डॉ. अलोका दासगुप्ता नियोगी ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में संवाद की संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खासकर युवाओं को पुस्तकों, लेखन, कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति से जोड़ना समय की आवश्यकता है। 'द लिटरी टेबल' के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को एक साझा मंच पर लाकर विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। दो दिनों तक चलने वाला यह आयोजन साहित्य और कला प्रेमियों के लिए संवाद, सीखने और नई रचनात्मक संभावनाओं से रूबरू होने का अवसर प्रदान करेगा।

न्यूज ब्रीफ

लुधियाना में स्कूल के बाहर युवक से दातर दिखाकर लूट

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। महानगर में झपटमारी और लूट की घटनाओं के बीच अब स्कूल आने-जाने वाले छात्रों के परिजनों की सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं। सरस्वती मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के नजदीक अपनी भतीजी को छुट्टी के बाद लेने पहुंचे बाइक सवार युवक को तीन अज्ञात बदमाशों ने घेरकर लूट लिया। आरोपितों ने युवक की गर्दन पर तेजधार दातर रखकर जान से मारने की धमकी दी और उसका वनप्लस मोबाइल फोन व पर्स छीनकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में अमन कुमार ने बताया कि वह मोटरसाइकिल पर अपनी भतीजी को स्कूल से लेने पहुंचा था। सरस्वती मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पास पहुंचते ही तीन अज्ञात युवक अचानक उसके सामने आ गए। आरोपितों ने उसकी मोटरसाइकिल को चारों तरफ से घेर लिया। युवक कुछ समझ पाता, इससे पहले ही एक बदमाश ने लोहे का तेजधार दातर निकालकर उसकी गर्दन पर रख दिया। इसके बाद आरोपितों ने उसे चुप रहने की धमकी दी और जेब से मोबाइल फोन व पर्स जबरन निकाल लिया।

पिम्स में मरीजों को जल्द मिलेगी 2500 रुपए में एमआरआई जांच की सुविधा

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर। पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) में मरीजों को जल्द ही किफायती दर पर एमआरआई जांच की सुविधा मिलने जा रही है। अस्पताल प्रबंधन ने नई एमआरआई मशीन खरीद ली है और अक्टूबर से इसे मरीजों के लिए शुरू करने की तैयारी की जा रही है। अस्पताल के जनसंपर्क अधिकारी ब्रिजेश के अनुसार, मशीन की स्थापना प्रक्रिया अगले महीने शुरू होगी। इसके बाद अक्टूबर में इसे आम मरीजों के लिए समर्पित करने की योजना है। मशीन शुरू होने के बाद मरीजों को महज 2500 रुपये में एमआरआई जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। वर्तमान में निजी जांच केंद्रों में एमआरआई कराने के लिए मरीजों को पिम्स की प्रस्तावित दर से दोगुने से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। ऐसे में नई सुविधा आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय मरीजों के लिए राहत देने वाली साबित हो सकती है।

जालंधर में भाजपा कार्यकर्ता के घर पर पथराव बुजुर्ग घायल

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर। जालंधर वेस्ट के बस्ती शेख इलाके में भाजपा कार्यकर्ता के घर पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। भाजपा कार्यकर्ता अश्विनी अटवाल के अनुसार, गत रात आधा दर्जन से अधिक युवकों ने उनके घर पर ईंट-पत्थर बरसाए। अचानक हुए पथराव से घर में अफरा-तफरी मच गई। घटना के दौरान घर में मौजूद एक बुजुर्ग महिला घायल हो गई। वहीं घर के बाहर खड़ी गाड़ी के शीशे भी टूट गए। हमलावर वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। पूरी घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। अश्विनी अटवाल ने बताया कि हमले के पीछे पुरानी रंजिश होने की आशंका है। घटना के बाद परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है।

लुधियाना में युवतियों ने छीनी युवक की एक्टिवा

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। सिविल अस्पताल के पास एक युवक से युवतियों द्वारा एक्टिवा छीनकर फरार होने का मामला सामने आया है। पीड़ित प्रभजोत सिंह की मां सुरिंदर कौर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, 17 जुलाई को प्रभजोत सिंह किसी काम से जेल रोड स्थित सिविल अस्पताल के पास गया था। वह बीकानेर बेकरी के बाहर अपनी होंडा एक्टिवा खड़ी कर पैटीज खा रहा था। इसी दौरान कुछ युवतियां वहां पहुंचीं और उसके साथ बहस करने लगीं। युवतियों ने आरोप लगाया कि वह उनके आसपास क्यों घूम रहा है। प्रभजोत ने उन्हें बताया कि वह केवल बेकरी से पैटीज खाने आया है और उसका उनसे कोई संबंध नहीं है। आरोप है कि इसके बावजूद युवतियों ने सड़क पर हंगामा किया और मौका पाकर उसके हाथ से एक्टिवा की चाबी छीन ली। इसके बाद वे उसकी एक्टिवा लेकर मौके से फरार हो गईं। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने अस्पताल और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस युवतियों की पहचान करने के साथ छीनी गई एक्टिवा बरामद करने का प्रयास कर रही है।

हॉकी मैच देखने जापान जाएंगे सीएम मान, केंद्र से मंजूरी का कर रहे इंतजार

एशियन गेम्स के अंतिम चरण में भारतीय टीम का मुकाबला देखने की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एशियन गेम्स में भारतीय हॉकी टीम का मैच देखने के लिए जापान जाना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार से राजनीतिक मंजूरी मांगी है और अब अनुमति का इंतजार किया जा रहा है। मान को एशियन हॉकी फेडरेशन की ओर से जापान के आइची-नागोया में चल रहे एशियन गेम्स की हॉकी प्रतियोगिता के अंतिम चरण के मुकाबले देखने का निमंत्रण मिला है। निमंत्रण में सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले शामिल हैं। हॉकी के सेमीफाइनल मुकाबले 30 सितंबर और एक अक्टूबर को तथा फाइनल मुकाबले दो और तीन अक्टूबर को खेले जाने हैं।

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री ने जापान यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी का आवेदन किया है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि केंद्र से अनुमति कब तक मिलेगी। एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से यात्रा के लिए आवेदन किया गया है और अब केंद्र के निर्णय का इंतजार है। अधिकारी के अनुसार किसी वरिष्ठ पदाधिकारी के विदेश दौरे के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को देखते हुए अनुमति मिलने के बाद ही अंतिम कार्यक्रम तय किया जा सकेगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियन गेम्स में हिस्सा ले रही है और उसके मुकाबले प्रतियोगिता के अंतिम चरण में पहुंचने की स्थिति में मुख्यमंत्री के दौरे का कार्यक्रम तय किया जा सकता है। एशियन गेम्स का आयोजन 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में हो रहा है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रस्तावित जापान यात्रा ऐसे समय में सामने आई है, जब उनकी विदेश यात्राओं के लिए राजनीतिक मंजूरी का मुद्दा पहले भी चर्चा में रहा है। अगस्त 2024 में केंद्र ने मान को पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुकाबले देखने के लिए फ्रांस जाने की राजनीतिक मंजूरी नहीं दी थी।

अक्टूबर में फ्रांस और इटली जाने की भी योजना

मुख्यमंत्री मान ने अक्टूबर में प्रस्तावित फ्रांस और इटली यात्रा के लिए भी राजनीतिक मंजूरी मांगी है। इस दौरे में मुख्यमंत्री कार्यालय, सहकारिता विभाग और अन्य विभागों के करीब एक दर्जन अधिकारियों के शामिल होने की संभावना है। पंजाब सरकार की ओर से इन देशों में आयोजित होने वाली प्रदर्शनियों में राज्य के कृषि और खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित करने की योजना है। प्रदर्शनियां 21 अक्टूबर से शुरू होनी प्रस्तावित हैं। विदेश यात्रा के लिए वरिष्ठ सार्वजनिक पदाधिकारियों को केंद्र से राजनीतिक मंजूरी लेना आवश्यक होता है। ऐसे में जापान के बाद यूरोप दौरे की अनुमति पर भी केंद्र के निर्णय का इंतजार है।

रंधावा ने भगवानपुरिया के जेल नेटवर्क पर उठाए गंभीर सवाल



गृह मंत्री से असम जेल के लंबित आपराधिक मामलों पर मांगा जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट

अशोक ठाकुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के जेल से आपराधिक नेटवर्क संचालित करने को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। रंधावा ने आरोप लगाया कि वर्ष 2015 से पुलिस हिरासत में रहने और असम की जेल में बंद होने के बावजूद भगवानपुरिया कथित तौर पर जेल के अंदर से अपना नेटवर्क चला रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार और असम के जेल प्रशासन से इस मामले में जवाब मांगा है।

रंधावा ने पत्र में कहा कि यदि कोई व्यक्ति लंबे समय से जेल में बंद है तो उसके द्वारा बाहर आपराधिक गतिविधियों का संचालन किया जाना सुरक्षा और जेल प्रशासन की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। उन्होंने असम में भाजपा की सरकार होने का उल्लेख करते हुए पूछा कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था के बीच भगवानपुरिया अपने कथित नेटवर्क को कैसे संचालित कर पा रहा है।

सांसद ने पत्र में दावा किया कि भगवानपुरिया के खिलाफ कुल 128 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह वर्ष 2015 से पुलिस हिरासत में है। इसके बावजूद अब तक किसी मामले में दोषसिद्धि नहीं होने को लेकर उन्होंने जांच और कानूनी प्रक्रिया पर सवाल उठाए। रंधावा ने कहा कि इतने लंबे समय से मामलों के लंबित रहने की स्थिति की भी गंभीरता से समीक्षा होनी चाहिए।

चंडीगढ़ में हड़ताल से पहले रविवार को खुलेंगे बैंक

यूनियनों की तीन दिवसीय हड़ताल से पहले ग्राहकों को बैंकिंग कार्य निपटाने का अवसर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



बैंक कर्मचारियों की प्रस्तावित तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल से पहले ग्राहकों को राहत मिली है। लगातार कई दिनों तक बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की आशंका के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने 27 सितंबर रविवार को बैंक शाखाएं खोलने की मंजूरी दी है। वित्त मंत्रालय के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक इस दिन सामान्य रूप से काम करेंगे। इसके अलावा सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और मुद्रा भंडार केंद्रों को भी 27 सितंबर को संचालित करने की अनुमति दी गई है। 26 सितंबर को चौथा शनिवार है और इसके बाद 28 से 30 सितंबर तक यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने तीन दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। ऐसे में रविवार को बैंक बंद रहने पर ग्राहकों को लगातार कई दिनों तक शाखा संबंधी सेवाओं के लिए इंतजार करना पड़ता। रविवार को शाखाएं खुलने से ग्राहकों को हड़ताल से पहले जरूरी बैंकिंग कार्य निपटाने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा।

प्रस्तावित हड़ताल को देखते हुए वित्त मंत्रालय और बैंक प्रबंधन की ओर से बैंक कर्मचारी संगठनों से आंदोलन टालने की अपील की गई है। सरकार की ओर से जरूरी बैंकिंग सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही गई है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की ओर से विभिन्न मांगों को लेकर 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल का निर्णय लिया गया है।

500 से ज्यादा बैंक कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

बैंक कर्मचारियों की मांगों को लेकर चंडीगढ़ में भी प्रदर्शन किया गया। बुधवार को सेक्टर-17 स्थित बैंक ऑफ इंडिया के बाहर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की ओर से आयोजित प्रदर्शन में 500 से अधिक बैंक अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। यूएफबीयू के चंडीगढ़ संयोजक पी. अवरत ने कहा कि कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से आवाज उठा रहे हैं और कई वर्षों से उन्हें आश्वासन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में कर्मचारी हड़ताल का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर हुए हैं। यूनियन ने स्पष्ट किया है कि यदि 28 से 30 सितंबर की प्रस्तावित हड़ताल के बाद भी मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल का विकल्प अपनाया जा सकता है।

कनाडा भेजे 225 पावन स्वरूपों पर धार्मिक मर्यादा को लेकर विवाद



जत्थेबंदियों ने एसजीपीसी और अकाल तख्त से मांगी जवाबदेही

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 225 पावन स्वरूपों को कनाडा के सरी भेजने की प्रक्रिया और धार्मिक मर्यादा के कथित उल्लंघन को लेकर विवाद गहरा गया है। आवाज-ए-कौम, मिसल पंजाब और शिरोमणि अकाली दल अमृतसर सहित विभिन्न सिख जत्थेबंदियों ने मामले में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) और श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार से स्पष्टीकरण और जवाबदेही की मांग की है।

जत्थेबंदियों का कहना है कि मामले को लेकर कई बार मांग पत्र दिए जाने के बावजूद उन्हें लिखित जवाब या स्पष्ट आदेश नहीं मिला। इसके चलते अब उन्होंने मामले को संगत के सामने ले जाने और पंजाबभर में पोस्टर लगाने का एलान किया है।

आवाज-ए-कौम के नेताओं हरजिंदर सिंह और नोबलजीत सिंह ने आरोप लगाया कि पावन स्वरूपों को कंटेनरों या बसों से भेजे जाने के दौरान धार्मिक मर्यादा का पालन नहीं किया गया। उनका दावा है कि पावन स्वरूपों को पांच सिंहों की मौजूदगी के बिना भेजा गया, जिसे वे मर्यादा के विपरीत बता रहे हैं।

उधर, कनाडा के सरी स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा के बाहर भी संगत की ओर से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई और जवाबदेही की मांग को लेकर धरना दिया गया। सरी में पावन स्वरूपों को वाहनों की डिग्गी में ले जाने से संबंधित सामने आए वीडियो को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं।

एएसआई पर गोली चलाने वाला आरोपित पुलिस हिरासत से फरार



भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

राजासांसी क्षेत्र में एएसआई जसवंत सिंह के सिर पर गोली मारकर घायल करने के मामले में गिरफ्तार आरोपित करण बुधवार रात पुलिस हिरासत से फरार हो गया। पुलिस टीम उसे मजीठा क्षेत्र में हथियार बरामद करने के लिए लेकर गई थी। इसी दौरान आरोपित ने पुलिस को चकमा दिया और मौके से भाग निकला। घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था में चूक को गंभीरता से लिया है। एसएसपी कंवलप्रीत सिंह चाहल ने राजासांसी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर गुरप्रीत सिंह को निलंबित कर दिया है।

पुलिस के अनुसार, करण गांव झंझोटी का रहने वाला है। उसे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। अदालत में पेश करने के बाद उसका पांच दिन का पुलिस रिमांड लिया गया था। पूछताछ में उसने एएसआई पर हमला करने के बाद इस्तेमाल किया गया हथियार मजीठा के सुनसान इलाके में छिपाने की बात बताई थी। बुधवार को पुलिस टीम उसे साथ लेकर हथियार बरामद करने के लिए बताए स्थान पर पहुंच रही थी।

लुधियाना के उद्योगपतियों का करोड़ों रुपए का जीएसटी रिफंड अटका

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना



उद्योगों के करोड़ों रुपये के जीएसटी रिफंड लंबे समय से लंबित होने के कारण कारोबारियों की कार्यशील पूंजी प्रभावित हो रही है। यूनाइटेड साइकिल पार्ट्स एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (यूसीपीएमए) के प्रतिनिधिमंडल ने चेयरमैन जतिंद्र मित्तल और अध्यक्ष हरसिमरत सिंह लक्की के नेतृत्व में लुधियाना डिवीजन की डिप्टी कमिश्नर आफ स्टेट टैक्स (जीएसटी) रणधीर कौर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने लंबित रिफंड मामलों के शीघ्र निपटारे और प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की।

चेयरमैन जतिंद्र मित्तल ने कहा कि रिफंड की राशि महीनों से अटकी होने के कारण खासकर छोटे और मध्यम उद्योगों को आर्थिक दबाव झेलना पड़ रहा है। पूंजी फंसे रहने से उत्पादन, भुगतान और दैनिक कारोबार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने जीएसटी पोर्टल की तकनीकी दिक्कतों, जांच संबंधी नोटिस और अन्य प्रक्रियागत समस्याओं को भी अधिकारियों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि लुधियाना का साइकिल उद्योग क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, इसलिए रिफंड का समय पर भुगतान जरूरी है।

नवजात बेटी को लेकर नशे में स्टेशन पहुंचा पिता, मचा हड़कंप

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर



रेलवे स्टेशन पर दो दिन की नवजात बच्ची को गोद में लेकर शराब के नशे में घूम रहे एक व्यक्ति को राजकीय रेलवे पुलिस ने हिरासत में लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बच्ची को बेचने के लिए स्टेशन पर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को संरक्षण में लेकर उसकी चिकित्सकीय जांच करवाई।

पूछताछ में सामने आया कि बच्ची को बेचने की सूचना सही नहीं थी। बच्ची उसी व्यक्ति की बेटी निकली। पुलिस के अनुसार, व्यक्ति की पहचान मनोज कुमार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मुगलसराय, बनारस का रहने वाला है और फिलहाल फगवाड़ा के जगतपुर जट्टा में रह रहा था। मनोज ने बताया कि उसकी पत्नी की मौत हो चुकी है और बच्ची उसकी बेटी है। हालांकि, बाद में उसकी पत्नी उषा के अस्पताल पहुंचने पर पुलिस को परिवार की जानकारी मिली।

जांच में पता चला कि मनोज शराब के नशे में बच्ची को लेकर घर से निकल गया था। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि वह उनके यहां पशुओं की देखभाल करता है और पहले से उसके तीन बच्चे हैं। पुलिस ने बच्ची को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाकर जांच करवाई।

जालंधर में बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट वाले वाहनों को नहीं मिलेगा ईंधन

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर



जालंधर में अब बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) या छेड़छाड़ वाली नंबर प्लेट वाले वाहनों को पेट्रोल, डीजल और सीएनजी नहीं मिलेगा। कमिश्नरेट पुलिस ने वाहन पहचान सुनिश्चित करने और अपराधों की जांच में मदद के लिए यह व्यवस्था लागू की है। पुलिस आयुक्त सतिंदर सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है, जो 21 सितंबर से 20 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा।

आदेश के अनुसार बिना नंबर प्लेट, अनिवार्य एचएसआरपी के बिना चल रहे वाहनों तथा टूटी, मुड़ी, क्षतिग्रस्त या बदली गई नंबर प्लेट वाले वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। जानबूझकर नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ कर पहचान छिपाने वाले वाहन भी इसके दायरे में आएंगे। पुलिस का कहना है कि नंबर प्लेट वाहन की पहचान का प्रमुख माध्यम है और इसमें बदलाव होने से यातायात नियमों के उल्लंघन के साथ आपराधिक मामलों की जांच में भी परेशानी होती है।

नई व्यवस्था के तहत पेट्रोल पंप संचालकों को ईंधन देने से पहले वाहन की नंबर प्लेट की स्थिति देखनी होगी। सभी ईंधन स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे चालू रखना और वाहनों की आवाजाही की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखना अनिवार्य किया गया है।

चंडीगढ़ के 35 वार्डों में मतदाताओं का पूरा आंकड़ा हुआ साफ



भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

नगर निगम चुनाव से पहले जारी अंतिम मतदाता सूची में चंडीगढ़ के 35 वार्डों में मतदाताओं की संख्या स्पष्ट हो गई है। अंतिम सूची के अनुसार शहर में कुल 4,60,209 मतदाता दर्ज हैं। वार्डवार आंकड़ों में सबसे अधिक मतदाता वार्ड नंबर 28 में हैं, जबकि सबसे कम मतदाता वार्ड नंबर 13 में दर्ज किए गए हैं। दोनों वार्डों के बीच 21,984 मतदाताओं का अंतर है।

वार्ड नंबर 28 में सबसे अधिक 27,281 मतदाता हैं। इसके अंतर्गत गांव मलोया, ईडब्ल्यूएस मलोया, सेक्टर-39 वेस्ट, ग्वाला एवं कुम्हार कॉलोनी और ईडब्ल्यूएस मलोया क्षेत्र शामिल हैं। 26,295 मतदाताओं के साथ वार्ड 15 दूसरे स्थान पर है। इसमें सारंगपुर और पुनर्वास कॉलोनी धनास प्रमुख क्षेत्र हैं।

20,775 मतदाताओं के साथ वार्ड 26 तीसरे स्थान पर है। इसके अंतर्गत सेक्टर-38 वेस्ट, दड्डू माजरा कॉलोनी, गांव दड्डू माजरा और शाहपुर कॉलोनी आते हैं। इसके बाद वार्ड 19 में 19,321 और वार्ड 7 में 19,043 मतदाता दर्ज हैं। वहीं सबसे कम मतदाता वार्ड नंबर 13 में हैं। यहां केवल 5,297 मतदाता दर्ज हैं। इस वार्ड में सेक्टर-11, सेक्टर-12, सेक्टर-14, सेक्टर-25 यूटी और डेंटल कॉलेज क्षेत्र शामिल हैं।

एक्साइज इंस्पेक्टर ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में तैनात एक्साइज इंस्पेक्टर हरसिमरन सिंह ने चंडीगढ़ पुलिस और शराब ठेके के कारिंदों पर गंभीर आरोप लगाते हुए अधिकारियों से शिकायत की है। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब ठेके के कुछ कारिंदों ने पहले उनकी कार का पीछा किया और बाद में पंजाब यूनिवर्सिटी परिसर में उनकी गाड़ी रोककर चाबी अपने कब्जे में ले ली। विरोध करने पर उनके साथ धक्कामुक्की और बदसलूकी की गई। हरसिमरन सिंह के अनुसार, उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को देने का प्रयास किया। इसके बाद सेक्टर-24 चौकी की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उनका आरोप है कि पुलिस ने भी शराब ठेके से जुड़े लोगों का पक्ष लिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अपना परिचय देते हुए सरकारी पहचान पत्र दिखाया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें वहां से जाने नहीं दिया गया।

तीन साल से फरार बर्खास्त एआईजी राजजीत सिंह गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



करीब तीन साल से फरार चल रहे पंजाब पुलिस के बर्खास्त एआईजी राजजीत सिंह हुंदल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। राजजीत सिंह ने 24 सितंबर को पटियाला पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। ड्रग तस्करी से जुड़े मामले में नाम सामने आने के बाद से वह पुलिस और जांच एजेंसियों के निशाने पर थे। गिरफ्तारी से पहले उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में भी आत्मसमर्पण करने की पेशकश की थी।

राजजीत सिंह पर ड्रग तस्करों से कथित मिलीभगत, रंगदारी वसूली और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने सहित कई आरोप हैं। बर्खास्त इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह से जुड़े ड्रग नेटवर्क की जांच के दौरान राजजीत सिंह की भूमिका भी सामने आई थी। जांच में उन पर नशा तस्करों को कथित संरक्षण देने और लोगों को ड्रग मामलों में फंसाकर उनसे जबरन वसूली करने के आरोप लगाए गए थे।

ड्रग्स मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआइटी) की रिपोर्ट के आधार पर पंजाब सरकार ने अप्रैल 2023 में राजजीत सिंह को सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया था। वह पंजाब पुलिस में एआईजी रैंक के अधिकारी थे और ड्रग्स मामले में बर्खास्त किए जाने वाले पहले एआईजी स्तर के अधिकारी बने थे।

राजजीत सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला भी जांच के दायरे में आया। विजिलेंस ब्यूरो की जांच में उनके और उनकी पत्नी के बैंक खातों में संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की बात सामने आई थी।

गमाडा जांच में मंत्री के रिश्तेदार के घर ईडी का छापा

जांच एजेंसी ने कई ठिकानों पर दस्तावेज और वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकार्ड खंगाले

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



कई ठिकानों पर दस्तावेजों की जांच, अधिकारियों से भी पूछताछ जारी

ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथारिटी (गमाडा) के मुख्यालय और दो आइएएस अधिकारियों के आवास व अन्य ठिकानों पर मंगलवार से शुरू हुई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच 36 घंटे बाद भी जारी रही। ईडी की टीमों ने गमाडा मुख्यालय की तीन मंजिलों को सील कर रखा है और दस्तावेजों व अन्य रिकार्ड की जांच की जा रही है। बुधवार को इसी मामले में टीम ने पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां के रिश्तेदार गुरप्रीत सिंह सैनी के लुधियाना स्थित घर पर भी छापा मारा। यहां दोपहर से देर रात तक जांच चलती रही।

इसी बीच आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता ने बुधवार देर रात बताया कि पंजाब सरकार ने ईडी की कार्रवाई के विरुद्ध हाई कोर्ट में याचिका दायर कर तत्काल सुनवाई की मांग की है। प्रवक्ता के अनुसार, हाई कोर्ट ने ईडी की कार्रवाई की निगरानी के लिए वारंट आफिसर नियुक्त किया है और वीरवार दोपहर दो बजे तक स्थिति रिपोर्ट देने को कहा है।

गमाडा भवन में जांच लंबी चलने के संकेत भी मिले हैं। बुधवार शाम यहां गद्दे पहुंचाए गए। बताया गया कि जांच और सुरक्षा व्यवस्था के लिए 100 से अधिक अधिकारी व कर्मचारी परिसर में मौजूद हैं। ईडी की ओर से पूर्व मुख्य सचिव अनुराग वर्मा, आइएएस अधिकारी विकास गर्ग और कंवल प्रीत कौर बराड़ से जालंधर में पूछताछ की जा चुकी है। मंगलवार को वरिष्ठ आइएएस अधिकारी और गमाडा के पूर्व मुख्य प्रशासक राजीव गुप्ता तथा विकास गर्ग के आवास व अन्य परिसरों पर भी कार्रवाई की गई थी।

जम्मू-कश्मीर में अटके 600 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

विधानसभा में सरकार ने औद्योगिक परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति और जमीन आवंटन के आंकड़े किए साझा



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के सरकारी प्रयासों के बीच करीब 600 करोड़ रुपये के दो बड़े निवेश प्रस्ताव जमीन पर नहीं उतर सके। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की ओर से विधानसभा में दिए गए लिखित जवाब के अनुसार, हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड ने आवंटित जमीन वापस कर दी, जबकि यिडा केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने अपने प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ाया। दोनों परियोजनाओं से कुल 1300 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद थी।

हल्दीराम ने 300 करोड़ का प्रस्ताव वापस लिया : विभाग के अनुसार, 27 दिसंबर 2021 को हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 300 करोड़ रुपये के निवेश और एक हजार लोगों को रोजगार देने के लिए समझौता हुआ था। समझौते के बाद कंपनी को औद्योगिक जमीन भी आवंटित की गई थी, लेकिन बाद में कंपनी ने आवंटित जमीन सरेंडर कर दी। इससे प्रस्तावित निवेश और रोजगार सृजन की योजना आगे नहीं बढ़ सकी।

यिडा केमिकल्स ने प्रस्ताव पर नहीं किया काम : इसी तरह वर्ष 2024 में आयोजित 10वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के दौरान यिडा केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 300 करोड़ रुपये के निवेश और 300 रोजगार का प्रस्तावित समझौता हुआ था। हालांकि, कंपनी ने इस प्रस्ताव पर आगे काम नहीं किया। इस तरह दोनों प्रस्तावों में कुल 600 करोड़ रुपये का निवेश और 1300 रोजगार प्रस्तावित थे, लेकिन दोनों ही परियोजनाएं आगे नहीं बढ़ सकीं।

11,800 कनाल जमीन की मांग, 8205 कनाल ही मिली : विधानसभा में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान 17 स्थानों पर औद्योगिक एस्टेट स्थापित करने के लिए करीब 11,800 कनाल जमीन की मांग रखी गई थी। इसके मुकाबले अब तक करीब 8205 कनाल जमीन ही हस्तांतरित की गई है।

717 इकाइयों को जमीन का इंतजार

सरकार के अनुसार, 31 जनवरी 2026 तक जम्मू-कश्मीर सिंगल विंडो पर 6280 पूर्ण आवेदन उपलब्ध थे। इनमें जम्मू संभाग के 1181 और कश्मीर संभाग के 5099 आवेदन शामिल थे। जम्मू संभाग में 464 इकाइयों के लिए 2451 कनाल जमीन आवंटित की जा चुकी थी। वहीं, जमीन की उपलब्धता समाप्त होने के कारण 717 इकाइयों को भूमि आवंटित नहीं की जा सकी।

औद्योगिक नीति में कई प्रोत्साहन : जम्मू-कश्मीर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक नीति 2021-30 के तहत पात्र इकाइयों को विभिन्न प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। इनमें बिजली उत्पादन के लिए डीजी सेट पर सब्सिडी, स्वचालन पर 30 प्रतिशत तक सहायता और प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी शामिल है।

केंद्रीय योजना के विस्तार पर भी नजर

जम्मू-कश्मीर में निवेश को बढ़ावा देने वाली न्यू सेंट्रल सेक्टर स्कीम के तहत 28,400 करोड़ रुपये का पैकेज घोषित किया गया था। सरकार ने इस पैकेज को बढ़ाकर 75 हजार करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव केंद्र के समक्ष रखा था। हालांकि, केंद्र की ओर से शेष 5630.75 करोड़ रुपये के लाभ को आगे बढ़ाने की जानकारी दी गई है। योजना के तहत उद्योगों को पूंजी निवेश, ब्याज सबवेंशन और जीएसटी आधारित प्रोत्साहन समेत कई सुविधाएं मिलती हैं।

जम्मू-कश्मीर में 5.73 लाख पहाड़ी लोगों को मिले एसटी-द्वितीय प्रमाणपत्र



राजौरी में सर्वाधिक तीन लाख से अधिक प्रमाणपत्र।

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने विधानसभा में बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में पहाड़ी जातीय समूहों से संबंधित पात्र लोगों को अब तक 5,73,667 अनुसूचित जनजाति-द्वितीय (एसटी-द्वितीय) प्रमाणपत्र जारी किए जा चुके हैं। ये प्रमाणपत्र प्रदेश के सभी 20 जिलों में पात्र लोगों को निर्धारित मानदंडों के अनुसार जारी किए गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, जम्मू संभाग में 5,04,007 और कश्मीर संभाग में 69,660 प्रमाणपत्र वितरित किए गए हैं।

जिलावार आंकड़ों में राजौरी सबसे आगे है। यहां अब तक 3,01,091 एसटी-द्वितीय प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। इसके बाद कुपवाड़ा में 34,224, बारामुला में 29,635, पुंछ में 18,435 और किश्तवाड़ में 17,304 प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। इन जिलों में पात्र लाभार्थियों को प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया लगातार जारी है।

कश्मीर संभाग के अन्य जिलों में भी पात्र लोगों को प्रमाणपत्र दिए गए हैं। गांदरबल में 1,018, पुलवामा में 836, अनंतनाग में 1,290, शोपियां में 1,735 और कुलगाम में 347 प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। इसी तरह बडगाम में 336, बांडीपोरा में 193 और श्रीनगर में 46 लोगों को एसटी-द्वितीय प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं।

जम्मू संभाग के आंकड़ों के अनुसार, जम्मू जिले में 140, उधमपुर में सात, रामबन में दो, सांबा में एक, डोडा में तीन और रियासी में 24 प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। कठुआ जिले में अब तक एक भी एसटी-द्वितीय प्रमाणपत्र जारी नहीं हुआ है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रमाणपत्र पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले लोगों को ही जारी किए जा रहे हैं।

सरकार के मुताबिक, एसटी-द्वितीय प्रमाणपत्र पहाड़ी जातीय समूहों से संबंधित पात्र लोगों के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत जारी किए जा रहे हैं। इसके लिए संबंधित प्रशासनिक स्तर पर दस्तावेजों और पात्रता की जांच की जाती है। प्रमाणपत्र जारी होने के बाद पात्र लाभार्थियों को अनुसूचित जनजाति-द्वितीय श्रेणी से जुड़े प्रावधानों का लाभ मिल सकता है।

विधानसभा में पेश आंकड़ों से यह भी सामने आया कि प्रमाणपत्र जारी करने के मामले में जम्मू संभाग और कश्मीर संभाग के बीच बड़ा अंतर है। जम्मू संभाग में जहां पांच लाख से अधिक प्रमाणपत्र जारी हुए हैं, वहीं कश्मीर संभाग में इनकी संख्या 69 हजार से अधिक है।

बिजली कटौती से सोनमर्ग का पर्यटन कारोबार प्रभावित, होटल कारोबारियों में चिंता



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। गांदरबल जिले में हरमुख पहाड़ियों की गोद में बसा विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग अब वर्षभर पर्यटकों की आवाजाही से गुलजार रहता है। प्रशासन की ओर से विकसित सुविधाओं और जेड-मोड़ सुरंग के निर्माण के बाद यह पर्यटन स्थल हर मौसम में पहुंच योग्य हो गया है। इससे होटल, रेस्तरां, दुकान और अन्य पर्यटन आधारित कारोबार से जुड़े लोगों को भी लाभ मिला है। हालांकि, इन दिनों लगातार बिजली कटौती के कारण पर्यटन और स्थानीय कारोबार प्रभावित होने लगा है। सोनमर्ग के होटल मालिकों और व्यापारियों का कहना है कि बिजली की बार-बार कटौती से रोजमर्रा का कामकाज प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कारपोरेशन लिमिटेड (केपीडीसीएल) से पर्यटन स्थल में चौबीसों घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। कारोबारियों का कहना है कि यदि बिजली कटौती का सिलसिला जारी रहा तो पर्यटकों को असुविधा होगी और इसका सीधा असर पर्यटन कारोबार पर पड़ सकता है।

स्वास्थ्य संस्थानों में 12,614 पद रिक्त, भर्ती प्रक्रिया तेज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा और नर्सिंग सेवाओं पर रिक्त पदों का दबाव बना हुआ है। सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में बताया कि प्रदेश के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में 2,891 चिकित्सा अधिकारी तथा 9,723 पैरामेडिकल और नर्सिंग पद रिक्त हैं। यह जानकारी बडगाम के विधायक आगा सैयद मुंतजिर मेहदी के सवाल के जवाब में दी गई। सरकार के अनुसार, जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित 416 चिकित्सा अधिकारी हाल ही में विभाग को मिले हैं। इनमें से 335 उम्मीदवारों के नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। वहीं, 1,567 पैरामेडिकल और गैर-राजपत्रित पदों पर उपयुक्त उम्मीदवारों के चयन के लिए मामला जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड को भेजा गया है।

सरकारी अधिकारियों के बच्चों की सरकारी शिक्षा अनिवार्य करने का विधेयक खारिज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने गुरुवार को एक निजी सदस्य विधेयक को खारिज कर दिया। इसमें सार्वजनिक प्रतिनिधियों और सरकारी कर्मचारियों के बच्चों का सरकारी शिक्षण संस्थानों में अनिवार्य रूप से नामांकन कराने का प्रावधान करने की मांग की गई थी। लंगेट के विधायक शेख खुर्शीद अहमद ने यह विधेयक पेश करते हुए सार्वजनिक व्यक्तियों और सरकारी कर्मचारियों के बच्चों के लिए सरकारी स्कूलों में शिक्षा अनिवार्य करने के उद्देश्य से कानून बनाने की अनुमति मांगी थी।

सरकार ने विधेयक का विरोध किया। संबंधित मंत्री ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य महत्वपूर्ण है, लेकिन सरकारी शिक्षण संस्थानों में बच्चों का अनिवार्य नामांकन कराना व्यावहारिक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे और उसके अभिभावकों को अपनी पसंद के शिक्षण संस्थान का चयन करने का अधिकार है। बच्चों को शिक्षा हासिल करने के लिए संस्थान चुनने की मौलिक स्वतंत्रता भी है। मंत्री ने कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार काम कर रही है। कई स्कूलों में सुविधाओं का उन्नयन किया जा रहा है, जबकि जिन संस्थानों में अभी सुधार की आवश्यकता है, वहां भी आने वाले समय में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

उन्होंने सरकारी स्कूलों से नीट परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार का जोर सरकारी स्कूलों में नामांकन अनिवार्य करने के बजाय उनकी गुणवत्ता और उपलब्ध सुविधाओं के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाने पर होना चाहिए।

सेब उत्पादकों को मौसम की मार से मिलेगा बीमा कवच

केंद्र के संशोधित दिशानिर्देश मिलते ही योजना लागू करने की तैयारी पूरी



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सेब उत्पादकों को ओलावृष्टि, भारी बारिश और अन्य मौसम संबंधी आपदाओं से होने वाले नुकसान से आर्थिक सुरक्षा देने के लिए सरकार ने मौसम आधारित फसल बीमा योजना (डब्ल्यूबीसीआईएस) लागू करने की तैयारी पूरी कर ली है। कृषि उत्पादन मंत्री जावेद अहमद डार ने विधानसभा में बताया कि योजना से संबंधित सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। अब केंद्र सरकार के संशोधित दिशानिर्देशों का इंतजार है। निर्देश मिलते ही योजना को लागू कर दिया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने डब्ल्यूबीसीआईएस के संबंध में सलाहकार समिति गठित की थी। समिति अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है। केंद्र की अंतिम सूचना और दिशा-निर्देश मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। सरकार का उद्देश्य मौसम की अनिश्चितता से प्रभावित फल उत्पादकों के आर्थिक जोखिम को कम करना है।

जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत अब तक 12,89,917 किसानों को बीमा कवर मिला है। योजना के तहत 6,86,741.37 हेक्टेयर क्षेत्र बीमित है। अब तक 3,72,134 दावे दर्ज किए गए हैं, जिनकी कुल राशि करीब 221.71 करोड़ रुपये है।

पुराने जम्मू की जर्जर इमारतों पर मंडराया हादसे का खतरा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के पुराने शहर की ऐतिहासिक गलियों और घनी आबादी वाले मोहल्लों में दशकों पुरानी सैकड़ों इमारतें जर्जर हालत में खड़ी हैं। पक्का डंगा, कच्ची छावनी, उस्ताद मोहल्ला, पीर मिट्ठा, कनक मंडी और पुरानी मंडी जैसे क्षेत्रों में कई भवनों की नींव कमजोर हो चुकी है। दीवारों में गहरी दरारें और जर्जर छज्जे बारिश व सीलन के दौरान खतरा बढ़ा रहे हैं।

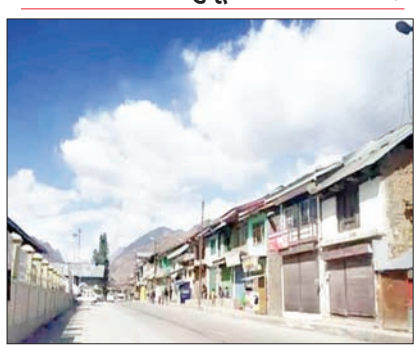


शहरी सर्वेक्षण और वार्ड स्तर के आकलन के अनुसार, शहर में करीब 100 से 150 इमारतें रहने या व्यापार के लिहाज से बेहद असुरक्षित हैं। इनमें लगभग 40 से 50 प्रतिशत ढांचे कस्टोडियन अथवा वक्फ संपत्तियों के दायरे में आते हैं। इन परिसरों में लंबे समय से किराये पर रह रहे लोगों का कहना है कि मालिकाना हक और कानूनी पाबंदियों के कारण वे बड़ी मरम्मत नहीं करा पा रहे हैं।

कस्टोडियन विभाग की अनुमति में देरी और कई संपत्तियों से जुड़े न्यायालय में लंबित मामलों के कारण भी मरम्मत का काम प्रभावित है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जम्मू शहर में कस्टोडियन विभाग के 1311 मकान और 346 दुकानें हैं। जम्मू ग्रामीण में 750 मकान और 217 दुकानें दर्ज हैं। पुराने शहर की संकरी गलियों में कमजोर इमारतों से ईंटें और मलबा गिरने का खतरा बना रहता है।

शहीद दिवस पर लेह बंद, 20 लोगों के आपराधिक मामले वापस

◆ हिंसा में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि, पूर्ण राज्य और छठी अनुसूची की मांग दोहराई



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। लेह में 24 सितंबर 2025 को हुई हिंसा की पहली बरसी पर शहर पूर्ण बंद रहा। इस दौरान पिछले वर्ष की हिंसा में मारे गए चार स्थानीय लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। लेह के एनडीएस मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग उठाई गई। परिजनों को दिए गए 15-15 लाख रुपये के मुआवजे को भी कम बताया गया।

हिंसा की बरसी से एक दिन पहले मंगलवार को लेह में मृतकों की याद में पदयात्रा निकाली गई थी। बुधवार को भी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग दोहराई गई।

लद्दाख के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंगलवार को पिछले वर्ष लेह में हुई हिंसा से जुड़े 20 लोगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को वापस लेने की मंजूरी दी थी। लद्दाख पुलिस ने मामलों की जांच की स्थिति की व्यापक समीक्षा के बाद इन मामलों को वापस लेने की सिफारिश की थी। पुलिस की सिफारिश को शांति और सार्वजनिक व्यवस्था के व्यापक हित में मंजूरी दी गई।

13 सितंबर को चार मृतकों के परिजनों को 15-15 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने को मंजूरी दी गई थी। गंभीर रूप से घायलों के लिए तीन लाख और मामूली रूप से घायलों के लिए एक लाख रुपये की सहायता स्वीकृत की गई थी।

आंदोलन के दौरान चार लोगों की हुई थी मौत

लद्दाख में पूर्ण राज्य और संविधान की छठी अनुसूची की मांग को लेकर 10 सितंबर 2025 से आंदोलन चल रहा था। 24 सितंबर को लेह में प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इसमें चार लोगों की मौत हुई थी, जबकि 30 पुलिस और सीआरपीएफ जवानों समेत करीब 70 लोग घायल हुए थे। इस दौरान करीब एक दर्जन वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए थे। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया था। हिंसा के बाद पुलिस ने दंगा और आगजनी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए थे।

छठी अनुसूची की मांग क्यों ?

- **संविधान** की छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजातीय क्षेत्रों को स्वायत्त प्रशासन की व्यवस्था देती है। इसके तहत स्वायत्त जिला परिषदों को भूमि, वन, सामाजिक रीति-रिवाज और स्थानीय प्रशासन से जुड़े कई विषयों पर अधिकार प्राप्त हैं। लद्दाख में आंदोलनकारी इसी तरह की संवैधानिक सुरक्षा की मांग करते रहे हैं, ताकि भूमि, रोजगार और स्थानीय संसाधनों से जुड़े हितों को संरक्षण मिल सके।

सज्जाद ने विधानसभा में विधायकों के अधिकारों पर उठाए सवाल



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पीपल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद लोन ने गुरुवार को विधानसभा में केंद्र शासित प्रदेश के चुने हुए प्रतिनिधियों की शक्तियों और विशेषाधिकारों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से विधायकों की संवैधानिक स्थिति और उन्हें प्राप्त अधिकारों को लेकर स्पष्टता मांगी।सज्जाद लोन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है और ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि निर्वाचित विधायकों के पास कितने अधिकार और विशेषाधिकार हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि कोई विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों की सूची देता है तो उस पर निर्णय लेने का अधिकार विधायक का है या संबंधित मंत्री का। लोन ने निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि के कथित तौर पर दूसरी जगह इस्तेमाल और विपक्षी विधायकों की अनदेखी का मुद्दा भी उठाया।

डल झील के बाशिंदों को मिलेगा आवास और विरासत का अधिकार



◆ विधेयक में झील संरक्षण के साथ स्थानीय परिवारों की आजीविका सुरक्षित करने पर जोर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। डल झील की पहचान केवल शिकारे, हाउसबोट और पर्यटन तक सीमित नहीं है। झील के भीतर और आसपास पीढ़ियों से बसे परिवार इसकी सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विरासत का हिस्सा हैं। नाव चलाना, झील में सब्जियां उगाना और पर्यटन से जुड़े काम इन परिवारों की पारंपरिक आजीविका रहे हैं। हालांकि, पिछले करीब ढाई दशकों में जल निकायों से बस्तियां हटाने की नीति के चलते कई परिवारों को अपने घर के साथ पारंपरिक रोजगार से भी दूर होना पड़ा।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के मौजूदा शरदकालीन सत्र में नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक तनवीर सादिक की ओर से पेश जेएंडके लेकसाइड रेजिडेंट्स राइट टू इको-फ्रेंडली हाउसिंग बिल, 2026 ने इस नीति पर नई बहस शुरू कर दी है। निजी विधेयक का उद्देश्य झीलों और जलाशयों के आसपास लंबे समय से रह रहे लोगों को सुरक्षित, सम्मानजनक और पर्यावरण-अनुकूल आवास का अधिकार देना है। साथ ही झील संरक्षण और स्थानीय निवासियों की आजीविका के बीच संतुलन बनाने का प्रस्ताव है।

पिछले वर्षों में डल समेत अन्य जल निकायों से लोगों को हटाकर पुनर्वासित किया गया। करीब 1,800 से अधिक लोगों को श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र रक्ख-ए-अर्थ आवासीय कॉलोनी में बसाया गया। उन्हें भूखंड और मुआवजा मिला, लेकिन झील से दूरी के कारण नाव चलाने, सब्जी उत्पादन और पर्यटन से जुड़े पारंपरिक रोजगार के अवसर सीमित हो गए। इससे कई परिवारों के लिए पुनर्वास के बाद जीवनयापन चुनौतीपूर्ण रहा।

डल झील में करीब 58 बस्तियां या मोहल्ले ऐसे बताए जाते हैं, जहां लोग लंबे समय से रह रहे हैं। कश्मीर हाउसबोट ओनर्स एसोसिएशन के चेयरमैन मंजूर पठान ने झील क्षेत्र में नीति को वैज्ञानिक आधार पर लागू करने की आवश्यकता बताई है। उनके अनुसार आवास के नाम पर झील भरने या बड़े पैमाने पर नए निर्माण की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

नवरात्र-दिवाली पर वैष्णो देवी यात्रियों को रेलवे की बड़ी राहत



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। नवरात्र और दिवाली के दौरान श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जम्मू-कटड़ा आने वाले श्रद्धालुओं और अन्य रेल यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने विशेष प्रबंध किए हैं। रेलवे ने नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच चलने वाली विशेष ट्रेन के फेरों में विस्तार किया है। इसके साथ ही जम्मू तवी-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया गया है। इससे त्योहारी सीजन में यात्रियों को अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी और नियमित ट्रेनों पर भीड़ का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

चुनावी वादे को लेकर विपक्ष ने उठाए सवाल

एएवाई परिवारों को सालाना छह मुफ्त सिलेंडर मंजूर



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के तहत आने वाले परिवारों को हर वर्ष छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने की योजना को मंजूरी दी है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री सतीश शर्मा ने गुरुवार को विधानसभा में इसकी जानकारी दी। घोषणा के बाद सदन में विपक्षी सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की, जिससे कुछ समय के लिए सदन में हंगामे की स्थिति बनी रही। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव के दौरान प्रत्येक परिवार को 12 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया गया था। उन्होंने कहा कि अब यह योजना केवल एएवाई परिवारों तक सीमित कर दी गई है और लाभ भी छह सिलेंडर तक कर दिया गया है।

सोपोर में दो बाइकों की भिड़ंत युवक की मौत; दूसरा गंभीर



भारतेंदु संवाददाता, सोपोर। जम्मू-कश्मीर के सोपोर में फ्रूट मंडी के पास गुरुवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हुए थे। उन्हें तत्काल उपजिला अस्पताल (एसडीएच) सोपोर ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए श्रीनगर रेफर कर दिया गया। अधिकारी के अनुसार, घायलों में बांदीपोरा जिले के केनसू निवासी मोहम्मद मकबूल मीर का 20 वर्षीय पुत्र हाजिक मकबूल मीर भी शामिल था। श्रीनगर स्थित एसकेआईएमएस सौरा में उपचार के दौरान उसकी हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

हिमालय को जल टावर कहते हैं, फिर पहाड़ी गांवों में क्यों गहराता जा रहा जल संकट?





डॉ. तारा देवी सेन
वल्लभ महाविद्यालय, मंडी
विभागाध्यक्ष, वनस्पति शास्त्र

यदि हिमालय को भारत का 'जल टावर' कहा जाता है, तो फिर हमारे देश के अनेक गांव आज भी जल संकट का सामना क्यों कर रहे हैं? यह प्रश्न केवल एक भौगोलिक विरोधाभास नहीं, बल्कि हमारी विकास नीतियों, सामाजिक प्राथमिकताओं और प्रकृति से दूर होती जीवनशैली का दर्पण है। हिमालय विश्व की सबसे युवा पर्वत श्रृंखला होने के साथ-साथ दक्षिण एशिया की जलधारा का मुख्य स्रोत है। यहां से निकलने वाली महान नदियां-गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम करोड़ों लोगों की जीवनरेखा हैं।

हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय राज्य में ये नदियां केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति, आस्था और अर्थव्यवस्था का आधार हैं। फिर भी विडंबना यह है कि अनेक पहाड़ी गांवों में झरने सूख रहे हैं, नौले खाली हो रहे हैं और लोगों को पेयजल के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ रहा है।

परंपरा में समाधान : भारत में जल संरक्षण केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दायित्व रहा है। हिमाचल में कूहलें और नौला-धारा जैसी पारंपरिक जल व्यवस्थाएं गुरुत्वाकर्षण और सामुदायिक सहयोग पर आधारित थीं। घरों की ढलानदार छतों से वर्षाजल भूमिगत टैंकों में संचित किया जाता था। देववन और पवित्र उपवन वृक्षों और जल स्रोतों को संरक्षित रखते थे। हमारे पूर्वज भली-भांति समझते थे कि प्रकृति का संतुलन ही जीवन का आधार है।

वर्तमान चुनौतियां और प्रदूषण : आज तीव्र आधुनिकीकरण, अनियंत्रित शहरीकरण और संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने इस संतुलन को प्रभावित किया है। वनों की कटाई, अवैज्ञानिक निर्माण, औद्योगिक अपशिष्ट और अनुपचारित सीवेज ने नदियों की स्वच्छता को चुनौती दी है। हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्टों में कई नदी खंड राष्ट्रीय मानकों से नीचे दर्ज किए गए हैं।

ब्यास के ऊपरी क्षेत्र अपेक्षाकृत स्वच्छ हैं, परंतु कुल्लू और मंडी जैसे शहरी क्षेत्रों के निकट कोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया है। सिरसा नदी औद्योगिक क्षेत्रों के कारण अधिक प्रदूषित मानी जाती है, जहां जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग उच्च स्तर पर दर्ज की गई है। छोटे स्रोत जैसे अश्वनी खड्ड और गिरी नदी भी शहरी अपशिष्ट से प्रभावित हो रहे हैं। विडंबना यह है कि जो जल कभी नि:शुल्क और शुद्ध था, आज वह बोतलों में बिक रहा है। स्वच्छ वायु भी प्रदूषण की मार झेल रही है। यदि यही स्थिति रही तो भविष्य में ऑक्सीजन भी बाजार की वस्तु बन सकती है।

वृक्षारोपण : वैज्ञानिक समाधान : वृक्ष जल संरक्षण में मदद करते हैं, भूजल पुनर्भरण बढ़ाते हैं और मृदा अपरदन रोकते हैं। हिमालयी वान, देवदार और उतिस जैसी प्रजातियां सतही बहाव कम कर मिट्टी को स्थिर रखती हैं। पारंपरिक पीपल, बरगद और गूलर भी भूजल और मृदा संरक्षण में सहायक हैं।

जल शुद्धिकरण में पौधों की भूमिका : फाइटो-रिमेडिएशन में पौधे जल और मिट्टी से प्रदूषक अवशोषित करते हैं। सहेजन के बीज गंदे जल को साफ करते हैं, नागफनी तलछट हटाती है और टायफा, पतेरा तथा खस की जड़ आर्द्रभूमि में भारी धातु और पोषक तत्व अवशोषित करती है।

जलवायु परिवर्तन और हिमालय : पहले हिमपात धीरे पिघलता और वर्षा संतुलित होती थी, लेकिन अब वर्षा अनियमित, बादल फटने की घटनाएं बढ़ी और हिमनद सिकुड़ रहे हैं। झरने सूख रहे हैं, भूजल घट रहा है और ऋतु चक्र बदल रहा है। वन घटे तो जल स्रोत कम होंगे, जिससे गांवों का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा।

इस वर्ष की थीम : जल और जेंडर : अंतरराष्ट्रीय जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। 2026 की थीम 'जल और जेंडर' है। ग्रामीण भारत में जल संग्रह की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं पर होती है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

बाण गंगा के किनारे बसा मां चामुंडा धाम सदियों से श्रद्धा और साधना का केंद्र





तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

हिमाचल प्रदेश अपनी पुरातन व समृद्ध संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्वविख्यात है। इस धरा में ऋषि-मुनियों ने घोर तपस्या की, वहीं देवी-देवताओं की भी यह कर्मस्थली रही। इसलिए इस राज्य ने देश-विदेश में देवभूमि के नाम से ख्याति अर्जित की। वास्तव में इस धरा में अनेकों धार्मिक व पावन पवित्र स्थल हैं, जो किसी न किसी पौराणिक किंवदंतियों अथवा जनश्रुति से जुड़े हुए हैं।

इसी श्रृंखला में पालमपुर-धर्मशाला से क्रमश: 25 और 15 किलोमीटर की दूरी और समुद्र तल से 800 मीटर ऊंचाई की धौलाधार वादियों से आच्छादित माता चामुंडा का अलौकिक मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था, श्रद्धा व विश्वास का केंद्र है। यह शिव व शक्ति अर्थात मां पार्वती का स्थान है व चामुंडा-नंदिकेश्वर धाम के नाम से प्रचलित है। मां चामुंडा का यह भव्य मंदिर वास्तव में भक्तजनों को दिव्यता की अनुभूति प्रदान करता है। धौलाधार पहाड़ी की कंदराओं में अवस्थित इस मंदिर की महिमा तो अपरंपार है। पौराणिक कथनानुसार, अर्थात दुर्गा सप्तशती के सप्तम अध्याय से उद्धत है कि जब चंड-मुंड नामक दैत्य अपने राजा शुंभ- निशुंभ के आदेशानुसार अपनी चतुरंगिणी सेना के साथ अस्त्रों-शास्त्रों से सुसज्जित होकर जा रहे थे, तो मार्ग में उन्होंने हिमालय की ऊंची चोटी पर सिंह पर सवार एक देवी रूपी कन्या को बैठा देखा जो मंद-मंद हंस रही थी। चंड-मुंड अपने सैन्य बल और अस्त्र-शस्त्रों द्वारा उसे पकड़ने की चेष्टा करने लगे। देवी यह देखकर क्रोध से तन गई और उसके चेहरे व आंखों में दहकते अंगारों-सी लालिमा आ गई। भयानक मुख वाली देवी तलवार व पाश लिए साक्षात उनके समक्ष प्रकट हो गई।

देवी ने अपना मुख पूरा खोला हुआ था और जिव्हा पूर्ण रूप से बाहर लटक रही तथा एक अद्भुत व विकराल रूप धारण किया हुआ था। अपनी भयानक गर्जना से उसने चारों दिशाओं को गुंजायमान कर दिया और बड़े ही आक्रमक रूप में आकर असुरों व दैत्य सेना पर टूट पड़ी जो भी उसके सामने आता गया उसका भक्षण करती गई। यहां तक की एक ही हाथ से वह उन राक्षसों, महावत, योद्धाओं व भारी-भरकम हाथियों को पकड़कर अपने मुंह में डालती गई। दूसरी ओर, अपनी हुंकार से सामने आने वाले हर दैत्य एवं असुर को भस्म कर रही थी, ऐसा रौद्र व वीभत्स रूप धारण किया हुआ था भगवती मां ने।

चंड-मुंड ने अपने वाणों और अस्त्रों से देवी को मारने की पूरी चेष्टा की, लेकिन वह अत्यंत क्रोध तथा भयानक गर्जना करते हुए चंड पर टूट पड़ी और उसी की तलवार से उसका सिर कलम कर दिया। चंड को मरते देख मुंड देवी के ऊपर प्रहार करने लगा, देवी ने उसका सिर भी धड़ से अलग कर दिया व चंड-मुंड के सिर हाथ में लिए काली देवी अपना भयानक अट्टहास करती हुई चंडिका के पास पहुंच कर बोली 'मैंने चंड-मुंड नामक महा-पशु आपको भेंट चढ़ा दिए, अब तो युद्ध में शुंभ-निशुंभ का आप स्वयं वध करना है।' चंड-मुंड असुरों के वध के बाद देवी चंडिका ने काली से कहा कि अब वह 'चामुंडा' नाम से प्रसिद्ध होंगी, क्योंकि उन्होंने इन महा असुरों का संहार किया है। तभी से मां चामुंडा की पूजा-अर्चना निरंतर होती आ रही है। किंवदंतियों के अनुसार यह मंदिर 700 वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। प्रारंभ में यहां पिंडी की पूजा होती थी, बाद में देवी की भव्य मूर्ति स्थापित की गई। मंदिर परिसर में देवी के चरणों और शिवलिंग से चिन्हित प्राचीन शिला स्थित है। पास ही एक विशाल शिला के नीचे शिवलिंग होने के कारण इसे चामुंडा-नंदिकेश्वर धाम कहा जाता है। बाण गंगा के किनारे बने घाटों में स्नान और शतचंडी पाठ का विशेष महत्व है। यह स्थान प्राचीन काल से ही साधकों की तपस्थली रहा है।

नवरात्र में यहां विशेष भीड़ उमड़ती है। श्रद्धालु यहां कन्या पूजन, पूजा-अर्चना और मन्नतें पूरी होने पर आभार व्यक्त करते हैं। मंदिर परिसर में शिव, हनुमान सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां आध्यात्मिक वातावरण को और दिव्य बनाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

ट्रंप का शक्ति संदेश

संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिकी राष्ट्रपति का संबोधन हमेशा इस दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है कि दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक और सैन्य शक्तियों में से एक अमेरिका अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को किस नजरिये से देख रहा है। 23 सितंबर 2025 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबोधन में उनके दूसरे कार्यकाल की विदेश नीति की कई प्रमुख प्राथमिकताएं स्पष्ट रूप से दिखाई दीं। ट्रंप ने अपने संबोधन में अमेरिकी शक्ति, राष्ट्रीय हित और संप्रभुता को प्राथमिकता देने वाले दृष्टिकोण पर जोर दिया। उनका संदेश यह था कि अमेरिका अपनी सैन्य, आर्थिक और तकनीकी क्षमता के आधार पर वैश्विक मामलों में निर्णायक भूमिका निभाता रहेगा।

ट्रंप की विदेश नीति की एक प्रमुख विशेषता यह रही है कि वह पारंपरिक बहुपक्षीय सहमति की तुलना में प्रत्यक्ष बातचीत, दबाव और सौदेबाजी को अधिक महत्व देते हैं। संयुक्त राष्ट्र के मंच से भी उनका यही दृष्टिकोण सामने आया। उन्होंने वैश्विक संस्थाओं की भूमिका पर सवाल उठाते हुए संकेत दिया कि अमेरिका ऐसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे को स्वीकार करने के पक्ष में नहीं है, जिसे वह अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता या आर्थिक हितों पर अंकुश के रूप में देखता है। इसके विपरीत संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने इस सत्र के लिए 'बेहतर साथ' की भावना, संवाद, सहयोग और बहुपक्षीय कार्रवाई को प्रमुख विषय बनाया था।

ईरान का मुद्दा भी ट्रंप के संबोधन में प्रमुख रहा। उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका की कठोर नीति दोहराई और यह स्पष्ट किया कि वाशिंगटन तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए दबाव बनाए रखेगा। यहां ट्रंप की नीति में कूटनीति और दबाव दोनों साथ-साथ दिखाई देते हैं। एक ओर वह समझौते की संभावना की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर सैन्य शक्ति के इस्तेमाल की चेतावनी भी देते हैं। इससे उनकी विदेश नीति का वह स्वरूप सामने आता है जिसमें बातचीत को अंतिम लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए आर्थिक और सामरिक दबाव को महत्वपूर्ण साधन माना जाता है।

पश्चिमी गोलार्ध को लेकर भी ट्रंप का रुख अमेरिका के पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र की ओर लौटने का संकेत देता है। वेनेजुएला, क्यूबा और मेक्सिको जैसे देशों के संदर्भ में उनकी टिप्पणियों में सुरक्षा, अवैध आव्रजन, मादक पदार्थों की तस्करी और क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता मिली। यह दृष्टिकोण बताता है कि ट्रंप प्रशासन पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी हितों को अधिक सक्रियता के साथ लागू करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि ऐसे दावों और नीतिगत घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव उनके क्रियान्वयन तथा संबंधित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा।

ट्रंप ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और विवादों में अपनी भूमिका को भी प्रमुखता से रेखांकित किया। उनके संबोधन में कई ऐसे संघर्षों का उल्लेख हुआ, जिनमें अमेरिका की मध्यस्थता या दबाव के बाद युद्धविराम अथवा समझौते की दिशा में प्रगति हुई। संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक रिकॉर्ड में भी 2025 के दौरान कंबोडिया-थाईलैंड युद्धविराम तथा अजरबैजान-अर्मेनिया समझौते का उल्लेख हुआ है। हालांकि किसी संघर्ष में युद्धविराम को स्थायी राजनीतिक समाधान मान लेना उचित नहीं होगा। किसी विवाद के दीर्घकालिक समाधान के लिए राजनीतिक समझ, सुरक्षा गारंटी और संबंधित पक्षों की सहमति आवश्यक होती है।

आर्कटिक और ग्रीनलैंड का प्रश्न भी अमेरिका की बदलती सामरिक सोच को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। आर्कटिक क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों, समुद्री मार्गों और बढ़ती सामरिक प्रतिस्पर्धा के कारण बड़ी शक्तियों की दिलचस्पी बढ़ी है। अमेरिका के लिए यह क्षेत्र अब केवल भौगोलिक सीमा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य की भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ गया है। इसलिए ग्रीनलैंड और आर्कटिक को लेकर अमेरिकी रुख को व्यापक सामरिक संदर्भ में देखना होगा।

ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र और उसकी विभिन्न संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर भी तीखी आपत्तियां दर्ज कीं। मानवाधिकार परिषद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर उनका दृष्टिकोण अमेरिकी संप्रभुता पर जोर देता है। इससे पहले भी ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अमेरिकी भागीदारी समाप्त करने और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रति अमेरिकी समर्थन की समीक्षा के कदम उठाए थे। इसी तरह एआई के वैश्विक नियमन, वैश्विक कराधान और अन्य साझा नियामक व्यवस्थाओं के संदर्भ में भी ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्राथमिकता दी है।

ट्रंप के संबोधन का एक महत्वपूर्ण पहलू उनका आत्मविश्वासपूर्ण राजनीतिक अंदाज भी रहा। उन्होंने अपने प्रशासन की उपलब्धियों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय विवादों में अमेरिकी भूमिका को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। ऐसे दावों का मूल्यांकन करते समय राजनीतिक बयान और वस्तुगत परिणाम के बीच अंतर करना जरूरी है। किसी संघर्ष के समाप्त होने की घोषणा और स्थायी शांति स्थापित होने में काफी अंतर होता है। इसी तरह आर्थिक, ऊर्जा और सामरिक शक्ति से जुड़े दावों को वास्तविक आंकड़ों और दीर्घकालिक परिणामों के आधार पर परखा जाना चाहिए।

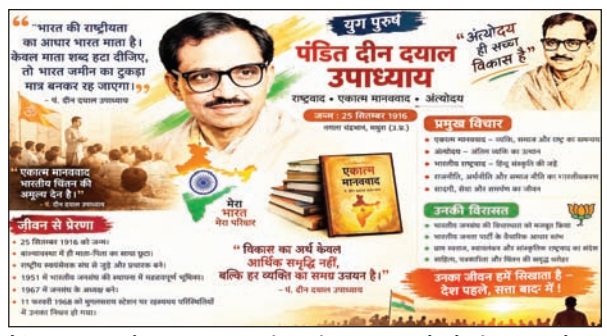
-शिवांश धाकड़

नारी

वीरेन्द्र शर्मा वात्स्यायन, ऊना
(हिमाचल प्रदेश)

नारी, तुम सृष्टि-सृजना हो,
तुमसे ही है वजूद जगत का,
तुम नहीं तो संसार है शून्य,
जीवन की हर सुंदर छाया हो तुम।
ममता का सागर तुम ही हो,
प्रेम की निर्मल धारा हो,
मोह-माया की दुनिया में भी,
रिश्तों की प्यारी भाषा हो।
माता बनकर जीवन देती,
बहन बनकर स्नेह लुटाती,
बेटी बनकर घर आंगन में,
खुशियों के दीप जलाती।
पत्नी बनकर साथ निभाती,
हर मुश्किल में हौसला देती,
अपने सपनों को पीछे रखकर,
परिवार की खुशियां चुन लेती।
फिर क्यों नारी ही नारी की,
दुश्मन बनने लग जाती है?
क्यों बेटी को बोझ समझकर,
उसकी उड़ान रोक दी जाती है?
नारी किसी से कम नहीं है,
वह शक्ति है, सम्मान है,
उसके कदमों से घर रोशन,
उससे ही समाज महान है।
क्यों करते हो तुम अभिमान,
नारी ही तो जगत जननी है,
उसका सम्मान करो हर पल,
वह प्रेम, शक्ति और करुणा है।

सादगी से राष्ट्रसेवा तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार आज भी सार्वजनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण





सुखदेव सिंह, नूरपुर

भारतीय राष्ट्रजीवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम एक ऐसे विचारक और संगठनकर्ता के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम न मानकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने की अवधारणा पर जोर दिया। उनका जीवन सादगी, संगठन के प्रति समर्पण और भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विकास की सोच से जुड़ा रहा। 25 सितंबर 1916 को जन्मे दीनदयाल उपाध्याय का जीवन अनेक व्यक्तिगत कठिनाइयों से गुजरा। कम उम्र में माता-पिता को खोने के बावजूद उन्होंने शिक्षा जारी रखी और आगे चलकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े। बाद में वे संघ के पूर्णकालिक प्रचारक बने और संगठन के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय जनसंघ की स्थापना 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में हुई। दीनदयाल उपाध्याय इसके संगठनात्मक निर्माण से जुड़े प्रमुख नेताओं में रहे और 1952 के कानपुर अधिवेशन में उन्हें दल का महामंत्री बनाया गया। लंबे समय तक उन्होंने संगठन को मजबूत करने का काम किया। दिसंबर 1967 में वे भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए, लेकिन उनका कार्यकाल बहुत लंबा नहीं रहा। 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय के निकट उनकी मृत्यु ने देश को स्तब्ध कर दिया। उनकी मृत्यु की परिस्थितियां लंबे समय तक चर्चा और जांच का विषय बनी रहीं।

दीनदयाल उपाध्याय के राजनीतिक चिंतन का सबसे प्रमुख आधार एकात्म मानववाद रहा। उन्होंने पश्चिमी राजनीतिक और आर्थिक विचारधाराओं को भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों के संदर्भ में देखने का प्रयास किया। उनकी दृष्टि में मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई मानकर विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के बीच संतुलन स्थापित करते हुए विकास की ऐसी व्यवस्था आवश्यक है, जिसमें समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की आवश्यकताओं को भी महत्व मिले। यही सोच आगे चलकर अंत्योदय की अवधारणा से जुड़ी, जिसमें सबसे कमजोर और वंचित व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया।

उनका जीवन केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं था। उन्होंने पत्रकारिता और लेखन के क्षेत्र में भी काम किया। वे 'राष्ट्रधर्म', 'पांचजन्य' और 'स्वदेश' जैसे प्रकाशनों से जुड़े रहे। उन्होंने 'एकात्म मानववाद', 'राष्ट्र जीवन की समस्याएं', 'राष्ट्र चिंतन' और 'राष्ट्र जीवन की दिशा' जैसे विषयों पर लिखा। उनके साहित्य और विचारों ने भारतीय राजनीति में एक वैकल्पिक वैचारिक विमर्श को आकार देने में भूमिका निभाई। भारतीय जनसंघ के संगठन विस्तार में उनकी भूमिका भी महत्वपूर्ण रही और उन्होंने राजनीति में संगठन तथा विचार को प्रमुखता दी।

दीनदयाल उपाध्याय की सबसे चर्चित विशेषताओं में उनकी सादगी भी शामिल रही। सत्ता और सार्वजनिक जीवन में रहते हुए व्यक्तिगत जीवन को सरल बनाए रखना उनके व्यक्तित्व का उल्लेखनीय पक्ष माना जाता है। आज जब राजनीति में सार्वजनिक जीवन की पारदर्शिता, जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही और राजनीतिक आचरण को लेकर लगातार बहस होती है, तब उनके जीवन और विचारों का अध्ययन एक ऐतिहासिक संदर्भ उपलब्ध कराता है। हालांकि किसी भी ऐतिहासिक व्यक्तित्व को वर्तमान राजनीति के लिए सीधे आदर्श मानने के बजाय उसके विचारों और कार्यों को उनके समय और परिस्थितियों के संदर्भ में समझना अधिक उपयोगी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

नृत्य से हॉलीवुड तक पहुंची जूलियट

जूलियट ऐन प्रॉव्स ब्रिटिश-अमेरिकी नृत्यांगना और अभिनेत्री थीं, जिन्होंने मंच, टेलीविजन और फिल्मों में करीब चार दशक तक काम किया। उनका जन्म 25 सितंबर 1936 को तत्कालीन ब्रिटिश भारत के बंबई में हुआ था, जिसे आज मुंबई के नाम से जाना जाता है। उनके पिता अंग्रेज थे और मां दक्षिण अफ्रीकी थीं। पिता के निधन के बाद, जब जूलियट केवल तीन वर्ष की थीं, उनकी मां उन्हें लेकर दक्षिण अफ्रीका चली गईं। यहीं से उनके जीवन में नृत्य का सफर शुरू हुआ। उन्होंने महज चार वर्ष की उम्र में नृत्य सीखना शुरू कर दिया था।



जूलियट ऐन प्रॉव्स
जन्म : 25 सितंबर 1936

बचपन से ही नृत्य के प्रति उनकी रुचि लगातार बढ़ती गई। युवावस्था तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने नृत्य को अपना पेशा बना लिया। बीस वर्ष की उम्र के शुरुआती वर्षों में वह पेरिस के एक क्लब में नृत्य कर रही थीं। इसी दौरान एक प्रतिभा एजेंट की नजर उन पर पड़ी। इसके बाद उन्हें हॉलीवुड की फिल्म में काम करने का अवसर मिला। उन्हें वाल्टर लैंग की फिल्म 'कैन-कैन' में क्लॉडीन की छोटी भूमिका के लिए चुना गया। यह फिल्म 1960 में रिलीज हुई थी और इसमें फ्रैंक सिनात्रा, मॉरिस शेवेलियर, लुई जॉर्डन और शर्ली मैकलेन जैसे बड़े कलाकार थे।

'कैन-कैन' जूलियट प्रॉव्स के करियर का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। 1959 में फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके नृत्य ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया। उस समय सोवियत संघ के नेता निकिता ख्रुश्चेव अपनी पहली अमेरिका यात्रा के दौरान फिल्म के सेट पर पहुंचे थे। वहां जूलियट ने उनके सामने फ्रांसीसी नृत्य 'कैन-कैन' की प्रस्तुति दी। ख्रुश्चेव ने इस नृत्य को अनैतिक बताया। उनकी टिप्पणी के बाद जूलियट प्रॉव्स को लेकर अमेरिका में काफी चर्चा हुई और उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी।

'कैन-कैन' के बाद उनके करियर को एक और बड़ा अवसर मिला। उसी वर्ष वह मशहूर गायक और अभिनेता एल्विस प्रेस्ली के साथ फिल्म में नजर आईं। इसके बाद उनकी पहचान केवल नृत्यांगना तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने अभिनेत्री के रूप में भी अपनी जगह बनाई।

विकास के साथ जरूरी है मजबूत जलनिकासी और बेहतर शहरी नियोजन

विकसित भारत 2047 का सपना केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा है। यह सपना मजबूत अर्थव्यवस्था, आधुनिक शहरों, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और बेहतर जीवन गुणवत्ता का वादा करता है। लेकिन हर मानसून इस दावे की वास्तविकता भी सामने रख देता है। जलमग्न सड़कें, घंटों तक लगा यातायात जाम, उफनते सीवर, धंसती सड़कें और बेहाल नागरिक व्यवस्था यह सवाल खड़ा करती है कि क्या हमारे शहर आज भी सामान्य मानसूनी बारिश का सामना करने के लिए तैयार हैं। इस वर्ष मानसून समय पर आया और किसानों को राहत मिली, लेकिन बारिश ने शहरों की कमजोर व्यवस्थाओं को फिर उजागर कर दिया।

दिल्ली में कुछ घंटों की बारिश के बाद अंडरपास जलमग्न हो गए और प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ। गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई प्रमुख सड़कों पर घंटों जाम की स्थिति बनी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ भी जलभराव की समस्या से अछूती नहीं रही। गोमती नगर, आशियाना, जानकीपुरम और अलीगंज जैसे क्षेत्रों में हर वर्ष जलभराव और क्षतिग्रस्त सड़कों की समस्या सामने आती है। सवाल यह है कि आखिर हर मानसून के बाद वही समस्याएं दोहराने के बावजूद उनका स्थायी समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है?

समस्या का कारण केवल अधिक बारिश को मान लेना आसान है, लेकिन वास्तविक चुनौती इससे कहीं बड़ी है। अनियोजित शहरी विस्तार, कमजोर जलनिकासी व्यवस्था, नालों पर अतिक्रमण, प्राकृतिक जलस्रोतों की उपेक्षा और विभागों के बीच समन्वय की कमी ने स्थिति को जटिल बनाया है। शहरों का विस्तार तो तेजी से हुआ, लेकिन जलनिकासी और दूसरी आधारभूत सुविधाएं उसी गति से विकसित नहीं हो सकीं। परिणाम यह है कि सामान्य बारिश भी कई इलाकों के लिए संकट बन जाती है।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि सड़क निर्माण और भूमिगत सुविधाओं की योजना अक्सर अलग-अलग बनाई जाती है। सड़क बनने के कुछ समय बाद उसी सड़क को सीवर, गैस पाइपलाइन, बिजली या दूरसंचार की लाइन डालने के लिए खोद दिया जाता है। अलग-अलग विभाग अपने स्तर पर काम करते हैं, लेकिन उनके बीच पर्याप्त समन्वय नहीं होता। इससे न केवल सार्वजनिक धन की बर्बादी होती है, बल्कि सड़कों की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। नई सड़क बनने के बाद बार-बार खुदाई की प्रक्रिया को रोकने के लिए यह जरूरी है कि सड़क निर्माण से पहले भूमिगत उपयोगिताओं की समेकित योजना तैयार की जाए।

जवाबदेही का अभाव भी इस समस्या का महत्वपूर्ण कारण है। नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, विकास प्राधिकरण और जल संस्थान जैसी एजेंसियां अपनी-अपनी जिम्मेदारियां गिनाती हैं, लेकिन बारिश के दौरान जलभराव होने पर अक्सर एक-दूसरे पर दोषारोपण शुरू हो जाता है। सड़क धंसने या नाले की सफाई में लापरवाही सामने आने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों पर प्रभावी कार्रवाई कम ही दिखाई देती है। यदि लंबे समय तक चलने वाली सड़क एक-दो वर्ष में खराब हो जाए या करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी जलभराव की समस्या बनी रहे तो इसे केवल तकनीकी खामी मानकर छोड़ देना उचित नहीं है। यह सार्वजनिक धन के उपयोग और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा गंभीर विषय है।





अजय कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। आने वाले दशकों में शहरों की आबादी और बढ़ने वाली है। ऐसे में आज की कमियों को दूर किए बिना भविष्य के शहरों की कल्पना करना कठिन होगा। जलवायु परिवर्तन के कारण कम समय में अत्यधिक बारिश की घटनाएं बढ़ रही हैं। दूसरी ओर प्राकृतिक नालों, तालाबों और जलभराव वाले क्षेत्रों पर अतिक्रमण ने पानी के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित किया है। इसलिए शहरी जलभराव को केवल बारिश से जुड़ी मौसमी समस्या मानना उचित नहीं होगा। यह शहरी नियोजन, पर्यावरण और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़ा दीर्घकालिक विषय है।

विकसित भारत का अर्थ केवल बुलेट ट्रेन, मेट्रो या एक्सप्रेसवे जैसी बड़ी परियोजनाएं नहीं हैं। विकसित शहर वह है जहां बारिश के दौरान सड़कें सुरक्षित रहें, जलनिकासी व्यवस्था प्रभावी हो, आपातकालीन सेवाएं समय पर पहुंचें और नागरिकों का सामान्य जीवन बाधित न हो। इसके लिए वैज्ञानिक ड्रेनेज मास्टर प्लान तैयार करने होंगे। शहरों में पुराने जलस्रोतों और प्राकृतिक नालों को पुनर्जीवित करना होगा। नालों की नियमित सफाई के साथ उनकी क्षमता और वास्तविक जरूरत का भी आकलन होना चाहिए।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता से समझौता रोकना भी जरूरी है। ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट होनी चाहिए तथा खराब निर्माण पर जवाबदेही तय की जानी चाहिए। विभिन्न विभागों के बीच साझा डिजिटल मानचित्र और समन्वित कार्ययोजना तैयार की जा सकती है, ताकि एक ही सड़क को बार-बार खोदने की आवश्यकता न पड़े। मानसून से पहले केवल औपचारिक सफाई अभियान चलाने के बजाय संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर स्थायी सुधार किए जाने चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

व्हाट्सएप पर आया फर्जी लेनदेन संदेश 'नहीं' लिखते ही खाते से 1.70 लाख निकले

एजेंसी, लखनऊ। साइबर ठगों ने व्हाट्सएप के जरिए ठगी का नया तरीका अपनाते हुए एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) के दो बैंक खातों से 1.70 लाख रुपये निकाल लिए। खास बात यह है कि पीड़ित ने न तो किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक किया और न ही किसी व्यक्ति के साथ ओटीपी साझा किया। ठगों ने सीए के व्हाट्सएप पर उनके खाते से पैसे निकलने का संदेश भेजा। संदेश में बताया गया कि यदि यह लेनदेन उन्होंने नहीं किया है तो 'नो' का जवाब दें। सीए ने संदेश पर भरोसा करते हुए 'नो' का जवाब दे दिया। इसके तुरंत बाद उनके दोनों बैंक खातों से कुल 1.70 लाख रुपये कट गए। घटना के बाद सीए ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह व्हाट्सएप के जरिए आटो-एक्जीक्यूशन फाइल अटैक का मामला हो सकता है। पुलिस ठगी के तरीके और आरोपितों की पहचान की जांच कर रही है।

बैंक हड़ताल के चलते रेलवे का फैसला कर्मचारियों के खाते में पहले पहुंचेगा वेतन

एजेंसी, लखनऊ। देशभर के सरकारी बैंकों में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल का असर रेलवे कर्मचारियों की सैलरी पर नहीं पड़ेगा। रेलवे बोर्ड ने वेतन भुगतान को लेकर सभी जोनल मुख्यालयों को समय से पहले प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। निर्देश के अनुसार, वित्त अनुभाग गुरुवार को ही वेतन बिल तैयार कर उसे पास करके बैंकों को भेज देगा। इससे रेलकर्मियों के खातों में 26 या 27 सितंबर तक वेतन पहुंचने की संभावना है। सामान्य तौर पर रेलवे कर्मचारियों को हर महीने की एक या दो तारीख को वेतन मिलता है। रेलवे की ओर से समय से पहले वेतन भेजने की व्यवस्था इसलिए की गई है, ताकि बैंक हड़ताल के दौरान भुगतान में किसी तरह की परेशानी न हो। बोर्ड ने सभी संबंधित अधिकारियों को प्रक्रिया निर्धारित समय में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इससे देशभर के रेलकर्मियों को बैंक हड़ताल के बावजूद वेतन के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

शिकायत लेकर पहुंची महिला ने एसएसपी कार्यालय में निकाला चाकू, पुलिस ने संभाला मामला

एजेंसी, मेरठ। एक युवक की कथित छेड़छाड़ से परेशान महिला बुधवार दोपहर शिकायत लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंची। महिला एसएसपी से मिलकर अपनी समस्या बताना चाहती थी, लेकिन दो बार प्रयास करने के बावजूद उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। इससे महिला नाराज हो गई और कार्यालय में हंगामा करने लगी। इसी दौरान महिला ने अपने पर्स से चाकू निकाल लिया और खुद को चोट पहुंचाने का प्रयास किया। चाकू निकलते ही कार्यालय में मौजूद पुलिसकर्मियों में अफरातफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने महिला को समझाने का प्रयास किया और किसी तरह उसे काबू में लेकर सुरक्षित किया। घटना की सूचना सिविल लाइंस थाना पुलिस को दी गई। पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है। महिला का आरोप है कि एक युवक की छेड़छाड़ के कारण उसका घर से निकलना मुश्किल हो गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ताजमहल में बंदरों का आतंक, पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर सपा ने किया प्रदर्शन

एजेंसी, आगरा। ताजमहल परिसर में बंदरों की बढ़ती समस्या को लेकर समाजवादी पार्टी ने गुरुवार को माल रोड स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) कार्यालय पर प्रदर्शन किया। सपा नेताओं ने पर्यटकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए बंदरों की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। प्रदर्शन के दौरान सपा नेताओं ने कहा कि ताजमहल देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। परिसर और आसपास बंदरों की गतिविधियां बढ़ने से पर्यटकों के सामने परेशानी खड़ी हो रही है। कई बार बंदर पर्यटकों के सामान और खाने-पीने की चीजों की ओर झपटते हैं, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है।

जवां में ट्रक की टक्कर से केला विक्रेता की मौत, पुत्र घायल; चालक फरार

एजेंसी, अलीगढ़

गुरुवार सुबह नहर सुमेरा झाल पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। शनि देव मंदिर के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने केला विक्रेता और उसके पुत्र को टक्कर मार दी। हादसे में 60 वर्षीय सियाराम की मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र घायल हो गया। टक्कर के बाद ट्रक सिंचाई विभाग की चारदीवारी से टकराकर खाई में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

वाजिदपुर निवासी सियाराम पुत्र रामस्वरूप नहर सुमेरा झाल स्थित शनि देव मंदिर के सामने सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस के पास केले की ठेल लगाते थे। गुरुवार सुबह वह अपने पुत्र के साथ ठेल के पास मौजूद थे। इसी दौरान ट्रक ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सियाराम गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सिंचाई विभाग की चारदीवारी से टकराया और खाई में जाकर पलट गया। ट्रक के केबिन में क्लीनर फंस गया। वहीं हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलने पर जवां थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद ट्रक के केबिन में फंसे क्लीनर को बाहर निकाला। घायल पुत्र को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं सियाराम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की गई। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

यूपी के 403 विधानसभा क्षेत्रों में रोजगार मेले की तैयारी, हर क्षेत्र के 500 युवाओं को मौका

रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियां युवाओं की योग्यता के अनुसार करेंगी चयन

एजेंसी, लखनऊ



उत्तर प्रदेश के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए सेवायोजन विभाग नई पहल करने जा रहा है। मुख्यमंत्री रोजगार मिशन के तहत पहली बार प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में वृहद रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 500 युवाओं को नौकरी का अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इस पहल के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को कंपनियों तक पहुंचने और अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार पाने का मौका मिलेगा।

सेवायोजन विभाग की इस पहल के तहत प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों को रोजगार मेलों से जोड़ा जाएगा। अभी तक रोजगार मेले अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जाते रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री रोजगार मिशन के तहत पहली बार विधानसभा क्षेत्र स्तर पर व्यापक आयोजन की योजना बनाई गई है। इसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को उनके क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाले रोजगार मेले में 500 युवाओं को नौकरी का अवसर देने का लक्ष्य रखा गया है। इस तरह बड़ी संख्या में युवाओं को निजी क्षेत्र की कंपनियों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। रोजगार मेले में युवाओं की योग्यता और कौशल के अनुसार कंपनियों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से उन्हें जोड़ा जाएगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार पाने में कई बार युवाओं के सामने कंपनियों तक पहुंचने की चुनौती रहती है। रोजगार मेले के माध्यम से इस दूरी को कम करने का प्रयास किया जाएगा।

सेवायोजन विभाग कंपनियों और रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को एक मंच पर लाने की दिशा में काम करेगा। युवाओं को उनकी शैक्षिक योग्यता, कौशल और उपलब्ध रोजगार अवसरों के अनुसार कंपनियों से संपर्क करने का मौका मिलेगा। इससे उन्हें नौकरी के लिए आवेदन करने और चयन प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिल सकेगा। मुख्यमंत्री रोजगार मिशन के तहत विधानसभा स्तर पर रोजगार मेले आयोजित करने की पहल से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इसका लाभ उन युवाओं को भी मिल सकता है, जो नौकरी की तलाश में अपने क्षेत्र से दूर नहीं जाना चाहते।

सेवायोजन विभाग की नई पहल में युवाओं को कंपनियों की जरूरत और उपलब्ध पदों के अनुसार अवसर उपलब्ध कराने की योजना है। रोजगार मेले के जरिए युवाओं को एक ही स्थान पर विभिन्न कंपनियों और उनके रोजगार अवसरों की जानकारी मिल सकेगी। प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों को इस अभियान से जोड़ने की तैयारी है। प्रत्येक क्षेत्र में 500 युवाओं को नौकरी का अवसर देने के लक्ष्य के साथ रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा। इससे स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार की तलाश में कंपनियों तक पहुंचने का सीधा माध्यम मिलेगा।

अल्लापुर में युवक की संदिग्ध मौत सड़क किनारे खून से लथपथ मिला शव

एजेंसी, प्रयागराज

शहर के अल्लापुर स्थित हैजा अस्पताल के पास गुरुवार सुबह सड़क पर एक युवक का खून से लथपथ शव मिलने से सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव पड़ा देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही जार्जटाउन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।



सड़क पर खून से लथपथ मिला युवक, ट्रैक्टर की टक्कर की आशंका

मृतक की पहचान संजय भारतीया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि किसी ट्रैक्टर की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हुआ होगा और बाद में उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवक की मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। रिपोर्ट से यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि युवक की मौत सड़क हादसे में लगी चोटों के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी। घटनास्थल से पुलिस ने जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के लोगों से भी जानकारी ली जा रही है। युवक का शव सड़क पर खून से लथपथ मिलने के कारण घटना को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। हालांकि अभी तक पुलिस ने हत्या की पुष्टि नहीं की है।

अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर सकती है। फिलहाल जार्जटाउन पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

प्रयागराज के सिविल लाइंस में जाम से मिलेगी राहत, पार्किंग व्यवस्था होगी दुरुस्त

एजेंसी, प्रयागराज



मल्टीलेवल पार्किंग की खामियां दूर होंगी, व्यापारियों को पार्किंग शुल्क में मिलेगी छूट।

शहर के सिविल लाइंस क्षेत्र में जाम और पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) और नगर निगम ने व्यापारियों के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार की है। 23 सितंबर को पीडीए के उपाध्यक्ष ऋषि राज और नगर आयुक्त साई तेजा की अध्यक्षता में सिविल लाइंस व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई।

इसमें यातायात व्यवस्था सुधारने और पार्किंग की समस्या दूर करने पर चर्चा की गई। बैठक में महात्मा गांधी मार्ग और सरदार पटेल मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्णय लिया गया। दोनों मार्गों की सर्विस लेन पर अवैध कब्जे और अनधिकृत गतिविधियों को हटाकर यातायात सुचारु करने की योजना है। इसके अलावा मल्टीलेवल पार्किंग की व्यवस्थाओं में मौजूद खामियों को दूर करने पर भी जोर दिया गया। व्यापारियों को पार्किंग शुल्क में छूट देने पर भी चर्चा हुई, ताकि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़े कर सकें।

अमरोहा की ढोलक और सेव का ग्लोबल मंच पर होगा प्रदर्शन

एजेंसी, अमरोहा। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)-2026 में अमरोहा के पारंपरिक शिल्प, हथकरघा और स्थानीय उत्पादों की झलक देखने को मिलेगी। इस आयोजन में जिले की छह प्रमुख इकाइयां और उद्यमी अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। अमरोहा की पहचान बन चुकी जीआई टैग प्राप्त ढोलक इस ट्रेड शो के प्रमुख आकर्षणों में शामिल होगी। इसके साथ ही एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत तैयार की जाने वाली अमरोहा की सेव भी प्रदर्शित की जाएगी। पारंपरिक शिल्प और स्थानीय स्वाद को एक ही मंच पर पेश करने से जिले के उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। उत्तर प्रदेश सरकार और इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ट्रेड शो में देश-विदेश के कारोबारी, खरीदार और निवेशक शामिल होंगे।

कानपुर हत्याकांड में बदला नौकर का बयान सुब्रत पर हत्या की सुपारी देने का आरोप

एजेंसी, कानपुर



दवा कारोबारी विनीत मिनोचा हत्याकांड की जांच में गुरुवार को नया मोड़ सामने आया। पुलिस ने कारोबारी के बेटे सुब्रत को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मामले में गिरफ्तार की गई बहू शालू की भूमिका जांच में सामने नहीं आने के बाद पुलिस उसे छोड़ने की तैयारी में है। शालू की 24 घंटे की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद उसे अन्य दो आरोपितों के साथ गुरुवार को दोबारा जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, अब तक की जांच में शालू की हत्या में संलिप्तता के पर्याप्त तथ्य सामने नहीं आए हैं। इसी आधार पर उसकी रिहाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। दूसरी ओर, बेटे सुब्रत की गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे हत्याकांड को लेकर पूछताछ कर रही है। जांच के दौरान नौकर विशाल के बयान को भी अहम माना जा रहा है। बताया गया है कि विशाल ने अपने पहले बयान में कुछ और जानकारी दी थी, लेकिन बाद में उसने अपना बयान बदल दिया। बदले हुए बयान में उसने कथित तौर पर सुब्रत पर हत्या की सुपारी देने का आरोप लगाया है। पुलिस अब इस बयान की पुष्टि के लिए अन्य साक्ष्यों और आरोपितों से पूछताछ कर रही है। मामले में पुलिस हत्या की वजह, वारदात की योजना और इसमें शामिल लोगों की भूमिका को लेकर जांच कर रही है।

एसजीपीजीआई में हाई-रिस्क केस का सफल ऑपरेशन, बचाई महिला की जान

एजेंसी, लखनऊ



कई अस्पतालों ने मना किया, एसजीपीजीआई में 42 वर्षीय महिला का जटिल ऑपरेशन सफल।

संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में चिकित्सकों ने हाई-रिस्क केस में सफल सर्जरी कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ऑर्थोपेडिक्स विभाग की टीम ने 42 वर्षीय महिला की दाहिने पैर की जांघ की हड्डी के फ्रैक्चर का सफल ऑपरेशन किया। महिला की हालत गंभीर होने के कारण कई अस्पतालों ने सर्जरी करने से मना कर दिया था।

जानकारी के अनुसार, करीब 20 दिन पहले हादसे में महिला की जांघ की हड्डी टूट गई थी। वह सिस्टिक ब्रोंकिएक्टेसिस और गंभीर पल्मोनरी हाइपरटेंशन से पीड़ित हैं। फेफड़ों और हृदय की स्थिति को देखते हुए उन्हें सर्जरी के लिए एसजीपीजीआई रेफर किया गया था। संस्थान के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किए जाने के समय उनका ऑक्सीजन सैचुरेशन महज 82 प्रतिशत था। सामान्य ऑक्सीजन सैचुरेशन 98 से 100 प्रतिशत के बीच माना जाता है। ऐसी स्थिति में सामान्य एनेस्थीसिया देना जोखिमपूर्ण था। चिकित्सकों ने मरीज की स्थिति को देखते हुए अल्ट्रासाउंड-गाइडेड कंटीन्यूअस स्पाइनल एनेस्थीसिया तकनीक का इस्तेमाल किया। इसके तहत सर्जरी के दौरान मरीज की स्थिति और ऑक्सीजन स्तर की लगातार निगरानी की गई। चिकित्सकों की टीम ने सावधानीपूर्वक प्रक्रिया पूरी करते हुए जांघ की टूटी हड्डी को जोड़ दिया। सर्जरी के दौरान महिला की स्थिति पर विशेष निगरानी रखी गई। संस्थान के विशेषज्ञों के अनुसार, गंभीर फेफड़े और हृदय संबंधी समस्याओं वाले मरीज में इस तरह की सर्जरी चुनौतीपूर्ण होती है।

बिठूर उपचुनाव में आखिरी समय बड़ा बदलाव विधायक के भाई को भाजपा का टिकट

एजेंसी, कानपुर। बिठूर नगर पंचायत अध्यक्ष के उपचुनाव में नामांकन के आखिरी दिन भाजपा ने अपने प्रत्याशी की घोषणा कर चुनावी तस्वीर में बदलाव कर दिया। पार्टी ने बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा के भाई राणा समरेन्द्र सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है। भाजपा की ओर से उन्हें पार्टी का सिंबल दिया गया है। राणा समरेन्द्र सिंह ने भाजपा के प्रत्याशी घोषित होने से पहले ही निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया था। अब पार्टी का सिंबल मिलने के बाद उनका चुनावी मुकाबला भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी के तौर पर होगा। प्रत्याशी को लेकर पिछले कुछ समय से चल रही चर्चाओं पर भी पार्टी के फैसले के साथ विराम लग गया।

बिठूर नगर पंचायत अध्यक्ष का उपचुनाव डॉ. निर्मला सिंह के निधन के बाद हो रहा है। डॉ. निर्मला सिंह पांच बार नगर पंचायत अध्यक्ष रह चुकी थीं। ऐसे में चुनाव में उनकी राजनीतिक विरासत भी एक प्रमुख मुद्दा बनी हुई है। भाजपा ने विधायक के भाई को मैदान में उतारकर स्थानीय स्तर पर अपना प्रभाव बनाए रखने की कोशिश की है। उधर, कांग्रेस ने भी बिठूर नगर पंचायत अध्यक्ष उपचुनाव लड़ने का फैसला किया है। इससे मुकाबले में राजनीतिक दलों की सीधी भागीदारी बढ़ गई है। नामांकन प्रक्रिया के अंतिम चरण में भाजपा के प्रत्याशी की घोषणा और कांग्रेस के मैदान में उतरने से चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। अब प्रत्याशियों के सामने मतदाताओं तक पहुंचने और अपने पक्ष में समर्थन जुटाने की चुनौती होगी। स्थानीय मुद्दों के साथ नगर पंचायत के विकास, सुविधाओं और क्षेत्र की प्राथमिकताओं को लेकर भी प्रचार के दौरान चर्चा होने की संभावना है। नामांकन के अंतिम दिन भाजपा के फैसले के बाद बिठूर नगर पंचायत अध्यक्ष उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां बढ़ गई हैं।

आगरा एमएलसी चुनाव का कार्यक्रम घोषित 6 अक्टूबर तक नामांकन; 23 को मतदान

एजेंसी, आगरा



निर्वाचन आयोग ने आगरा शिक्षक और स्नातक खंड निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। दोनों खंडों के लिए नामांकन प्रक्रिया 29 सितंबर से शुरू होगी और छह अक्टूबर तक चलेगी। मतदान 23 अक्टूबर को कराया जाएगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को होगी।

शिक्षक और स्नातक खंड के नामांकन आगरा कमिश्नरी में अलग-अलग कक्षों में कराए जाएंगे। नामांकन के लिए कक्षों का निर्धारण जल्द किया जाएगा। इसके लिए मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप की निगरानी में बैठक प्रस्तावित है। चुनाव कार्यक्रम जारी होने के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में चुनावी गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है। आगरा कमिश्नरी के अंतर्गत 12 जिले इस निर्वाचन क्षेत्र में शामिल हैं। चुनाव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू की जा रही हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवारों और उनके प्रस्तावकों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। संबंधित अधिकारियों को चुनाव कार्यक्रम के अनुसार प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए जाएंगे। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 29 सितंबर को अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन शुरू होगा।

छह अक्टूबर नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि होगी। नामांकन पत्रों की जांच निर्धारित प्रक्रिया के तहत की जाएगी और पात्र उम्मीदवारों की स्थिति स्पष्ट होने के बाद चुनाव प्रचार का दौर शुरू होगा। 23 अक्टूबर को मतदान के बाद मतों की गणना 27 अक्टूबर को होगी। चुनाव में शिक्षक और स्नातक वर्ग के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रशासन की ओर से मतदान और मतगणना के लिए आवश्यक तैयारियां की जाएंगी।

जलनिकासी दोनों नालों के निर्माण से शहर के कई इलाकों में पानी निकासी की समस्या दूर करने की तैयारी

आगरा में जलभराव से मिलेगी राहत, 72.74 करोड़ से बनेंगे दो नए नाले

एजेंसी, आगरा



शहर में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर विकास विभाग ने बड़ी पहल की है। विभाग ने दो प्रमुख नालों के निर्माण को मंजूरी दी है। इन दोनों परियोजनाओं पर कुल 72.74 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे शहर के संबंधित क्षेत्रों में जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी और बारिश के दौरान जमा होने वाले पानी की निकासी आसान होने की उम्मीद है।

मंजूर की गई परियोजनाओं में सुल्तानगंज की पुलिया-जीवनी मंडी नाला और नवीन गल्ला मंडी नाला शामिल हैं। सुल्तानगंज की पुलिया-जीवनी मंडी नाले के निर्माण पर 35.30 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं नवीन गल्ला मंडी नाले के निर्माण के लिए 37.44 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। दोनों परियोजनाओं की कुल लागत 72.74 करोड़ रुपये है आगरा में मानसून के दौरान कई इलाकों में जलभराव की समस्या सामने आती है। तेज बारिश होने पर सड़कों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है। जलनिकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई स्थानों पर पानी की निकासी में समय लगने से आवागमन भी प्रभावित होता है।

ऐसे में नए नालों के निर्माण को जलनिकासी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नगर विकास विभाग की ओर से दोनों नालों के निर्माण को मंजूरी दिए जाने के बाद संबंधित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू होगी। निर्माण पूरा होने के बाद इन क्षेत्रों में बारिश के पानी की निकासी के लिए अतिरिक्त व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। इससे मौजूदा जलनिकासी व्यवस्था पर दबाव कम करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। सुल्तानगंज की पुलिया-जीवनी मंडी नाला परियोजना के लिए 35.30 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह नाला सुल्तानगंज की पुलिया से जीवनी मंडी क्षेत्र तक जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद करेगा। दूसरी ओर नवीन गल्ला मंडी नाला परियोजना पर 37.44 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दोनों परियोजनाएं शहर में बारिश के पानी की निकासी से जुड़ी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं। इन परियोजनाओं के जरिए उन क्षेत्रों में जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर करने का प्रयास किया जाएगा, जहां बारिश के दौरान पानी जमा होने की समस्या रहती है। नालों के निर्माण से पानी को व्यवस्थित तरीके से बाहर निकालने में मदद मिलने की उम्मीद है।

शहर के विस्तार के साथ जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना स्थानीय निकायों के लिए लगातार चुनौती बना हुआ है। बारिश के दौरान कम समय में अधिक पानी गिरने पर नालियों और पुराने जलनिकासी तंत्र पर दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में नए और व्यवस्थित नालों का निर्माण जरूरी हो जाता है। नगर विकास विभाग की स्वीकृति के बाद दोनों परियोजनाओं से जुड़े निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। संबंधित क्षेत्रों में नाले बनने से बारिश के पानी को निकालने के लिए अतिरिक्त क्षमता विकसित होगी। इससे जलभराव वाले क्षेत्रों में लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

कानपुर में 250 करोड़ की साइबर ठगी का पर्दाफाश, आईआईटी गेट से चार ठग गिरफ्तार

एजेंसी, कानपुर



कूटरचित आधार से खाते खुलवाकर ठगी की रकम पहुंचाते थे आरोपित।

साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में साइबर क्राइम सेल, रावतपुर और कल्याणपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने करीब 250 करोड़ रुपये की साइबर ठगी से जुड़े नेटवर्क का राजफाश किया है। पुलिस टीम ने गुरुवार को आईआईटी गेट से चार साइबर ठगों को गिरफ्तार किया। आरोपित कूटरचित आधार कार्ड तैयार कर उसके आधार पर म्यूल खाते खुलवाते थे। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से अर्जित रकम के लेनदेन के लिए किया जाता था।

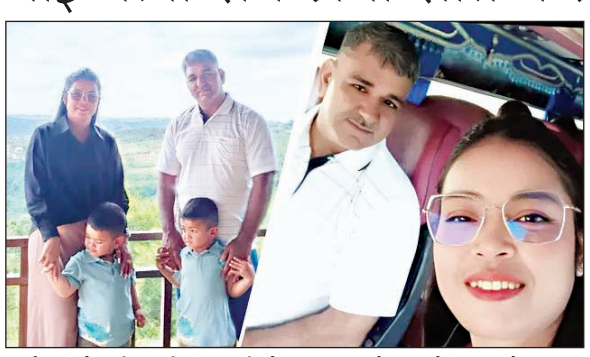
पुलिस के अनुसार, आरोपितों का नेटवर्क साइबर ठगी से मिलने वाली रकम को अलग-अलग बैंक खातों के माध्यम से इधर-उधर करने में सक्रिय था। फर्जी पहचान के आधार पर खोले गए म्यूल खातों के जरिए ठगी की रकम को आगे भेजा जाता था। इससे रकम के वास्तविक स्रोत और लाभार्थियों की पहचान छिपाने का प्रयास किया जाता था। संयुक्त टीम को साइबर ठगी से जुड़े नेटवर्क के बारे में जानकारी मिलने के बाद आरोपितों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। इसी क्रम में गुरुवार को आईआईटी गेट के पास कार्रवाई कर चार आरोपितों को पकड़ा गया। पूछताछ में पुलिस को फर्जी आधार कार्ड तैयार करने और उनके आधार पर बैंक खाते खुलवाने से जुड़ी जानकारी मिली है। जांच में सामने आया कि आरोपित कूटरचित आधार कार्ड के जरिए ऐसे बैंक खाते खुलवाते थे, जिनका इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम प्राप्त करने और उसे दूसरे खातों में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता था। पुलिस अब इन खातों की जानकारी जुटा रही है और उनसे हुए लेनदेन की जांच की जा रही है।

फर्जी आधार कार्ड बनाकर साइबर ठगी की रकम का करते थे लेनदेन

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक करीब 250 करोड़ रुपये की साइबर ठगी से जुड़े इस नेटवर्क की जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही फर्जी दस्तावेज तैयार करने और बैंक खातों के इस्तेमाल से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपितों और ठगी की रकम के लेनदेन के संबंध में और जानकारी सामने आ सकती है।

उम्रकैद के कैदी को शादी के लिए मिली पैरोल, कंबोडियाई पत्नी संग लेगा सात फेरे

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर



करीब आठ साल पहले पैरोल के दौरान जेल से फरार होकर कंबोडिया पहुंचने और बाद में प्रत्यर्पित किए गए उम्रकैद के दोषी मैनपाल ढिल्ला की शादी बुधवार, 24 सितंबर को झज्जर में होगी। मैनपाल अपनी कंबोडियाई पत्नी मेटा चान के साथ हिंदू रीति-रिवाजों से विवाह करेगा। शादी में मेटा चान अपने तीन बच्चों के साथ शामिल होगी।

मैनपाल हत्या सहित कई गंभीर आपराधिक मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहा है। विवाह समारोह में शामिल होने के लिए उसे पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से 12 घंटे की कस्टडी पैरोल मिली है। अदालत में इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश जसजीत सिंह बेदी की अदालत में हुई थी। जेल अधीक्षक सेवा सिंह के अनुसार मैनपाल को सामान्य पैरोल की तरह स्वतंत्र रूप से बाहर नहीं छोड़ा जाएगा। उसे पूरे समय पुलिस और जेल कर्मचारियों की कड़ी निगरानी में रखा जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक उसे सुबह आठ बजे जेल से बाहर लाया जाएगा।

इसके बाद विवाह समारोह में शामिल होने के बाद रात आठ बजे तक उसे वापस जेल पहुंचाना अनिवार्य होगा। मैनपाल करीब आठ वर्ष पहले पैरोल के दौरान जेल से फरार हो गया था। इसके बाद वह कंबोडिया चला गया था। वहां रहने के दौरान उसने कंबोडियाई महिला मेटा चान से विवाह किया। बाद में भारतीय एजेंसियों की कार्रवाई के बाद उसे कंबोडिया से भारत प्रत्यर्पित किया गया और उसे दोबारा जेल भेज दिया गया।

अब मैनपाल और मेटा चान झज्जर में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह करेंगे। शादी के लिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। मैनपाल की आवाजाही पुलिस और जेल कर्मियों की निगरानी में होगी। पैरोल की अवधि समाप्त होते ही उसे निर्धारित समय पर वापस जेल पहुंचाया जाएगा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती भी रहेगी।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर सिटी बस सेवा शुरू

मेट्रो स्टेशन तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की तैयारी, फिलहाल बजघेड़ा तक चल रही सिटी बस

भारतेन्दु संवाददाता, बादशाहपुर

द्वारका एक्सप्रेसवे क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए सार्वजनिक परिवहन की सुविधा में इजाफा हुआ है। आईएमटी मानेसर से द्वारका एक्सप्रेसवे होते हुए सेक्टर-113 बजघेड़ा तक सिटी बस सेवा शुरू कर दी गई है। इस सेवा के शुरू होने से मानेसर और द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी।

फिलहाल बस सेवा का रूट आईएमटी मानेसर से शुरू होकर द्वारका एक्सप्रेसवे के रास्ते सेक्टर-113 बजघेड़ा तक निर्धारित किया गया है। क्षेत्र के निवासियों को लंबे समय से सार्वजनिक परिवहन की बेहतर सुविधा का इंतजार था। अब बस सेवा शुरू होने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है। साथ ही, दैनिक कामकाज के लिए



मानेसर और आसपास के इलाकों में आने-जाने वाले यात्रियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

सिटी बस सेवा को जल्द ही द्वारका सेक्टर-21 मेट्रो स्टेशन तक बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए परमिट के लिए आवेदन किया जा चुका है। अनुमति मिलने के बाद बस का रूट आगे बढ़ाया जाएगा। इससे द्वारका एक्सप्रेसवे क्षेत्र के लोगों को मेट्रो नेटवर्क से सीधे जुड़ने की सुविधा मिल सकेगी। यात्रियों को मानेसर से दिल्ली की ओर आने-जाने में भी आसानी होगी। यूनाइटेड आरडब्ल्यूए फेडरेशन (यूआरएफ) के संस्थापक राकेश राणा बजघेड़ा ने बताया कि क्षेत्र में सिटी बस सेवा शुरू कराने के लिए फेडरेशन पिछले दो वर्षों से प्रयास कर रहा था। फेडरेशन की ओर से लगातार संबंधित अधिकारियों के सामने सार्वजनिक परिवहन की आवश्यकता उठाई जाती रही। द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास तेजी से विकसित हो रही आवासीय सोसायटियों और बढ़ती आबादी को देखते हुए बस सेवा की मांग लगातार बढ़ रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक्सप्रेसवे के आसपास आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ने के बावजूद सार्वजनिक परिवहन के विकल्प सीमित थे।

सार्वजनिक परिवहन का मिला विकल्प

बस सेवा शुरू होने से अब स्थानीय लोगों को निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का विकल्प मिलेगा। इससे रोजाना कार्यालय, बाजार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए आने-जाने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। स्थानीय निवासियों ने बस रूट शुरू होने का स्वागत किया है। उनका कहना है कि रूट को मेट्रो स्टेशन तक बढ़ाने से दिल्ली की ओर आवागमन और आसान होगा तथा क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था मजबूत होगी।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर एमएलएफएफ सिस्टम बिजवासन टोल पर बिना रुके गुजरेंगे वाहन

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



द्वारका एक्सप्रेसवे से दिल्ली आने-जाने वाले वाहन चालकों के लिए राहत की बड़ी पहल होने जा रही है। एक्सप्रेसवे के बिजवासन टोल प्लाजा पर अब वाहनों को टोल बैरियर पर रुकना नहीं पड़ेगा। दिल्ली नगर निगम यहां बहु-लेन मुक्त यातायात प्रणाली विकसित करेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इसके लिए दिल्ली नगर निगम को अनुमति दे दी है और अक्टूबर के अंत तक प्रणाली विकसित करने का लक्ष्य दिया है।

बिजवासन टोल प्लाजा पर वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण अक्सर टोल बूथ तक लंबी कतार लग जाती है। व्यस्त समय में स्थिति और खराब हो जाती है। टोल बैरियर पर वाहनों की रफ्तार कम होने के कारण पीछे तक वाहनों की कतार पहुंच जाती है। इससे द्वारका एक्सप्रेसवे के यातायात पर भी असर पड़ता है और वाहन चालकों को अतिरिक्त समय इंतजार में बिताना पड़ता है। बहु-लेन मुक्त यातायात प्रणाली लागू होने के बाद वाहन टोल बैरियर पर बिना रुके निर्धारित लेन से गुजर सकेंगे।

तकनीकी व्यवस्था के माध्यम से टोल वसूली की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इससे टोल प्लाजा पर वाहनों की आवाजाही तेज होने और कतार कम होने की उम्मीद है। इसका सीधा लाभ गुरुग्राम से दिल्ली तथा दिल्ली से गुरुग्राम आने-जाने वाले रोजाना यात्रियों को मिलेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण पहले भी दिल्ली में नगर निगम के कई टोल प्लाजा को तेज गति वाले राजमार्गों पर यातायात और सुरक्षा की दृष्टि से समस्या बता चुका है। प्राधिकरण की ओर से ऐसे टोल प्लाजा पर बैरियर मुक्त व्यवस्था विकसित करने की जरूरत जताई गई थी। बिजवासन टोल पर बहु-लेन मुक्त यातायात प्रणाली इसी दिशा में उठाया गया कदम है।

नई व्यवस्था से व्यस्त समय में टोल प्लाजा के आसपास वाहनों का दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। साथ ही द्वारका एक्सप्रेसवे पर यातायात का प्रवाह भी अधिक सुचारु रहने की उम्मीद है। अधिकारियों ने अक्टूबर के अंत तक प्रणाली विकसित करने का लक्ष्य रखा है। व्यवस्था शुरू होने के बाद वाहन चालकों को टोल पर रुकने और लंबी कतार में इंतजार करने से राहत मिलेगी। इससे यात्रियों के समय की बचत होने के साथ ईंधन की खपत भी कम हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार नई व्यवस्था से टोल संचालन अधिक व्यवस्थित होगा और एक्सप्रेसवे पर वाहनों की आवाजाही सुचारु बनाए रखने में मदद मिलेगी।

यमुनानगर में सांप के डसने से यूपी के युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर के चूहड़पुर में कमरे में सो रहे 26 वर्षीय युवक की सांप के डसने से मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी अनूप के रूप में हुई है। वह यहां अपने साथियों के साथ रहकर काम करता था। जानकारी के अनुसार, अनूप रात को खाना खाने के बाद कमरे में सोने चला गया था। सुबह उसके साथियों को काम पर जाना था। उन्होंने अनूप को उठाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद साथी कमरे के अंदर गए तो अनूप का शरीर नीला पड़ा हुआ था। साथियों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आशंका जताई जा रही है कि रात में सोते समय किसी जहरीले सांप ने उसे डस लिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के शव को फिलहाल यमुनानगर सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवक को किस सांप ने डसा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारण की स्थिति स्पष्ट होगी।

पुरानी स्लैब खत्म, कलेक्टर रेट से तय होगी संपत्ति कर की गणना

ज्यादा कलेक्टर रेट वाले क्षेत्रों में बढ़ सकती है संपत्ति कर की गणना कीमत

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर



यमुनानगर-जगाधरी नगर निगम क्षेत्र में संपत्ति कर की गणना का तरीका बदल गया है। अब वर्ष 2013 में लागू पुरानी स्लैब व्यवस्था के आधार पर हाउस टैक्स तय नहीं होगा। शहरी स्थानीय निकाय विभाग की नई व्यवस्था के तहत संपत्ति के आकार, उसके उपयोग और संबंधित क्षेत्र के कलेक्टर रेट को कर निर्धारण का आधार बनाया जाएगा। इससे अलग-अलग क्षेत्रों में संपत्ति कर की गणना कीमत में अंतर देखने को मिल सकता है।

नई व्यवस्था के तहत सबसे पहले संपत्ति की गणना कीमत निकाली जाएगी। इसके बाद इस कीमत पर निर्धारित दर के अनुसार संपत्ति कर लगाया जाएगा। ऐसे में जिन क्षेत्रों में कलेक्टर रेट अधिक है, वहां समान आकार और उपयोग वाली संपत्ति की गणना कीमत भी अधिक हो सकती है। भविष्य में कलेक्टर रेट में बदलाव होने पर संपत्ति कर की गणना पर भी उसका असर पड़ने की संभावना है। अब तक संपत्ति कर तय करने के लिए संपत्ति के आकार और उसकी श्रेणी को आधार बनाया जाता था।

पुरानी स्लैब व्यवस्था के तहत अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार टैक्स निर्धारित होता था। नई व्यवस्था में इस तरीके को समाप्त कर दिया गया है। इससे संपत्ति मालिकों पर कर का बोझ पहले की तुलना में बढ़ सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां कलेक्टर रेट ज्यादा है। नगर निगमों के स्तर पर संपत्ति कर की नई व्यवस्था का असर बड़े पैमाने पर देखने को मिलेगा। प्रदेश के सभी नगर निगमों में अलग-अलग श्रेणियों की 30 लाख से अधिक संपत्तियां हैं। वहीं, नगर निगम यमुनानगर के अंतर्गत दो लाख से ज्यादा संपत्तियां दर्ज हैं।

◆ यमुनानगर में दो लाख से ज्यादा संपत्तियों पर लागू होगी नई व्यवस्था

इन संपत्तियों की नई व्यवस्था के अनुसार गणना की जाएगी। नई व्यवस्था से नगर निगम की कर वसूली में भी बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार निगम की टैक्स रिकवरी चार गुना से अधिक बढ़ सकती है।

कस्सी और बीयर की बोतलों से हमला बॉक्सर दीपक हत्याकांड में चार गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी

- बहन को बुरा-भला कहने पर हुआ विवाद, हमले में दीपक की गई जान
- कस्सी और बीयर की बोतल से हमला, हांसी में बॉक्सर की हत्या

हांसी के गांव धर्मखेड़ी में बॉक्सर दीपक की हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में हत्या के पीछे आपसी विवाद की बात सामने आई है। मामले की जांच के दौरान गांव जैब भरान निवासी प्रिंस और राकेश, धर्मखेड़ी निवासी अजय तथा एक अन्य युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि प्रिंस अपनी बहन को बार-बार बुरा-भला कहे जाने से नाराज था। इसी बात को लेकर उसके मन में दीपक के प्रति गुस्सा था। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद प्रिंस ने दीपक पर हमला कर दिया। हमले में कस्सी और बीयर की बोतलों का इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है।

गंभीर चोट लगने के कारण दीपक की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपियों तक पहुंचने के लिए पूछताछ की। पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। अब जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि वारदात में गिरफ्तार किए गए अन्य तीन युवकों की क्या भूमिका रही। पुलिस उनसे पूछताछ कर घटना से जुड़े अन्य तथ्यों और परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हत्या में इस्तेमाल किए गए सामान और वारदात से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आई जानकारी के आधार पर पुलिस ने हत्या के कारण और घटनाक्रम को जोड़ने का प्रयास शुरू कर दिया है। धर्मखेड़ी में हुई इस वारदात के बाद पुलिस की कार्रवाई से मामले की जांच में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद घटना से जुड़े सभी तथ्यों को स्पष्ट किया जाएगा। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर हत्या में शामिल अन्य लोगों की भूमिका और वारदात के पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। जांच टीम घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और हत्या में इस्तेमाल सामान की भी जांच कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

317.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज, कमजोर मानसून से कृषि क्षेत्र पर असर की आशंका

मानसून की बेरुखी से बढ़ी चिंता, हरियाणा में 23% कम बारिश

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



हरियाणा में इस बार मानसून सामान्य से कम बारिश के साथ विदा हुआ है। बुधवार को मानसून की वापसी के बाद प्रदेश में इस सीजन में कुल 317.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि सामान्य वर्षा का आंकड़ा 413 मिलीमीटर है। इस तरह हरियाणा में सामान्य से करीब 23 प्रतिशत कम बारिश हुई। करीब एक दशक बाद प्रदेश में मानसून इतना कमजोर रहा है। कम बारिश का असर आने वाले समय में कृषि क्षेत्र पर भी देखने को मिल सकता है।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के नजदीक स्थित यमुनानगर जिले को छोड़कर लगभग पूरे हरियाणा से मानसून लौट चुका है। यमुनानगर में गुरुवार सुबह कोहरा भी देखने को मिला। बारिश की कमी का असर प्रदेश के अधिकांश जिलों में रहा। पलवल को छोड़कर लगभग सभी जिलों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई। मानसून के दौरान पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेतों में नमी की स्थिति प्रभावित हो सकती है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए अतिरिक्त संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। बारिश कम होने के साथ प्रदेश में तापमान में भी अपेक्षित गिरावट नहीं आई है।

इसके कारण बिजली की खपत लगातार बढ़ी हुई है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन के अनुसार राजस्थान में बने प्रति चक्रवातीय परिसंचरण के कारण हरियाणा और एनसीआर में पश्चिमी गर्म तथा शुष्क हवाएं चल रही हैं। इन हवाओं के प्रभाव से तापमान में बढ़ोतरी हो रही है और मौसम में गर्मी बनी हुई है। मानसून की विदाई के बाद अब प्रदेश में मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। बारिश की कमी के चलते कृषि क्षेत्र के साथ-साथ बिजली की मांग पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है।

◆ कम बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता, कृषि पर पड़ सकता है असर

न्यूज ब्रीफ

सिरसा में ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, तीन की मौत; 15 घायल

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। हरियाणा के सिरसा में मल्लेकां के पास ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों वाहन सड़क पर पलट गए। ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 20 से 25 महिलाएं और पुरुष सवार थे। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई महिलाओं समेत करीब 15 लोग घायल हुए हैं। घायलों को आसपास के लोगों और राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया पूरी कर परिजनों को सूचना दी गई है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन अनियंत्रित होकर पलट गए।

फरीदाबाद में वर्कशॉप पर लाठी-डंडों से हमला, बंद शटर तोड़ने का प्रयास

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के आदर्श नगर में मलेरना रोड की एक गली में कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया। बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे किराने की दुकान पर सामान लेने पहुंचे गजेंद्र की वहां पहले से मौजूद एक युवक से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि इसके बाद बड़ी संख्या में युवक एक वर्कशॉप के बाहर पहुंच गए और बंद शटर पर पत्थरों तथा लाठी-डंडों से हमला किया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें युवक शटर पर लाठी-डंडे बरसाते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि मौके पर पहुंची पुलिस की गाड़ी को भी निशाना बनाते हुए पथराव किया गया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

रोहतक में युवती की मौत पर परिजनों का आरोप, हादसा नहीं हत्या की आशंका

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। गांव चुलियाना मोड़ पर 16 सितंबर की रात हुए कार हादसे में 22 वर्षीय युवती रूबी की मौत के मामले में परिजन पुलिस से केस दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। परिवार का आरोप है कि यह सड़क हादसा नहीं, बल्कि हत्या का मामला है। उनका दावा है कि दो युवकों ने युवती की हत्या की और घटना को दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया। रूबी उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के तितरोड़ा गांव की रहने वाली थी और दिल्ली में रहकर दिल्ली विश्वविद्यालय से बीएससी की पढ़ाई कर रही थी। परिजनों के अनुसार, वह पिछले चार-पांच वर्षों से दिल्ली में किराये के मकान में रह रही थी। 16 सितंबर को वह मकान मालकिन, उसके बेटे अंकुश और उसके साथी गौरव के साथ कहीं गई थी। इसके बाद चुलियाना मोड़ पर कार दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। परिवार का कहना है कि कई बार थाने के चक्कर लगाने के बावजूद मामला दर्ज नहीं हुआ है।

यमुनानगर में ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, रेलवे ट्रैक पर मिला शव

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। मुस्तफाबाद रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार रात करीब तीन बजे रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा मिला। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक चलती ट्रेन से गिर गया, जिसके कारण उसकी मौत हुई। सूचना मिलने पर जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस को मृतक की जेब से राजपुरा-बरेली का रेलवे टिकट मिला है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक इस रूट पर सफर कर रहा था। मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। उसकी बाजू पर टैटू भी बना हुआ है, जिसके आधार पर पुलिस पहचान करने का प्रयास कर रही है। जीआरपी ने आसपास के क्षेत्रों में भी जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम के बाद शव की पहचान के प्रयास किए जाएंगे। पुलिस आसपास के रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों से भी जानकारी जुटा रही है। पहचान होने के बाद परिजनों से संपर्क किया जाएगा।

बहादुरगढ़ में डिवाइडर कूदकर अर्टिगा से टकराई कार, महिला की मौत; चार घायल

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर



बहादुरगढ़ के नया गांव बाइपास पर तेज रफ्तार गाड़ी डिवाइडर पार कर दूसरी तरफ पहुंच गई और सामने से आ रही अर्टिगा कार से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि अर्टिगा में सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों में पांच माह की गर्भवती महिला भी शामिल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार, परिवार अर्टिगा कार में सवार होकर हिसार की ओर जा रहा था। इसी दौरान नया गांव बाइपास पर सामने से आ रही तेज रफ्तार गाड़ी अचानक डिवाइडर से टकराने के बाद दूसरी सड़क पर जा पहुंची। इसके बाद वह सामने से आ रही अर्टिगा से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा। हादसे में अर्टिगा सवार फूलन देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में रामावतार, उनकी बेटी लक्ष्मी, दामाद वीरेंद्र और शिवम घायल हुए हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। लक्ष्मी पांच माह की गर्भवती बताई जा रही हैं। उनकी हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए हिसार रेफर कर दिया। अन्य घायलों का स्थानीय अस्पताल में उपचार चल रहा है।

हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है।

हाइड्रोजन पायलट परियोजना के तहत शुरू हुआ संयंत्र, विनिर्माण प्रक्रिया में ईंधन के रूप में होगा इस्तेमाल

मानेसर संयंत्र में मारुति सुजुकी ने शुरू किया हरित हाइड्रोजन प्लांट

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



देश की प्रमुख यात्री वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने विनिर्माण क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने हरियाणा के मानेसर स्थित अपने संयंत्र में 300 किलोवाट क्षमता का हरित हाइड्रोजन संयंत्र पायलट परियोजना के रूप में शुरू किया है। इस संयंत्र में तैयार होने वाली हरित हाइड्रोजन का इस्तेमाल प्राकृतिक गैस के साथ मिलाकर विनिर्माण प्रक्रियाओं में ईंधन के रूप में किया जाएगा।

कंपनी के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य विनिर्माण गतिविधियों में पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता को धीरे-धीरे कम करना और कम कार्बन उत्सर्जन वाली उत्पादन व्यवस्था को बढ़ावा देना है। हरित हाइड्रोजन को भविष्य के स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मानेसर संयंत्र में शुरू की गई यह परियोजना इसी दिशा में कंपनी के प्रयासों का हिस्सा है।

हरित हाइड्रोजन का उत्पादन ऐसे स्रोतों से प्राप्त बिजली के इस्तेमाल से किया जाता है, जिनसे कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम होता है। मानेसर संयंत्र में तैयार होने वाली हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस के साथ मिलाकर विभिन्न विनिर्माण प्रक्रियाओं में इस्तेमाल किया जाएगा। इससे ईंधन के उपयोग के दौरान होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मारुति सुजुकी ने अपने विनिर्माण संयंत्रों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए कई स्तरों पर प्रयास किए हैं। कंपनी की दीर्घकालिक योजना उत्पादन प्रक्रिया को अधिक टिकाऊ बनाने की है। मानेसर में शुरू किया गया 300 किलोवाट क्षमता का संयंत्र इस दिशा में एक पायलट परियोजना है। इसके संचालन से कंपनी को हरित हाइड्रोजन के औद्योगिक उपयोग, इसकी खपत और उत्पादन प्रक्रिया से जुड़े अनुभव हासिल करने में मदद मिलेगी।

कंपनी ने कार्बन उत्सर्जन में कमी के लिए 2030-31 तक महत्वपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत विनिर्माण गतिविधियों में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। हरित हाइड्रोजन का प्रयोग इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। आने वाले समय में परियोजना के परिणामों के आधार पर इसके उपयोग को आगे बढ़ाने की संभावनाओं का आकलन किया जा सकता है। मानेसर देश के प्रमुख वाहन विनिर्माण केंद्रों में शामिल है और यहां बड़ी संख्या में वाहनों का उत्पादन होता है।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर 1 करोड़ लोग गाएंगे संपूर्ण गीत, बनेगा रिकॉर्ड

आज देशभर के 25 हजार से अधिक स्थानों पर होगा सामूहिक गायन

एजेंसी, नई दिल्ली

वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के अवसर पर आज देशभर में विशेष राष्ट्रव्यापी आयोजन किया जाएगा। विद्या भारती के मार्गदर्शन में 'नमामि भारतम्' कार्यक्रम के तहत एक करोड़ से अधिक विद्यार्थी, आचार्य, अभिभावक और नागरिक एक साथ संपूर्ण वंदे मातरम् का सामूहिक गायन करेंगे। यह आयोजन देश के 25 हजार से अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम का सामूहिक गायन सुबह 11 बजे शुरू होगा। आयोजकों की ओर से इसे व्यापक स्तर पर आयोजित करने की तैयारी की गई है। इस दौरान अलग-अलग स्थानों पर मौजूद प्रतिभागी एक साथ संपूर्ण वंदे मातरम् का गायन करेंगे। आयोजन के माध्यम से देशभर में एक साथ राष्ट्रगीत की गूंज सुनाई देने का लक्ष्य रखा गया है। विद्या भारती के अनुसार, इस आयोजन का उद्देश्य केवल सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन करना नहीं है। इसके माध्यम से नई पीढ़ी को वंदे मातरम् की ऐतिहासिक यात्रा, स्वतंत्रता आंदोलन



में इसके योगदान और राष्ट्रीय महत्व से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा। संगठन का कहना है कि वंदे मातरम् भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों में राष्ट्रीय भावना और एकजुटता की भावना जगाने वाला महत्वपूर्ण गीत रहा है। कार्यक्रम की थीम 'एक स्वर-एक संकल्प-एक भारत' रखी गई है। इसके जरिए देशभर में एकता और सामूहिक सहभागिता का संदेश देने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन में विद्यार्थियों के साथ उनके आचार्य, अभिभावक और अन्य नागरिक भी भाग लेंगे। इस सामूहिक गायन को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने की तैयारी भी की गई है। आयोजकों का लक्ष्य एक करोड़ से अधिक लोगों की सहभागिता के साथ एक नया रिकॉर्ड स्थापित करना है।

नई पीढ़ी तक पहुंचेगा वंदे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व का संदेश

आयोजन को सफल बनाने के लिए देशभर के विभिन्न स्थानों पर प्रतिभागियों की भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारी की गई है। इसमें विद्यालयों और अन्य संस्थानों के विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक तथा स्थानीय नागरिक शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागी निर्धारित समय पर एक साथ संपूर्ण वंदे मातरम् का गायन करेंगे। इससे अलग-अलग स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम एक व्यापक राष्ट्रव्यापी आयोजन का रूप लेगा। विद्या भारती की ओर से कार्यक्रम को लेकर लोगों को इसकी जानकारी देने और अधिक से अधिक सहभागिता के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, वंदे मातरम् के 150वें वर्ष में होने वाला यह आयोजन इसके ऐतिहासिक महत्व को समझने और नई पीढ़ी तक इससे जुड़ी जानकारी पहुंचाने का अवसर भी प्रदान करेगा।

दिल्ली स्पेशल सेल ने दबोचे 10 साल से फरार तीन अपराधी

लूट, ड्रग्स तस्करी और कार चोरी के मामलों में वांछित थे तीनों अपराधी

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने फरार और भगोड़े अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तीन अंतरराज्यीय अपराधियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपित 10 साल से अधिक समय से कानून की नजरों से बचकर फरार चल रहे थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान साहून, आबिद खान और प्रभशरण सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपितों को अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया जा चुका था। इनके खिलाफ लूट, ड्रग्स तस्करी और कार चोरी से जुड़े मामले दर्ज हैं। लंबे समय से फरार होने के कारण पुलिस इनकी तलाश कर रही थी। स्पेशल सेल की टीम ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से आरोपितों के बारे में जानकारी जुटाई और उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के दौरान उनके आपराधिक नेटवर्क और फरारी के दौरान गतिविधियों से संबंधित जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। स्पेशल सेल का फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, लंबे समय से फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए तकनीकी निगरानी और अन्य माध्यमों से जानकारी जुटाई जा रही है।

तीनों आरोपितों की गिरफ्तारी को इसी अभियान के तहत हुई कार्रवाई बताया गया है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में उनके आपराधिक नेटवर्क, फरारी के दौरान ठिकानों और गतिविधियों से जुड़ी जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, पुलिस अन्य मामलों में उनकी संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

फरार आरोपितों के पुराने मामलों की पुलिस ने शुरू की समीक्षा

पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपितों से पूछताछ के आधार पर उनके पुराने मामलों और फरारी के दौरान संपर्क में रहे लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जांच टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि लंबे समय तक फरार रहने के दौरान आरोपित किन स्थानों पर रहे और क्या वे किसी अन्य आपराधिक गतिविधि में शामिल रहे। स्पेशल सेल की टीम आरोपितों से जुड़े दस्तावेजों और उपलब्ध रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है। इसके अलावा, उनके खिलाफ दर्ज पुराने मामलों की जानकारी संबंधित थानों और अन्य जांच एजेंसियों से जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए तकनीकी सर्विलांस का इस्तेमाल लगातार किया जा रहा है। लंबे समय से फरार आरोपितों की पहचान और उनके ठिकानों का पता लगाने के लिए उपलब्ध सूचनाओं का विश्लेषण किया जाता है। तीनों की गिरफ्तारी भी इसी अभियान के तहत हुई है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपितों के खिलाफ दर्ज मामलों में आगे की कानूनी प्रक्रिया क्या है। पूछताछ पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, पुराने मामलों की भी समीक्षा की जा रही है।

दिल्ली में 100 करोड़ की साइबर ठगी नेटवर्क का पर्दाफाश, दो युवतियों समेत 11 गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **दिल्ली में फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा, अमेरिकी नागरिकों से की गई थी ठगी**

साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आइएफएसओ) यूनिट ने पीतमपुरा में चल रहे एक अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में दो युवतियों समेत 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस गिरोह पर अमेरिकी नागरिकों से करीब 100 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है।



पुलिस के अनुसार, आरोपित पीतमपुरा में फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे। यहां से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों को निशाना बनाकर साइबर ठगी की जा रही थी। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान कॉल सेंटर से नकदी और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए हैं। इन उपकरणों की जांच के जरिए पुलिस ठगी के तरीके और नेटवर्क से जुड़ी अन्य जानकारियां जुटाने में लगी है। जांच में सामने आया है कि फर्जी कॉल सेंटर के जरिये अमेरिकी नागरिकों से ठगी की गई। आरोपितों पर बड़े स्तर पर रकम की धोखाधड़ी करने का आरोप है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस नेटवर्क में कितने लोग शामिल थे और ठगी से जुड़ी गतिविधियां किस तरह संचालित की जाती थीं। आइएफएसओ यूनिट ने कार्रवाई के दौरान कुल 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

इनमें दो युवतियां भी शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के माध्यम से कॉल सेंटर के संचालन, ठगी से जुड़े लोगों और पैसों के लेनदेन से संबंधित जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस द्वारा जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच भी की जा रही है। इनके माध्यम से कॉल सेंटर में इस्तेमाल होने वाले संसाधनों और संपर्कों से संबंधित जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

कृषि भवन की कदीमी मस्जिद पर दिल्ली हाई कोर्ट का केंद्र को नोटिस, मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली। सेंट्रल विस्टा रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत कृषि भवन परिसर में मौजूद कदीमी मस्जिद को बनाए रखने की मांग वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ ने मस्जिद की देखरेख करने वाली कमिटी की ओर से दायर याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में कदीमी मस्जिद को बनाए रखने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता पक्ष का कहना है कि यह स्थल लंबे समय से धार्मिक गतिविधियों और इबादत के लिए इस्तेमाल होता रहा है। कमिटी ने अदालत के समक्ष मस्जिद के संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं को रखा है।

◆ **कृषि भवन परिसर स्थित कदीमी मस्जिद को बनाए रखने की मांग अदालत पहुंची**

दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका पर केंद्र सरकार का पक्ष जानने के लिए नोटिस जारी किया है। अदालत के इस आदेश के बाद अब केंद्र सरकार को याचिका में उठाए गए मुद्दों पर अपना जवाब दाखिल करना होगा। इसके बाद मामले में आगे की सुनवाई होगी। कदीमी मस्जिद कृषि भवन परिसर में स्थित है और सेंट्रल विस्टा रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के दायरे में आती है। इसी परियोजना को लेकर मस्जिद के संरक्षण की मांग अदालत में पहुंची है। याचिका दायर करने वाली कमिटी की ओर से मस्जिद को बनाए रखने का अनुरोध किया गया है।

लेडी श्रीराम कॉलेज में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर नए कदम, पुलिस से होगी सीधी बात

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **वारदात के बाद एलएसआर कॉलेज में छात्राओं की सुरक्षा बढ़ाई गई**

◆ **छात्राओं की सुरक्षा के लिए कॉलेज प्रशासन ने बनाया वॉट्सऐप ग्रुप**

दिल्ली के कालकाजी स्थित आस्था कुंज पार्क में नाबालिग के साथ हुई वारदात और बुधवार को लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर) में हुए विरोध के बाद छात्राओं की सुरक्षा को लेकर कॉलेज प्रशासन और पुलिस ने कई कदम उठाए हैं। छात्राओं की शिकायतों और सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को लेकर कॉलेज परिसर के आसपास निगरानी बढ़ाई गई है।

कॉलेज प्रशासन की ओर से छात्राओं के लिए वॉट्सऐप ग्रुप बनाया गया है। इसके माध्यम से छात्राएं सुरक्षा से जुड़ी जानकारी साझा कर सकेंगी और जरूरत पड़ने पर अपनी शिकायत पुलिस और कॉलेज प्रशासन तक पहुंचा सकेंगी। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं और सुरक्षा एजेंसियों के बीच सीधे संवाद को बढ़ावा देना है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कॉलेज प्रशासन और पुलिस के बीच नियमित समन्वय



भी किया जाएगा। इसके लिए हर महीने बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में छात्राओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों, कॉलेज के आसपास की स्थिति और सामने आने वाली शिकायतों पर चर्चा की जाएगी। जरूरत के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव भी किया जा सकेगा।

घटना के बाद एलएसआर कॉलेज परिसर और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ाई गई है। कॉलेज प्रशासन की ओर से छात्राओं को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को देने के लिए कहा गया है। पुलिस की ओर से भी क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। कॉलेज में हुए विरोध के बाद छात्राओं की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया था। इसके बाद कॉलेज और पुलिस ने मिलकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए हैं। वॉट्सऐप ग्रुप और मासिक बैठकों के माध्यम से छात्राओं की समस्याओं को सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

आईआईटी दिल्ली ने बनाया स्वदेशी माइक्रो-जीपीयू

नई तकनीक से एआई और उन्नत कंप्यूटिंग के क्षेत्र में देश की क्षमता को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी, नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और उन्नत कंप्यूटिंग के क्षेत्र में भारत ने महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि हासिल की है। आईआईटी दिल्ली के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं ने देश का पहला काम करने वाला और परीक्षण किया गया स्वदेशी माइक्रो-जीपीयू विकसित किया है। इस तकनीक के विकसित होने से भविष्य में जीपीयू के लिए दूसरे देशों से होने वाले आयात पर भारत की निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।

आईआईटी दिल्ली के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने माइक्रो-जीपीयू को तैयार किया और उसका परीक्षण भी किया है। जीपीयू कंप्यूटर और अन्य डिजिटल प्रणालियों में ग्राफिक्स के साथ-साथ जटिल गणनाओं को तेजी से करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एआई जैसी आधुनिक तकनीकों में



स्वदेशी माइक्रो-जीपीयू से विदेशी तकनीक पर निर्भरता घटाने की उम्मीद।

भी उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग की जरूरत होती है।

भारत में वर्तमान में इस्तेमाल किए जा रहे जीपीयू बाहर से आयात किए जाते हैं। ऐसे में स्वदेशी माइक्रो-जीपीयू का विकास देश में इस तकनीक के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे भविष्य में घरेलू स्तर पर जीपीयू तकनीक विकसित करने और उसकी क्षमता बढ़ाने के रास्ते खुल सकते हैं।

एआई के बढ़ते इस्तेमाल के साथ कंप्यूटिंग क्षमता की मांग भी लगातार बढ़ रही है। एआई मॉडल, डेटा प्रोसेसिंग और अन्य उन्नत तकनीकों के लिए जीपीयू की अहम भूमिका होती है। ऐसे समय में स्वदेशी माइक्रो-जीपीयू का विकास भारत की तकनीकी क्षमता को मजबूत करने में उपयोगी हो सकता है।

जीपीयू निर्माण में बढ़ेगी घरेलू क्षमता

इस तकनीक के आगे विकास से भारत में जीपीयू निर्माण की घरेलू क्षमता बढ़ाने की संभावनाएं बन सकती हैं। शोधकर्ताओं की यह पहल एआई, डेटा प्रोसेसिंग और उन्नत कंप्यूटिंग से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में उपयोगी हो सकती है। स्वदेशी माइक्रो-जीपीयू के विकास से देश में इस क्षेत्र में अनुसंधान और तकनीकी नवाचार को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही, भविष्य में इसकी क्षमता और उपयोग को विस्तार देने पर काम किया जा सकता है। इससे भारत को कंप्यूटिंग तकनीक के क्षेत्र में अपनी घरेलू क्षमताओं को मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

दिल्ली में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, रिश्वत लेते पकड़े गए कई अधिकारी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में सरकारी विभागों और निगमों में भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए हैं। इन मामलों में अधिकारियों और कर्मचारियों पर रिश्वत लेने तथा सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर संपत्ति जुटाने के आरोप लगे हैं। कार्रवाई के दौरान कुछ अधिकारियों के पास से लाखों और करोड़ों रुपये की नकदी बरामद होने की जानकारी सामने आई है। सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने और अवैध तरीके से संपत्ति जुटाने के मामलों ने विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। डूसिब, एमसीडी और आबकारी विभाग से जुड़े अधिकारी भी रिश्वत लेते पकड़े गए हैं। जांच एजेंसियों की कार्रवाई में आरोपित अधिकारियों के पास से नकदी और अन्य संपत्तियों से संबंधित जानकारी जुटाई गई।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महुआ मोइत्रा ने थाने में दी शिकायत

एजेंसी, नई दिल्ली



मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महुआ मोइत्रा गुरुवार को शिकायत लेकर थाने पहुंचीं और सीईसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह घटनाक्रम चुनाव आयोग को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच सामने आया है। महुआ मोइत्रा ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर भी इस मामले को लेकर पोस्ट किया।

उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वास्तविक मतदाताओं को मतदान करने से रोकना आधिकारिक कर्तव्य का हिस्सा नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मामले में कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। महुआ मोइत्रा ने अपनी शिकायत में मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना फैसले ले रहे हैं। हालांकि, चुनाव आयोग ने हाल में अपने फैसलों को लेकर उठ रहे सवालों पर कहा है कि अलग-अलग राय होना संस्थागत निर्णय प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा है और आयोग के फैसले कानून के अनुरूप हैं। महुआ मोइत्रा का आरोप है कि मतदाताओं के अधिकार प्रभावित नहीं होने चाहिए और वास्तविक मतदाताओं को मतदान से रोकने की स्थिति में जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। उन्होंने इसी आधार पर पुलिस से शिकायत दर्ज कराई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर पिछले कुछ दिनों से राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी तेज है। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची से जुड़े मामलों पर सवाल उठाए हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने अपने फैसलों और प्रक्रियाओं का बचाव करते हुए कहा है कि उसके कामकाज में निर्धारित नियमों का पालन किया जाता है। फिलहाल महुआ मोइत्रा की शिकायत पर पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई का इंतजार है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच और उस पर पुलिस की कार्रवाई आगे की प्रक्रिया तय करेगी।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर बनेंगे 3 फुटओवर ब्रिज, 12 .8 करोड़ रुपए होंगे खर्च

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर पैदल यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तीन फुटओवर ब्रिज बनाए जाएंगे। इन तीनों के निर्माण पर करीब 12.8 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें से दो फुटओवर ब्रिज गीता कॉलोनी और रमेश पार्क में बनाए जा रहे हैं। बुधवार को दोनों परियोजनाओं के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने यमुनापार विकास बोर्ड के चेयरमैन अरविंदर सिंह लवली, जिला विकास समिति के चेयरमैन डॉ. अनिल गोयल और विधायक अभय वर्मा के साथ मिलकर फुटओवर ब्रिज के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से उम्मीद जताई गई है कि दोनों फुटओवर ब्रिज करीब एक वर्ष में बनकर तैयार हो जाएंगे। फुटओवर ब्रिज पर पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा पर्याप्त रोशनी और सुरक्षागार्ड की तैनाती भी होगी। इससे एक्सप्रेसवे को पैदल पार करने



वाले लोगों को सुविधा मिलने की उम्मीद है और सड़क पार करते समय वाहनों के बीच जाने की जरूरत कम होगी। दिल्ली में एक्सप्रेसवे के विभिन्न हिस्सों में पैदल यात्रियों की आवाजाही को सुरक्षित बनाने के लिए कुल तीन फुटओवर ब्रिज प्रस्तावित हैं।

एक्सप्रेसवे पर सुरक्षित होगा पैदल आवागमन

इन फुटओवर ब्रिज के बनने से दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर पैदल यात्रियों को सड़क पार करने के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध होगा। एक्सप्रेसवे पर वाहनों की आवाजाही अधिक होने के कारण पैदल लोगों को सड़क पार करते समय परेशानी का सामना करना पड़ता है। नए फुटओवर ब्रिज इस समस्या को दूर करने में मदद करेंगे। निर्माण पूरा होने के बाद गीता कॉलोनी और रमेश पार्क के आसपास रहने वाले लोगों को विशेष सुविधा मिलने की उम्मीद है। लिफ्ट की व्यवस्था होने से बुजुर्गों और अन्य जरूरतमंद यात्रियों को भी फुटओवर ब्रिज का इस्तेमाल करने में आसानी होगी।

जमानत पटियाला हाउस कोर्ट ने सभी आरोपितों को एक-एक लाख रुपए के नकद बांड पर दी जमानत

म्यांमार ड्रोन ट्रेनिंग केस में छह यूक्रेनी नागरिकों को डिफॉल्ट जमानत

एजेंसी, नई दिल्ली

म्यांमार में जातीय सशस्त्र समूहों से जुड़े ड्रोन युद्ध प्रशिक्षण शिविर के मामले में पटियाला हाउस स्थित विशेष एनआइए अदालत ने छह यूक्रेनी नागरिकों को डिफॉल्ट जमानत दे दी। विशेष एनआइए न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने बुधवार को सभी आरोपितों को एक-एक लाख रुपये के नकद बांड पर जमानत देने का आदेश दिया।



अदालत ने आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 की धारा 21 और 23 के तहत लगाए गए आरोपों से भी छहों आरोपितों को मुक्त कर दिया। यह आदेश विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) द्वारा संबंधित उल्लंघनों को कंपाउंड किए जाने के बाद दिया गया। एफआरआरओ ने छहों आरोपितों पर पांच-पांच लाख रुपये के बजाय 5.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर संबंधित उल्लंघनों को कंपाउंड किया था। इसके बाद अदालत ने इन प्रावधानों के तहत लगे आरोपों पर आदेश पारित किया। हालांकि, मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से यूएपीए के तहत जांच जारी है।

मामले में गिरफ्तार किए गए यूक्रेनी नागरिकों में पेट्रो हुरबा, तारास स्लिविएक और इवान सुकमानोव्स्की के नाम शामिल हैं। इन्हें 13 मार्च को लखनऊ एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। मामले में कुल छह यूक्रेनी नागरिकों को आरोपित बनाया गया है। म्यांमार में जातीय सशस्त्र समूहों से जुड़े ड्रोन युद्ध प्रशिक्षण शिविर से संबंधित मामले की जांच एनआइए कर रही है। एजेंसी की जांच यूएपीए के तहत जारी है। अदालत की ओर से डिफॉल्ट जमानत दिए जाने के बावजूद जांच प्रक्रिया प्रभावित नहीं हुई है।

डिफॉल्ट जमानत के बाद भी एनआईए की जांच जारी

एनआईए की जांच के दौरान म्यांमार में ड्रोन युद्ध प्रशिक्षण शिविर से जुड़े मामले में आरोपितों की भूमिका और गतिविधियों से संबंधित तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि प्रशिक्षण शिविर से जुड़े लोगों और भारत में गिरफ्तार किए गए आरोपितों के बीच किस तरह का संपर्क था। अदालत के आदेश के बाद छहों यूक्रेनी नागरिकों को आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत लगाए गए आरोपों से राहत मिली है। हालांकि, यूएपीए के तहत चल रही जांच के कारण मामले की जांच जारी रहेगी। डिफॉल्ट जमानत मिलने से एनआईए की जांच पर कोई रोक नहीं लगी है। मामले में एफआरआरओ की ओर से उल्लंघनों को कंपाउंड किए जाने और जुर्माना लगाए जाने के बाद अदालत ने संबंधित आरोपों पर आदेश दिया। अब एनआईए यूएपीए के तहत जांच में जुटे तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया तय करेगी।

न्यूज ब्रीफ

नगरोटा ने राजपुर को 53 रन से हराया



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता के ग्रुप-सी का पहला मुकाबला डीएवी कॉलेज कांगड़ा के खेल मैदान में खेला गया। इसमें राजकीय महाविद्यालय नगरोटा ने राजकीय महाविद्यालय राजपुर को 53 रन से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। उद्घाटन अवसर पर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव विशाल शर्मा मुख्यातिथि रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने दोनों टीमों का स्वागत किया। नगरोटा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 13.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 101 रन बनाए। आयुष ने 20 गेंदों में 38 और तानिष ने 16 गेंदों में 20 रन बनाए। राजपुर की ओर से मोहित राणा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3.3 ओवर में नौ रन देकर छह विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजपुर की टीम 10.5 ओवर में 48 रन पर सिमट गई। अमित ने छह और मोहित राणा ने पांच रन बनाए। नगरोटा की ओर से रोहित और सोनू ने तीन-तीन, आयुष ने दो तथा तानिष और शिवम ने एक-एक विकेट लिया। प्रतियोगिता का अगला मुकाबला पालमपुर और ढलियारा के बीच खेला जाएगा।

धर्माणी 27 सितंबर तक बिलासपुर के प्रवास पर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी 27 सितंबर तक बिलासपुर जिला प्रवास पर रहेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि धर्माणी 25 सितंबर को दोपहर दो बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला औहर में जिला स्तरीय छात्राओं की खेलकूद प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 26 सितंबर को वह सुबह नौ बजे लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह घुमारवीं में जनसमस्याएं सुनेंगे। इसके बाद सुबह 10 बजे से घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का दौरा करेंगे। दोपहर एक बजे राजकीय बहुतकनीकी संस्थान कलोल में 10 किलोवाट सौर ऊर्जा ग्रिड प्रणाली का उद्घाटन करेंगे और विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। 27 सितंबर को सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत लहा में आयोजित 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

एम्स बिलासपुर के आसपास ढाबों पर मनमाने दाम वसूलने पर कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। एम्स बिलासपुर के आसपास होटल और ढाबों में खाने के मनमाने दाम वसूलने की शिकायतों पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। जिला नियंत्रक शीतल शर्मा ने बताया कि उपभोक्ताओं और अन्य माध्यमों से लगातार शिकायतें मिलने के बाद विभाग की ओर से औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 22 अगस्त और 23 सितंबर को विभागीय टीम ने एम्स के आसपास होटल और ढाबों का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ दुकानदारों के परिसरों में खाने की मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं पाई गई। विभागीय निरीक्षक विनोद कुमार ने करीब 163 फुल प्लेट खाने की मात्रा जब्त की। मामले में आगामी विभागीय कार्रवाई की जा रही है। जिला नियंत्रक ने होटल और ढाबा संचालकों को जिला दंडाधिकारी द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार मूल्य सूची प्रमुखता से प्रदर्शित करने और उसी के अनुरूप राशि वसूलने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित दर से अधिक वसूली, मूल्य सूची प्रदर्शित न करने या नियमों की अवहेलना पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विद्यार्थियों को दिया नशामुक्ति का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय महाविद्यालय अर्की में शिव शक्ति कला मंच, कुनिहार की ओर से नशा उन्मूलन एवं एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों तथा एचआईवी/एड्स से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना था। आयोजन महाविद्यालय की एनएसएस इकाई, रेड रिबन क्लब और एंटी-ड्रग क्लब के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम में लोकगीत, देशभक्ति एवं भक्ति गीतों के साथ लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के व्यक्ति, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को उजागर किया। साथ ही एचआईवी/एड्स से बचाव और जिम्मेदार व्यवहार का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रो. सुनीता शर्मा ने की। उन्होंने जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन की सराहना करते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मस्त राम ने भी विद्यार्थियों से जिम्मेदार निर्णय लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. हेम राज सूर्या, प्रो. पूजा कश्यप, प्रो. योगेश कुमार और खेम राज मौजूद रहे।

रेड रन मैराथन में बिलासपुर के धावकों का दबदबा



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के रेड रिबन क्लब के विद्यार्थियों ने राज्य एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 'युवा उत्सव-2026' के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय 'रेड रन मैराथन' में शानदार प्रदर्शन किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में जिले के 10 महाविद्यालयों के धावकों ने भाग लिया। बिलासपुर कॉलेज के विद्यार्थियों ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किए। पुरुष वर्ग में मनीष ने प्रथम, मनोज ने द्वितीय, अभिषेक ने तृतीय, अमित ने चतुर्थ और आयुष ठाकुर ने पंचम स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में अंशुल प्रथम, वंशिका द्वितीय, तनिष्का तृतीय और मानशी चतुर्थ स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को 2500 रुपए, द्वितीय को 2000 रुपए, तृतीय को 1500 रुपए तथा चतुर्थ और पंचम स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को 700-700 रुपए का सांत्वना पुरस्कार दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बथालंग स्कूल के आठ खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुए चयनित

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बथालंग के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय अंडर-19 खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। छात्रों की प्रतियोगिता कुनिहार व छात्राओं की प्रतियोगिता बरोटीवाला में आयोजित हुई। इसमें बथालंग स्कूल के खिलाड़ियों ने बॉक्सिंग, फुटबॉल और जूडो सहित विभिन्न खेलों में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने कुल 12 पदक हासिल किए, जबकि आठ खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। बॉक्सिंग में विद्यालय की टीम ने जिला स्तर पर उपविजेता का स्थान हासिल किया। इसी स्पर्धा में गिरीश ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सर्वश्रेष्ठ बॉक्सर का खिताब जीता। खिलाड़ियों ने डीपीई अमित शर्मा और पीईटी कामेश्वर ठाकुर के मार्गदर्शन में अभ्यास किया। प्रतियोगिता के बाद विद्यालय पहुंचने पर खिलाड़ियों का अभिभावकों और विद्यालय परिवार ने स्वागत किया। प्रधानाचार्य और शिक्षक वर्ग ने खिलाड़ियों, अभिभावकों तथा खेल प्रशिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने राज्य स्तर के लिए चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

साइकोलॉजी शिक्षक भर्ती का फाइनल परिणाम घोषित, 68 उम्मीदवारों का चयन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने स्कूल शिक्षा विभाग में साइकोलॉजी शिक्षकों के 114 पदों को फिक्स मानदेय के आधार पर भरने के लिए पोस्ट कोड-26031 के तहत आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि इन पदों के लिए कुल 91 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 77 उम्मीदवारों ने कंप्यूटर आधारित परीक्षा दी थी और इस परीक्षा में 74 उम्मीदवारों का चयन दस्तावेजों की जांच के लिए किया गया था। 11 सितंबर को दस्तावेजों की जांच के बाद 68 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। पात्र उम्मीदवार न मिलने के कारण 46 पद खाली रह गए हैं। इनमें सामान्य ईडब्ल्यूएस वर्ग के 9, सामान्य (स्वतंत्रता सेनानी परिजन) का एक, ओबीसी 10, ओबीसी बीपीएल 4, एससी 14, एससी बीपीएल 4, एससी (स्वतंत्रता सेनानी परिजन) वर्ग और एसटी का एक-एक तथा एसटी बीपीएल के 2 पद शामिल हैं।

मेले और मंदिर हमारी संस्कृति और धरोहर इन्हें राजनीति से दूर रखना जरूरी : अग्निहोत्री

गोहर में बस अड्डे का निर्माण निश्चित, एम्स बिलासपुर व पीजीआई चंडीगढ़ के लिए शुरू होगी बस सेवा

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, गोहर। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने नाचन विधानसभा क्षेत्र के गोहर में आयोजित सात दिवसीय जिला स्तरीय नलवाड़ मेला ख्योड़ के समापन समारोह की अध्यक्षता की।



उन्होंने मेले के समापन अवसर पर आयोजित शोभा यात्रा में भी भाग लिया। गोहर पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने पारंपरिक ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले और मंदिर हमारी संस्कृति, सभ्यता और धरोहर का हिस्सा हैं। इसका संबंध किसी एक राजनीतिक दल से नहीं है और न ही इन पर किसी पार्टी विशेष का प्रभुत्व हो सकता है। मेलों और मंदिरों से जुड़े आयोजनों को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए। उन्होंने समापन समारोह में आमंत्रित करने के लिए ग्राम पंचायत, मेला कमेटी तथा स्थानीय कांग्रेस नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें भी यहां आने से रोकने के प्रयास किए गए, लेकिन उनका स्पष्ट मत है कि मंदिरों और मेलों में राजनीति नहीं होनी चाहिए। यहां की पावन धरा पर देवी-देवताओं का वास है और निमंत्रण मिलने के बाद यहां न आना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा कि हम मंदिरों में आस्था रखने वाले लोग हैं और जहां भी अवसर मिलता है, वहां जाकर देवी-देवताओं का आशीर्वाद अवश्य लेते हैं। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस तरह के आयोजनों में शामिल होना चाहिए। कभी मेले का संचालन एक दल के पास रहेगा तो कभी दूसरे दलों के पास जा सकता है, लेकिन समाज और संस्कृति से जुड़े इन आयोजनों की गरिमा और महत्व का सभी को ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि गोहर में जिस आत्मीयता के साथ उनका स्वागत किया गया, उसके लिए वह क्षेत्र की जनता और ग्राम पंचायत के आभारी हैं। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि गोहर में बस अड्डे की आवश्यकता है। यदि बस अड्डे के लिए भूमि अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुई है, तो उन्होंने अधिकारियों को भूमि का चयन शीघ्र अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोहर में बस अड्डे का निर्माण निश्चित तौर पर किया जाएगा। स्थानीय लोगों की मांग पर गोहर क्षेत्र से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर और पीजीआई चंडीगढ़ के लिए बस सेवा भी शुरू की जाएगी। उन्होंने नाचन विधानसभा क्षेत्र में पानी के क्नेक्शन, टैंकों तथा अन्य कार्यों से संबंधित बड़ी संख्या में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निपटारे के लिए जल शक्ति विभाग को एक करोड़ रुपये उपलब्ध करवाने की घोषणा की। उन्होंने ग्राम पंचायत को विभिन्न विकास कार्यों के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। इसके अलावा बासा कॉलेज में रिक्त पदों को भरने के लिए भी आवश्यक प्रयास करने की बात कही।

रजत ठाकुर ने धर्मपुर के विधायक पर पद के दुरुपयोग का लगाया आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व धर्मपुर से पूर्व भाजपा प्रत्याशी रजत ठाकुर ने धर्मपुर के कांग्रेस विधायक चंद्रशेखर पर पद के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं और चुनावी हलफनामे में जानकारी छिपाने के आरोप लगाए हैं। वीरवार को मंडी में पत्रकार वार्ता के दौरान ठाकुर ने सवकार कॉलेज ऑफ मल्टी-पर्पज हेल्थ वर्कर/स्वकार कॉलेज ऑफ नर्सिंग से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की।



◆ नर्सिंग संस्थान की मान्यता और वित्तीय लेनदेन की जांच की उठी मांग

रजत ठाकुर ने आरोप लगाया कि विधायक चंद्रशेखर से जुड़े संस्थान और पहाड़ी राज्य लोक सेवा समिति का संचालन वर्ष 2013 से हो रहा है तथा उपलब्ध दस्तावेजों में उनकी भूमिका का उल्लेख है। उन्होंने सवाल उठाया कि संवैधानिक पद पर रहते हुए किसी संस्थान की समिति के चेयरमैन के रूप में भूमिका कैसे निभाई जा सकती है। उन्होंने संस्थान की मान्यता, भूमि, आवश्यक अनुमतियों और नियमों के अनुपालन की जांच की मांग की। भाजपा नेता ने 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान दाखिल चुनावी हलफनामे को लेकर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि हलफनामे में संस्थान और उससे जुड़े वित्तीय हितों का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया। ठाकुर के अनुसार संस्थान की ओर से प्रस्तुत वित्तीय आंकड़ों में वर्ष 2020-21 में करीब 54.84 लाख, 2021-22 में 64.74 लाख और 2022-23 में 73.77 लाख रुपए का कारोबार दर्शाया गया है। ठाकुर ने कहा कि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर कानूनी राय भी ली जा रही है। विधायक पक्ष की प्रतिक्रिया इस प्रेस वार्ता में उपलब्ध नहीं हो सकी।

झंडूता में भाजपा ने सरकार के खिलाफ निकाली रोष रैली, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता में प्रदेश कांग्रेस सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों, विकास कार्यों में देरी और चुनावी गारंटियों को लेकर भाजपा ने वीरवार को रोष प्रदर्शन किया। भाजपा के जिला स्तरीय संयुक्त मोर्चा के बैनर तले सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने झंडूता बाजार से एसडीएम कार्यालय तक रैली निकाली और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया।



रैली को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक जीतराम कटवाल ने कांग्रेस सरकार पर चुनावी वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने युवाओं को रोजगार, महिलाओं को 1500 रुपये मासिक सम्मान राशि, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, गोबर और दूध खरीद तथा स्टार्टअप फंड सहित कई गारंटियां दी थीं। कटवाल ने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने को हैं, लेकिन इनमें से कई वादे धरातल पर नहीं उतर पाए हैं। विधायक ने आरोप लगाया कि प्रदेश में विकास कार्य ठप हैं और सरकार कोई नई विकास योजना शुरू नहीं कर पाई। उन्होंने केंद्र से मिलने वाले धन के कथित दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। कटवाल ने अधिकारियों को जनता के प्रति संवेदनशील रहने की नसीहत देते हुए कहा कि अधिकारी जनता के सेवक हैं, मालिक नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि रवैया नहीं सुधरा तो भाजपा कार्यालयों के बाहर भी धरना-प्रदर्शन करेगी।

वल्लभ कॉलेज में मनाया एनएसएस स्थापना दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ गवर्नमेंट कॉलेज मंडी में एनएसएस इकाइयों की ओर से स्थापना दिवस उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार ने किया। प्रसिद्ध गायक एवं स्टार परफॉर्मर रमेश आरजे ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपाली अशोक ने एनएसएस के उद्देश्यों और मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल समाज सेवा का मंच नहीं, बल्कि युवाओं में नेतृत्व, अनुशासन, संवेदनशीलता, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का माध्यम है। प्राचार्य ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए समाज और समुदाय के निर्माण में उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ स्वयंसेवकों ने पारंपरिक वेशभूषा में विशेष मॉडलिंग प्रस्तुत की। हिमाचली और भारतीय परिधानों के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं विविधता को प्रदर्शित किया गया।

मुख्यमंत्री पर बयानबाजी को लेकर विधायक आशीष शर्मा पर मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और प्रदेश सरकार के खिलाफ भाजपा की रोष रैली में दिए गए बयानों को लेकर हमीरपुर विधायक आशीष शर्मा के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है।



एपीएमसी हमीरपुर के चेयरमैन अजय शर्मा की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बुधवार को गांधी चौक हमीरपुर में भाजपा ने प्रदेश सरकार के खिलाफ रोष रैली और धरना-प्रदर्शन किया था। इस दौरान विधायक आशीष शर्मा ने मुख्यमंत्री और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कई आरोप लगाए। उन्होंने मुख्यमंत्री के परिवार से जुड़ी भूमि के सरकारी विभाग को कथित तौर पर किए गए हस्तांतरण और बस अड्डे के निर्माण में अनियमितताओं का मुद्दा उठाया था। विधायक ने आरोप लगाया कि हमीरपुर बस अड्डे के 37 करोड़ रुपए के टेंडर के बावजूद 100 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया गया। उन्होंने बस अड्डे के निर्माण और रोबोटिक मशीनरी की खरीद में भी अनियमितताओं के आरोप लगाए। इसके अलावा मुख्यमंत्री के परिवार से जुड़ी भूमि की खरीद और बाद में सरकारी विभाग को भूमि बेचे जाने को लेकर भी सवाल उठाए। एपीएमसी चेयरमैन अजय शर्मा ने विधायक के इन बयानों को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस अधीक्षक बलवीर सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई होगी। प्रदर्शन में पूर्व विधायक कमलेश कुमारी समेत भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तलाई थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग मामलों में प्राथमिकी दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अमर सिंह ठाकुर। तलाई थाना क्षेत्र में पुलिस ने दो अलग-अलग शिकायतों के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले मामले में खैरियां भराड़ी निवासी सतीश कुमार ने आरोप लगाया कि दीपक और उसके साथ आए कुछ लोगों ने घर के आंगन में घुसकर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने धारा 332, 352, 351(2) और 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। दूसरे मामले में भगेहड़ निवासी राम दास ने आरोप लगाया कि तिलक राज और अन्य लोगों ने मिलीभगत कर जमीन हड़पने की नीयत से उसके जाली हस्ताक्षर किए और खांगी तकसीम का मामला दायर किया। पुलिस ने धारा 318(4) और 3(5) बीएनएस के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय बिलासपुर के अनुसार दोनों मामलों में आगामी कानूनी कार्रवाई जारी है।

अर्की के कई गांवों में आज बिजली रहेगी बंद

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। बिजली उपमंडल अर्की के अंतर्गत शालाघाट, घुमारी, कड़्याह, क्यारटु और आसपास के क्षेत्रों में 25 सितंबर को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग के अनुसार 25 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक बिजली लाइनों के आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते इन क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी। बिजली उपमंडल अर्की के सहायक अभियंता ई. नीरज कटना ने बताया कि लाइनों के मरम्मत कार्य के कारण निर्धारित अवधि में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों और उपभोक्ताओं से विभाग के साथ सहयोग बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य आवश्यक होने के कारण उपभोक्ताओं को अस्थायी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। विभाग ने लोगों से निर्धारित समय के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से करने का आग्रह किया है।

लोग जमीन दे रहे दान, मुख्यमंत्री परिवार की जमीन सरकार को सोने के भाव बेच रहे : राणा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। विधायक आशीष शर्मा पर एक और एफआईआर दर्ज होने पर प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है।



जारी प्रेस बयान में राजेंद्र राणा ने कहा कि एक तरफ सरकार मंचों से जनता से अपील करती है कि विकास के लिए जमीन दान करो, और दूसरी तरफ खुद मुख्यमंत्री ही अपने परिवार की जमीन सरकार को सोने के भाव बेच रहे हैं। सवाल जमीन किसकी है ये नहीं है। सवाल ये है कि जब जनसेवक ही मोलभाव करेगा, तो आम गरीब दान क्यों करेगा? क्या सत्ता में आते ही मुख्यमंत्री जनसेवक से व्यापारी बन गए, जिनके मुख्यमंत्री पद संभालने के महज 20 दिन में जमीन की रजिस्ट्री हुई। मुख्यमंत्री और उनके मित्र बताएं कि क्या हिमाचल में लूट मचाने और मित्रों को लग्जरी सुविधाएं देने को मुख्यमंत्री बने हैं? राजेंद्र राणा ने तथ्यों के साथ वार करते हुए आरोप लगाया कि नादौन में ट्रांसपोर्ट नगर के लिए जो जमीन सिर्फ 1.62 लाख में खरीदी गई थी, उसी को सरकार को 6.72 करोड़ में बेच दिया गया। साढ़े 3 लाख की चीज का साढ़े 6 करोड़ में सौदा हुआ, यह कैसी जनसेवा है। 769 कनाल का 73 करोड़ वाला मॉडल भी सुर्खियों में है, जहां करीब 70 हजार में खरीदी गई जमीन का सरकारी कागजों में मूल्य 73 करोड़ आंका गया और जल शक्ति विभाग ने जमीन का अधिग्रहण किया। गरीब अपनी एक मरला दान दे दे तो उसे महान बताया जाता है और यहां कनालों का हिसाब करोड़ों में किया गया। परागपुर में 2 छोटे कुओं के लिए अधिग्रहित जमीन का 18 लाख मुआवजा बंटा तथा उसमें भी आरोप है कि मुख्यमंत्री के परिवार के खातों में सीधे लाखों रुपए गए।

हिमाचल में 26-27 सितंबर को आंधी-बिजली के साथ भारी बारिश का येलो-ओरेंज अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की विदाई के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 26 और 27 सितंबर को राज्य में गरज-चमक, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। 26 सितंबर को कुछ स्थानों पर गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ बारिश का येलो अलर्ट है, जबकि 27 सितंबर को भारी से बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में 28 सितंबर को भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। मौसम विभाग ने 26 और 27 सितंबर को राज्य भर में मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान जारी किया है। 26 सितंबर को गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी है। 27 सितंबर को अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।

हिंदी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह, विजेता सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, प्रेम और सम्मान बढ़ाने के उद्देश्य से तीन दिवसीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन के दौरान बाल वाटिका से कक्षा नौवीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न हिंदी गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। दोहा प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, सुलेख प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में अपनी अभिव्यक्ति और लेखन कौशल को निखारने का अवसर मिला। सम्मेलन के समापन अवसर पर विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय के प्रबंध निदेशक कुलदीप ठाकुर, प्रबंधक पी.एस. राणा और प्रधानाचार्या पूजा महाजन ने प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें हिंदी भाषा के प्रति निरंतर रुचि बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

नादौन में बदले बीडीसी के सियासी समीकरण, कांग्रेस का दावा मजबूत

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र नादौन में बीडीसी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव से पहले राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। पंचायती राज चुनाव में 27 बीडीसी में से कांग्रेस के नौ सदस्य ही जीत पाए थे, लेकिन अब चार भाजपा समर्थित सदस्यों के कांग्रेस में शामिल होने से कांग्रेस की संख्या 13 हो गई है। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि करीब आधा दर्जन अन्य सदस्य भी उसे समर्थन दे सकते हैं।

नादौन बीडीसी में बहुमत के लिए 14 सदस्यों का समर्थन जरूरी है। भाजपा चुनाव के बाद 18 सदस्यों के समर्थन का दावा कर रही थी, जबकि अब उसका आंकड़ा 14 से 15 के बीच बताया जा रहा है। हाल ही में कशमीरा वार्ड, मालग वार्ड के जग राज ठाकुर, भूंपल वार्ड की पूजा कुमारी तथा बसारल, कमलाह और करौर वार्ड के सदस्य कर्ण बेदी के कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा हुई है। कांग्रेस का दावा है कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की नीतियों और सरकार के विकास कार्यों से प्रभावित होकर अन्य सदस्य भी उसका समर्थन कर सकते हैं। वहीं भाजपा की ओर से सदस्यों को प्रभावित करने के लिए सत्ता और सरकारी तंत्र के कथित इस्तेमाल के आरोप लगाए गए हैं। नादौन कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष कैप्टन पृथ्वी चंद ने दावा किया कि कांग्रेस को छह अन्य सदस्यों का समर्थन भी मिलेगा और अध्यक्ष-उपाध्यक्ष दोनों पदों पर उसके उम्मीदवार विजयी होंगे। भाजपा मंडलाध्यक्ष वीरेंद्र पठानिया ने कहा कि भाजपा के पास बहुमत है और बीडीसी चुनाव में जीत के बाद अध्यक्ष पद भी भाजपा का ही होगा।

महिला ओबीसी के लिए आरक्षित अध्यक्ष पद

नादौन बीडीसी अध्यक्ष पद महिला ओबीसी के लिए आरक्षित है। कांग्रेस में शामिल पूजा कुमारी और कमलेश कुमारी को संभावित दावेदार माना जा रहा है। ऐसे में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच समर्थन जुटाने की कवायद तेज हो गई है।

◆ चार भाजपाई कांग्रेस में शामिल नादौन बीडीसी में बढ़ी हलचल

सोलन में कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा, भैंस के सामने बजाई बीन

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। सोलन ब्लॉक कांग्रेस की ओर से वीरवार को सोलन में आगाज सम्मेलन का आयोजन किया गया। कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक भैंस को सड़क पर खड़ा कर उसके सामने बीन बजाई। कांग्रेस नेताओं ने इस प्रदर्शन के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया कि केंद्र सरकार जनता की आवाज सुनने को तैयार नहीं है। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अमित ठाकुर ने भैंस के सामने बीन बजाई। प्रदर्शन में स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। पत्रकारों से बातचीत में रजनी पाटिल ने कहा कि प्रदर्शन के माध्यम से यह दर्शाने का प्रयास किया गया कि केंद्र सरकार जनता की आवाज को नजरअंदाज कर रही है।

हमीरपुर के 182 किसानों को कृषि यंत्रों पर दी लगभग 26 लाख की सब्सिडी : सुनील बिट्टू

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा है कि किसानों, बागवानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ठाकु

न्यूज ब्रीफ

दया बंति को मिला 'स्वच्छता प्रहरी' सम्मान



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दसेहड़ा में स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली दया बंति को 'स्वच्छता प्रहरी' सम्मान से सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके निरंतर श्रम, सेवा-भाव और स्वच्छता के प्रति समर्पण की सराहना की। प्रधानाचार्य हुक्म चंद ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस सेवा, स्वच्छता, श्रम और सामाजिक जिम्मेदारी के संकल्प को दोहराने का अवसर है। उन्होंने कहा कि दया बंति ने स्वच्छता को जिम्मेदारी के साथ-साथ जीवन का संस्कार बनाया है। कार्यक्रम अधिकारी शशि शर्मा एवं ज्योति देवी ने कहा कि यह सम्मान श्रम और सेवा-भाव का सम्मान है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने का आह्वान किया। मीडिया प्रभारी शशि शर्मा ने कहा कि दया बंति जैसे कर्मयोगियों का योगदान समाज के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, स्वयंसेवक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शांता कुमार से मिलीं प्रो. अनुपमा, शिक्षा पर की चर्चा

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी/पालमपुर। शिक्षाविद व सामाजिक कार्यकर्ता प्रो. अनुपमा सिंह ने पालमपुर में हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार से भेंट की। करीब 45 मिनट चली इस मुलाकात में प्रदेश के सामाजिक एवं राजनीतिक परिदृश्य, ग्रामीण समाज, किसानों की स्थिति, स्थानीय स्वशासन में महिलाओं की भूमिका और युवाओं के लिए मूल्य आधारित शिक्षा सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। प्रो. सिंह ने भेंट को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि शांता कुमार के दीर्घ सार्वजनिक जीवन, अनुभव और दूरदर्शी सोच ने उन्हें प्रभावित किया। इस दौरान शांता कुमार ने उन्हें स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं विचारों से प्रेरित अपनी पुस्तक भेंट की। प्रो. सिंह ने सुझाव दिया कि स्वामी विवेकानंद के जीवन, दर्शन और राष्ट्र निर्माण संबंधी विचारों को विद्यालयी पाठ्यक्रम में उपयुक्त स्तर पर शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बचपन में दिए गए संस्कार जीवनभर साथ रहते हैं। शांता कुमार ने भी युवाओं को विवेकानंद के विचारों से जोड़ने की आवश्यकता पर सहमति जताई।

82 साहित्यकारों ने साझा किए साहित्यिक अनुभव



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भूटान की राजधानी थिम्पू में आयोजित 'भारत-भूटान मैत्री साहित्य सम्मेलन 2026' साहित्य, संस्कृति और आपसी सौहार्द का मंच बना। अंतरराष्ट्रीय आयोजन में भारत के विभिन्न राज्यों से 82 साहित्यकारों ने भाग लिया। सम्मेलन के मुख्य आयोजक डॉ. हरेंद्र कुमार हर्ष तथा सह आयोजक ललिता कश्यप हिमाचल प्रदेश से रहे। हिमाचल से आए साहित्यकारों का नेतृत्व ललिता कश्यप ने किया। बीबीसी भूटान के निदेशक हरिकामन राई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। प्रसिद्ध साहित्यकार अच्युत घिमरे और सेवानिवृत्त प्राचार्य लक्ष्मी दास शर्मा मुस्कान विशिष्ट अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता आईसीटीआर निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह वीर ने की। सम्मेलन में शामिल सभी साहित्यकारों को 'साहित्य शिरोमणि सम्मान' प्रदान किया गया। हिमाचल प्रदेश से शीला सिंह, सुशील कुमार पुंडीर, केशवानंद शर्मा, ललिता कश्यप, सुषमा खजूरिया, कमला ठाकुर और डॉ. अनेक राम सांख्यान सहित कई साहित्यकार सम्मानित हुए। आयोजकों ने कहा कि सम्मेलन से भारत-भूटान के साहित्यिक और सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती मिली।

अर्की में 29 को होगा जीएसटी जागरूकता कार्यक्रम

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राज्य कर व आबकारी विभाग, जिला सोलन की ओर से 29 सितंबर को अर्की में जीएसटी जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक एसडीएम कार्यालय अर्की के सभागार में होगा। इसमें क्षेत्र के करदाताओं और व्यापारियों को जीएसटी के नियमों, प्रक्रियाओं तथा हाल में हुए बदलावों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान जीएसटी रिटर्न और अन्य प्रक्रियाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा साझा की जाएंगी। साथ ही करदाताओं एवं व्यापारियों को अपनी शंकाओं और समस्याओं के समाधान का अवसर मिलेगा। एसीएसटीई और एएसटीईओ स्तर के अधिकारी प्रतिभागियों के सवालों का जवाब देंगे तथा स्थानीय व्यापारिक समस्याओं पर भी चर्चा की जाएगी। विभाग ने व्यापारियों और करदाताओं से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया है। कार्यक्रम के बाद प्रतिभागियों के लिए हाई टी की व्यवस्था भी रहेगी।

भावना ने बॉक्सिंग व भारोत्तोलन में जीता स्वर्ण



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। सीबीएसई विद्यालय अर्की की छात्रा एवं ग्राम पंचायत दधोगी के लहताना गांव निवासी भावना ठाकुर ने बरोटीवाला में आयोजित राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए बॉक्सिंग और भारोत्तोलन दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक हासिल किए। दो अलग-अलग खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर भावना ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन का परिचय दिया है। भावना की इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। भावना के पिता कुलदीप ठाकुर और माता पूनम ठाकुर हैं। बेटी की सफलता पर परिजनों के साथ ग्राम पंचायत दधोगी, लहताना और अर्की क्षेत्र के लोगों ने प्रसन्नता जताई है। विद्यालय परिवार ने भावना को बधाई देते हुए कहा कि छात्रा ने अपनी खेल प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर विद्यालय का नाम रोशन किया है। परिजनों, ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने भी भावना को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि भावना भविष्य में भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन कर क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करेगी।

नालागढ़ कॉलेज में उत्साह से मनाया एनएसएस दिवस



भारतेन्दु संवाददाता, नालागढ़। राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से 24 सितंबर को एनएसएस दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित कुमार गुलारिया उपस्थित रहे, जबकि डॉ. सतविंदर कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने समाज सेवा और युवाओं की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संदीपिका रानी ने अतिथियों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों का स्वागत किया तथा एनएसएस के उद्देश्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। स्वयंसेवकों ने गीत, कविता और नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। प्राचार्य ने स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए उन्हें समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियां निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया गया।

बिलासपुर पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की कार्रवाई

1.35 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई तेज करते हुए विभिन्न मामलों में आरोपियों से संबंधित 1.35 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति फ्रीज की है।

पुलिस के अनुसार नशीले पदार्थों की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ नशे के कारोबार से अर्जित संभावित अवैध संपत्ति की वित्तीय जांच भी की जा रही है। इसी जांच के आधार पर कुल 1,35,16,242 रुपए मूल्य की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई है। बरमाणा थाना के एफआइआर संख्या 68/2026 में अजय कुमार उर्फ आजाद निवासी लगड़ बर्माणा से 6.17 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। उसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत तीन मामले दर्ज हैं। वित्तीय जांच में उसकी टाटा जेस्ट और फोर्ड फिगो कार, बचत खाते में



जमा 6,33,340 रुपए तथा निर्माणाधीन मकान सहित कुल 21,21,565 रुपए की संपत्ति फ्रीज की गई। एफआइआर संख्या 25/2023 में 15.13 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। जांच के दौरान पंजगाई निवासी अनिल कुमार उर्फ पिंटू को गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ नौ मामले दर्ज हैं। वित्तीय जांच में उसके और परिवार के सदस्यों से संबंधित 100 ग्राम सोने के बिस्किट और मकान सहित 30,53,334 रुपए की संपत्ति फ्रीज की गई। घुमारवीं थाना के एफआइआर संख्या 47/2025 में 1.8



किलोग्राम चरस बरामद हुई थी। वित्तीय जांच में काच्योट, मंडी निवासी दूपल सिंह और मलाणा, कुल्लू निवासी जय चंद से संबंधित किआ सोनेट वाहन और बैंक खातों की राशि फ्रीज की गई। इसकी कुल कीमत 11,58,777 रुपए है। वहीं, एफआइआर संख्या 167/2025 में 57.3 ग्राम हेरोइन बरामदगी के मामले में बालू निवासी राकेश के खिलाफ सात मामले दर्ज हैं। उसकी 39,53,681 रुपए मूल्य की संपत्ति फ्रीज की गई। स्वारघाट थाना के एफआइआर संख्या 73/2024 में 5.7 किलोग्राम चरस बरामदगी के मामले में कुल्लू निवासी जीवन सिंह के बैंक खाते में जमा 6,07,598 रुपए फ्रीज किए गए। एफआइआर संख्या 53/2026 में 21.2 ग्राम हेरोइन बरामदगी के बाद उमेश और अजय सिंह से संबंधित ऑल्टो के-10, स्विफ्ट कारों और बैंक खातों की कुल 13,21,287 रुपए की संपत्ति फ्रीज की गई। एफआइआर संख्या 206/2026 में अमन कुमार और अरुण कुमार से 14.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। वित्तीय जांच के दौरान उनसे संबंधित टाटा सफारी और पल्सर मोटरसाइकिल, जिसकी कीमत करीब 13 लाख रुपए है, फ्रीज की गई। पुलिस ने कहा कि संबंधित व्यक्ति संपत्तियों को वैध आय से अर्जित किए जाने के संबंध में संतोषजनक प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके। इसलिए नियमानुसार संपत्ति फ्रीज करने की कार्रवाई की गई। पुलिस ने कहा कि नशे के नेटवर्क और उससे अर्जित संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नूरपुर पुलिस ने दो मामलों में वांछित दो भगोड़े अपराधी किए गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। न्यायालय से गैर-हाजिर व लंबे समय से फरार चल रहे उद्घोषित अपराधियों की धरपकड़ के लिए नूरपुर पुलिस द्वारा निरंतर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पीओ सेल पुलिस जिला नूरपुर की टीम ने त्वरित व प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना नूरपुर से संबंधित दो अलग-अलग मामलों में वांछित 2 उद्घोषित अपराधियों को दबोचने में सफलता प्राप्त की है।

पहला मामला चेक बाउंस का है। इस मामले में वांछित उद्घोषित अपराधी प्रेम चंद को काबू किया गया। उक्त आरोपी को माननीय अदालत जेएमएफसी नूरपुर द्वारा 5 फरवरी 2020 को उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। दूसरे मामले में पीओ सेल की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तलारा क्षेत्र से मारपीट व गैर-कानूनी घुसपैठ के मामले में वांछित उद्घोषित अपराधी रशपाल सिंह को गिरफ्तार किया। उक्त आरोपी को थाना नूरपुर में दर्ज एफआईआर के अंतर्गत माननीय अदालत एसीजेएम नूरपुर द्वारा 8 जून 2026 को उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। पकड़े गए



उद्घोषित अपराधियों में प्रेम चंद (उम्र 44 वर्ष) पुत्र चुन्नी लाल, निवासी तलयाड़, तहसील व जिला मंडी तथा रशपाल सिंह (उम्र 49 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय अत्तर सिंह, निवासी सोहर, डाकघर डहाब, तहसील फतेहपुर, जिला कांगड़ा शामिल हैं। वहीं आरोपी रशपाल सिंह का नागरिक अस्पताल नूरपुर में मेडिकल परीक्षण करवाने के उपरांत आगामी कानूनी कार्रवाई हेतु सुरक्षित रूप से एमएचसी पुलिस थाना नूरपुर के सुपुर्द कर दिया गया है। एसपी नूरपुर इल्मा अफरोज ने बताया कि पुलिस जिला नूरपुर कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा न्यायालयीन प्रक्रिया से भाग रहे अपराधियों को कानून के कटघरे में खड़ा करने के लिए पूरी तरह सजग व प्रतिबद्ध है तथा ऐसे भगोड़ों के विरुद्ध धरपकड़ अभियान निरंतर जारी रहेगा।

फोरलेन पर फुट ओवरब्रिज और सर्विस लेन की मांगें मंजूर : काजल

त्योहारी सीजन से पहले शुरू होगा पलवाना मार्ग

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष व कांगड़ा विधायक पवन काजल ने कहा कि कच्छियारी से भंगवार फोरलेन के तहत पलवाना में फुट ओवरब्रिज, दोनों ओर नालियां और मिनी सर्विस लेन बनाने की मांग को मंजूरी मिल गई है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय सड़क राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा के कांगड़ा दौरे के दौरान किए गए स्थल निरीक्षण और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को दिल्ली में सौंपे मांगपत्र के आधार पर अधिकांश मांगों को स्वीकृति मिली है। काजल ने वीरवार को एनएचएआई अधिकारियों के साथ घट्टा और पलवाना क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने बताया कि दौलतपुर-कुल्थी चौक पर अंडरपास अथवा दोनों ओर सर्विस लेन की मांग को भी मंजूरी मिलने जा रही है। तकरीपुर विश्वविद्यालय



के पास फुट ओवरब्रिज, धमेड़ पंचायत के ग्रामीणों के लिए टोल प्लाजा के पास सर्विस लेन तथा रानीताल-रसूह चौक पर फुट ओवरब्रिज की मांग को भी मंजूरी दी गई है।

कच्छियारी बाईपास क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए फुट ओवरब्रिज की मांग पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। काजल ने कहा कि घट्टा में ग्रामीणों की मांग को देखते हुए फुट ओवरब्रिज के बजाय सड़क के दोनों ओर सर्विस लेन बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं के निर्माण से फोरलेन के दोनों ओर रहने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और सड़क पार करते समय सुरक्षा भी बढ़ेगी। काजल ने बताया कि रेयूंद खड्ड पर निर्माणाधीन पुल का कार्य अंतिम चरण में है। त्योहारों के मौसम से पहले नई सुरंग और पलवाना मार्ग को यातायात के लिए खोलने का लक्ष्य है। इससे कांगड़ा शहर में लगने वाले यातायात जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कच्छियारी से दौलतपुर का सफर करीब पांच मिनट में पूरा हो सकेगा। इस अवसर पर एनएचएआई के साइट इंजीनियर अजय तथा फोरलेन निर्माण में जुटी गावर कंस्ट्रक्शन कंपनी के इंजीनियर भी उपस्थित रहे।

पेंशनर्स ज्वाइंट फ्रंट ने विरोधी गुट की बयानबाजी पर जताई आपत्ति

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। पेंशनर्स ज्वाइंट फ्रंट हिमाचल प्रदेश ने 21 सितंबर को राज्य सचिवालय शिमला में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक को सफल बताते हुए विरोधी गुट की बयानबाजी पर कड़ी आपत्ति जताई है।



फ्रंट के प्रदेशाध्यक्ष आत्मा राम शर्मा, संयोजक हरीश शर्मा, महासचिव हुक्म सिंह ठाकुर और विभिन्न जिलों के अध्यक्षों की ओर से जारी संयुक्त बयान में राज्य उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता कल्याण भंडारी ने कहा कि सरकार के साथ हुए सकारात्मक संवाद से प्रदेश के पेंशनभोगियों में विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पेंशनरों के प्रमुख मुद्दों पर सरकार के साथ लगातार संवाद से कई मामलों में प्रगति हुई है। भंडारी के अनुसार राज्य के 1.82 लाख पेंशनरों का पेंशन संशोधन तथा जनवरी 2016 से जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त हुए करीब 13 हजार चतुर्थ श्रेणी पेंशनरों की ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण के एरियर का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बिना तथ्य और साक्ष्य के मुख्यमंत्री तथा पेंशनर संगठन के प्रतिनिधियों पर आरोप लगाना उचित नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद के माध्यम से ही समस्याओं का समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ होने वाली बैठकों के बाद कुछ असंतुष्ट नेताओं की ओर से बयानबाजी की जाती है, जिससे संगठन में मतभेद सामने आते हैं। भंडारी ने कहा कि फ्रंट पेंशनरों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है और ग्रेच्युटी, कम्प्यूटेशन तथा अवकाश नकदीकरण के लंबित भुगतान सहित अन्य मांगों को सरकार के समक्ष उठाता रहेगा। उन्होंने पेंशनरों से एकजुट रहने का आह्वान किया।

देहरा पुलिस ने 61.44 ग्राम चिट्टे की खेप के साथ पकड़े दो नशा तस्कर

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पुलिस जिला देहरा के तहत पुलिस थाना हरिपुर की टीम ने दो लोगों से चिट्टा और नकदी बरामद की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना हरिपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की गई है। एसपी देहरा संदीप धवल ने बताया कि बुधवार बीती देर रात पुलिस चौकी रानीताल द्वारा गश्त एवं नाकाबंदी के दौरान रसूह चौक, रानीताल में लन्ज से देहरा की ओर आ रही कार नम्बर एचपी 36जी 1040 की तलाशी के दौरान 61.44 ग्राम चिट्टे की खेप जबकि 67200 रुपए की नकदी बरामद की है। पुलिस ने मामले में आरोपी संजय कुमार एवं पुष्पिंदर ठाकुर, निवासी गांव व डाकघर घयोरी, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा को गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि देहरा पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ़ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

दृष्टि और जिम्मेदारी से जन्म लेता है सच्चा नेतृत्व : कुलपति

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ और सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय 'नेतृत्व व सामुदायिक विकास पर प्रशिक्षण' कार्यक्रम का समापन हुआ।



विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए युवाओं से समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय एवं अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व पद या अधिकार से नहीं, बल्कि दृष्टि और उत्तरदायित्व से जन्म लेता है। प्रभावी नेतृत्व के लिए समय का अनुशासन, विचारों की स्पष्टता, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति, आत्मविश्वास, संवेदनशीलता और दायित्व के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व की पहली शर्त स्वयं का नेतृत्व करना है। कुलपति ने अरुणिमा सिन्हा के संघर्ष और साहस का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों को कमजोरी नहीं बनने दिया। दुर्घटना में बायां पैर गंवाने के बावजूद उन्होंने कृत्रिम पैर के सहारे माउंट एवरेस्ट फतह करने का संकल्प पूरा किया। डिजिटल युग में नेतृत्व की भूमिका पर उन्होंने कहा कि सूचना की अधिकता के बीच विवेक, तथ्य-जांच और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार जरूरी है। तकनीक का उपयोग ज्ञान बढ़ाने, समाज को जोड़ने और वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए किया जाना चाहिए। समापन पर उन्होंने प्रशिक्षकों, शिक्षकों, अधिकारियों और प्रतिभागियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

---

9 से 11 अक्तूबर तक होगा 'फिट कांगड़ा-2026' का आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। युवाओं को नशे से दूर रखने व स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 'फिट कांगड़ा-2026 : एंटी चिट्टा, ड्रग फ्री यूथ फेस्ट' का आयोजन 9 से 11 अक्तूबर तक ऐतिहासिक



बाणगंगा घाट, कांगड़ा में किया जाएगा। एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजली गर्ग ने संयुक्त कार्यालय भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फेस्ट के दौरान फिटनेस जागरूकता और नशा जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां भी होंगी। भव्य मां बाणगंगा आरती और अंतिम दिन भजन संध्या विशेष आकर्षण रहेगी। उन्होंने युवाओं और क्षेत्रवासियों से अभियान में भाग लेकर नशामुक्त समाज का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

पंचायत स्तर पर खेल आयोजन बढ़ाने के डीसी राहुल कुमार ने दिए निर्देश

पंचायत स्तर पर बढ़ेंगे खेल आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला खेल परिषद की बैठक उपायुक्त कार्यालय बिलासपुर में उपायुक्त राहुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में लुहणु स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने, खेल ढांचे के रखरखाव, खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने और ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई।



बैठक में स्पोर्ट्स हॉस्टल में खिलाड़ियों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। खिलाड़ियों की सुविधा के लिए हॉस्टल में शौचालय, प्रकाश, पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए जिला खेल परिषद की ओर से धनराशि खर्च करने की स्वीकृति दी गई। उपायुक्त ने कहा कि खेल परिसरों और स्पोर्ट्स हॉस्टल में खिलाड़ियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध करवाना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि वे बिना किसी असुविधा के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कर सकें। राहुल कुमार ने कहा कि लुहणु स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में उभर रही प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ने के लिए उचित मंच मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई बच्चे विभिन्न खेलों में प्रतिभा दिखा रहे हैं। ऐसी प्रतिभाओं की समय पर पहचान कर उन्हें उचित अवसर, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन उपलब्ध करवाना जरूरी है।

डीसी ने निर्देश दिए कि जिले का कोई भी बच्चा खेल क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करता है तो जिला खेल परिषद की ओर से उसे प्रोत्साहित और सम्मानित किया जाए। प्रतिभावान खिलाड़ियों को उनकी जरूरत के अनुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा। उन्होंने जिला खेल अधिकारी को पंचायत और ब्लॉक स्तर पर अधिक से अधिक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल आयोजनों की संख्या बढ़ने से छिपी प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलेगा और उन्हें जिला व राज्य स्तर पर आगे बढ़ने का मंच मिलेगा। बैठक में खेल गतिविधियों के दौरान खिलाड़ियों के चोटिल होने की स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को आपातकालीन और प्राथमिकता के आधार पर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला खेल परिषद के पदाधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्देश अभी जिले में 5 चयनित क्षेत्रों में लगभग 2670 युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य

अल्प अवधि के कौशल विकास कोर्सों के लिए करें युवाओं की पहचान

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। एडीसी अभिषेक गर्ग ने हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम (एचपीकेवीएन) के अधिकारियों, शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षण संस्थानों, उद्योग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के अंतर्गत एचपीकेवीएन के माध्यम से करवाए जाने वाले अल्प अवधि के कौशल विकास प्रशिक्षण कोर्सों के लिए इच्छुक एवं जरुरतमंद युवाओं की पहचान करें।

वीरवार को हमीर भवन में जिला कौशल समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अभिषेक गर्ग ने कहा कि 18 से 45 वर्ष तक के दसवीं या बारहवीं पास युवाओं के लिए ये निशुल्क कोर्स काफी मददगार साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत मात्र कुछ दिनों या महीनों का प्रशिक्षण प्राप्त करके युवा अच्छा रोजगार पा सकते हैं या अपना उद्यम भी स्थापित कर सकते हैं। एडीसी ने बताया कि इस बार जिला में पांच चयनित क्षेत्रों में लगभग 2670 युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें 1080 युवाओं को 2 से 5 माह का प्रशिक्षण और 1590 युवाओं को 2 से 5 दिन का प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य है। प्रारंभिक तौर पर इन प्रशिक्षण कोर्सों



में योगा वैलनेस ट्रेनर, होम मैनेजमेंट एंड केयर गिवर, ग्रीन एनर्जी (सोलर) सुपरवाइजर, नेचर गाइड, असिस्टेंट राफ्टिंग गाइड, गैस्ट सर्विस एग्जीक्यूटिव, टूरिजम एंड हॉस्पिटैलिटी, एनवायरमेंटल साइंस और स्ट्रीट फूड जैसे सेक्टर चिह्नित किए गए हैं। एडीसी ने कहा कि ये कोर्स सरकारी संस्थानों में ही करवाए जाएंगे। इन संस्थानों में आईटीआई एवं अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थान, होटल प्रबंधन संस्थान और अन्य संस्थान शामिल हैं। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और इसमें कुछ नए कोर्स शामिल करने के लिए विभागीय अधिकारियों से सुझाव देने की अपील भी की। बैठक में एचपीकेवीएन की जिला समन्वयक निशा कटोच ने इस योजना के लक्ष्यों और विभिन्न प्रशिक्षण कोर्सों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी विभागों एवं संस्थानों के अधिकारियों से अधिक से अधिक युवाओं को इन कोर्सों के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

हमीरपुर में कुछ महीनों में ही पूर्ण की 648 जमाबंदी की प्रक्रिया : अभिषेक गर्ग

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राजस्व रिकॉर्ड को अपडेट एवं ऑनलाइन करने तथा आम लोगों के राजस्व संबंधी कार्यों को तत्परता के साथ पूर्ण करने के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देशों का हमीरपुर जिला में काफी अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। बीते दिन राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक के दौरान राजस्व मामलों की समीक्षा करते हुए एडीसी अभिषेक गर्ग ने बताया कि जिला में कुछ महीनों के दौरान ही लगभग 648 जमाबंदियों की प्रक्रिया पूर्ण की गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 तक की 568 और 2025-26 की भी 77 जमाबंदियां तैयार कर ली गई हैं। अब वर्ष 2024-25 की सिर्फ 53 जमाबंदियां ही शेष हैं। यानि वर्ष 2024-25 तक का अधिकांश राजस्व रिकॉर्ड अपडेट कर दिया गया है और यह आम लोगों को ऑनलाइन उपलब्ध करवा दिया गया है। शेष कार्य को भी दो माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एडीसी ने बताया कि जिले के सभी राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों को राजस्व संबंधी मामलों को प्राथमिकता एवं तत्परता के साथ निपटाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आम लोगों को किसी भी तरह की दिक्कत न हो। सभी प्रक्रियाओं को अपडेट एवं ऑनलाइन किया गया है, जिससे आम लोगों को राजस्व विभाग के कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आम लोगों को उनकी जमीन का रिकॉर्ड तुरंत ऑनलाइन उपलब्ध होने से विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का वर्कलोड भी कम होगा।

सीमेंट मजदूरों ने नियमितीकरण वेतन समझौते में हिस्सेदारी मांगी

कैथरीन डियाजएल का खूबसूरत अंदाज

कैथरीन डियाजएल साल्वाडोर की प्रसिद्ध सर्फर हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और सर्फिंग में पहचान बनाई। कैथरीन डियाज अपनी प्रतिभा, जुनून और मेहनत के लिए जानी जाती थीं। वह युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनीं।



एशियन गेम्स : हॉकी में भारत ने द. कोरिया को 8-2 से हराया

भारत के लिए अभिषेक और दिलप्रीत सिंह ने किए दो-दो गोल

एजेंसी, काकामिगाहारा

भारत ने एशियन गेम्स के ग्रुप स्टेज के तीसरे मुकाबले में साउथ कोरिया को 8-2 से हरा दिया। चार बार की चैंपियन साउथ कोरिया के खिलाफ यह भारत की एशियन गेम्स में सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ भारतीय मेंस हॉकी टीम ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की। भारत की ओर से अभिषेक और दिलप्रीत सिंह ने दो-दो गोल किए। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और साउथ कोरिया पर दबाव बनाए रखा।

भारत ने पहले क्वार्टर के चौथे मिनट में ही बढ़त बना ली। शिलानंद लाकड़ा ने गोल करके टीम का खाता खोला। सुखजीत सिंह ने नौवें मिनट में गोल किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में गेंद गोलपोस्ट में पहुंचाई। इससे भारत ने शुरुआती 11 मिनट में 3-0 की बढ़त बना ली। साउथ कोरिया को संभलने का मौका नहीं मिला। 14वें मिनट में अभिषेक ने भारत के लिए चौथा गोल दागा। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली। दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने दबदबा बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह ने 26वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त 5-0 कर दी। तीसरे क्वार्टर में 32वें मिनट में दिलप्रीत ने अपना दूसरा गोल दागा। अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। इससे भारतीय टीम को 7-0 की मजबूत बढ़त मिल गई। सात गोल से पिछड़ने के बाद साउथ कोरिया ने वापसी की कोशिश की। किम जाएहो ने 42वें मिनट में गोल करके साउथ कोरिया का खाता खोला। इसके बाद किम योंगबोक ने 52वें मिनट में दूसरा गोल दागा। हालांकि, तब तक मुकाबला भारत के नियंत्रण में था। मैच के आखिरी मिनट में राजिंदर सिंह ने गोल किया। इस गोल के साथ भारत ने जीत का अंतर 8-2 कर दिया।



पहले इंडोनेशिया और श्रीलंका को हराया

भारत ने एशियन गेम्स में अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ की थी। भारतीय टीम ने उस मुकाबले में 13-1 से जीत दर्ज की। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ भारत ने 16-1 की एकतरफा जीत हासिल की। अब साउथ कोरिया के खिलाफ 8-2 की जीत के साथ भारत ने ग्रुप स्टेज में लगातार तीसरी जीत दर्ज की है।भारतीय टीम का अगला मुकाबला 26 सितंबर को जापान से होगा।

स्कीट में अनंतजीत व परिनाज को कांस्य

एजेंसी, नागोया। भारत के अनंतजीत सिंह नरुका और परिनाज धालीवाल न वीरवार को एशियाई खेलों में मिश्रित टीम स्कीट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी फ़ाइनल में 44 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही। उन्होंने छह सीरीज में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। पहली सीरीज के बाद उनका स्कोर सात था, जो बढ़कर 14, 21, 29, 36 और आख़िर में 44 हो गया। अनंत जीत और परिनाज ने क्वालीफिकेशन दौर में कुल 138 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल करके फाइनल में जगह बनाई थी। इस कांस्य पदक के साथ एशियाई खेलों में भारत के निशानेबाजी पदक की संख्या आठ हो गई है। इसमें चार रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। इससे पहले बुधवार को भारत की पुरुष और महिला स्कीट निशानेबाजी टीमों ने आइची प्रांतीय निशानेबाजी गैलरी में दो कांस्य पदक जीते थे।



कबड्डी : चीनी ताइपे को हराकर भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में



एजेंसी, नागोया

गत चैंपियन भारत ने चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर बृहस्पतिवार को एशियाई खेलों की पुरुष कबड्डी स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह ग्रुप चरण में भारत की लगातार चौथी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया, जापान और बांग्लादेश को हराया था। इस तरह भारत ने ग्रुप चरण में अपने सभी मुकाबले जीतकर कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। भारत ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और हाफ टाइम तक 23-11 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा और इस दौरान 14-10 से आगे रही। भारत ने सफल रेड से 28 अंक, तीन बोनस अंक और ऑलआउट से छह अंक हासिल किए। कबड्डी को 1990 में एशियाई खेलों में शामिल किए जाने के बाद से भारतीय पुरुष टीम ने नौ पदक जीते हैं। इनमें आठ स्वर्ण पदक शामिल हैं। 2018 में भारत का स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला टूटा था, जब टीम को कांस्य पदक मिला था। भारतीय महिला टीम ने भी ग्रुप चरण में लगातार दो जीत दर्ज की हैं। उसने अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को हराने के बाद ईरान को 37-23 से शिकस्त दी। भारतीय महिला टीम का ग्रुप चरण में अगला मुकाबला मेजबान जापान से होगा।

स्पोर्ट्स विंडो

डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच बने ल्यूक विलियम्स

एजेंसी, मुंबई। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग 2027 से पहले लिसा कीटली से अलग होकर ऑस्ट्रेलिया के ल्यूक विलियम्स को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने बताया कि सितंबर 2025 में मुख्य कोच नियुक्त की गईं कीटली ने पद छोड़ने का फैसला किया है। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा, ''मुंबई इंडियंस ने घोषणा की है कि लिसा कीटली ने टीम के मुख्य कोच के पद से आगे बढ़ने का फैसला किया है। उनकी जगह ल्यूक विलियम्स 2027 महिला प्रीमियर लीग सत्र से पहले टीम के नए मुख्य कोच होंगे।'' ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज कीटली के मार्गदर्शन में दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस पांच टीमों वाले टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रही थी। यह टूर्नामेंट के चार सत्रों में टीम का सबसे खराब प्रदर्शन रहा। मुंबई इंडियंस ने 2023 और 2025 में डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता था जबकि 2024 में टीम एलिमिनेटर तक पहुंची थी। विलियम्स ने कहा, ''हमारे पास मिलकर कुछ खास तैयार करते हुए रोमांचक अंदाज में क्रिकेट खेलने और सफलता के लिए प्रतिस्पर्धा करने का शानदार अवसर है।' विलियम्स 2025 डब्ल्यूपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली खिताबी जीत के दौरान टीम के मुख्य कोच थे।

भारतीय टेनिस खिलाड़ी परीक्षित सोमानी पर 4 साल का प्रतिबंध

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी परीक्षित सोमानी पर डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण 4 साल का बैन लगाया गया है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी के इंडिपेंडेंट ट्रिब्यूनल ने उन्हें प्रतिबंधित पदार्थ ट्रिमेटाजिडाइन पाए जाने के मामले में दोषी माना है। ट्रिब्यूनल ने खाने के दूषित होने की उनकी दलील को खारिज कर दिया। 26 साल के परिक्षित का 31 जुलाई 2025 को कजाकिस्तान के अस्ताना में हुए एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट के दौरान डोप टेस्ट हुआ था। उनके सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ ट्रिमेटाजिडाइन पाया गया था। इसके बाद उन्हें 23 सितंबर 2025 को प्रोविजनल सस्पेंड किया गया। परीक्षित को प्रोविजनल सस्पेंशन के दौरान बिताया गया समय 4 साल के बैन में शामिल किया गया है। इसलिए उनका सस्पेंशन 22 सितंबर 2029 को खत्म होगा। परीक्षित ने फरवरी 2026 में अपनी सफाई में कहा था कि उन्होंने परिवार के एक सदस्य द्वारा बनाया खाना खाया था। उनका दावा था कि खाना बनाते समय उस सदस्य की दवा गलती से भोजन में मिल गई थी। इसी वजह से ट्रिमेटाजिडाइन उनके शरीर में पहुंचा। 19 अगस्त 2026 को इंडिपेंडेंट ट्रिब्यूनल के सामने हुई सुनवाई में परीक्षित ने इसी दलील को अपना आधार बनाया।



भारत में पहली बार 2032 में होगी साइक्लिंग रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप

एजेंसी, पुणे। भारत पहली बार साइक्लिंग रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इंटरनेशनल साइक्लिंग यूनियन ने 2032 की चैंपियनशिप के लिए पुणे को मेजबान चुना है। इसका फैसला मॉन्ट्रियल में हुई सीआई कांग्रेस में किया गया। नीदरलैंड्स के ग्रोनिंगन-ड्रेंथे को 2034 की चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। सीआई प्रेसिडेंट डेविड लापार्टिएंट ने कहा कि पुणे और ग्रोनिंगन-ड्रेंथे की ओर से मजबूत दावेदारी पेश की गई थी। सीआई ने दोनों आयोजकों के लिए मेजबानी का रास्ता निकाला है। पुणे की मेजबानी के साथ पहली बार सीआई रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप भारत में होगी।

अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हराया

डेब्यू मैच में अरब गुल ने लिए 4 विकेट, जापान 81 रन पर ऑलआउट

एजेंसी, नागोया

अफगानिस्तान ने एशियन गेम्स की मेंस क्रिकेट में जीत के साथ अभियान शुरू किया। ग्रुप-ए के मुकाबले में अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हराया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 129 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम 19.3 ओवर में 81 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगानिस्तान की जीत के हीरो उसके स्पिनर रहे। टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे राइट-आर्म रिस्ट स्पिनर अरब गुल ने 8 रन देकर 4 विकेट लिए। लेफ्ट-आर्म स्पिनर नंगेयालिया खारोटे ने 19 रन देकर 3 विकेट लिए।

130 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जापान ने संभलकर शुरुआत की। टीम ने 8 ओवर में 2 विकेट पर 53 रन बना लिए थे। इसके बाद अरब गुल ने 12वें और 14वें ओवर में दो-दो विकेट लेकर जापान के मिडिल ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया। जापान का स्कोर 60 रन पर 4 विकेट से 63 रन पर 8 विकेट हो गया। इसके बाद अब्दुल्लाह अहमदजई और खारोटे ने निचले क्रम को समेट दिया। जापान की पूरी टीम 19.3 ओवर में 81 रन पर ऑलआउट हो गई।



मोहम्मद ईशाक ने 17 गेंदों पर बनाए नाबाद 25 रन

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत धीमी रही। मोहम्मद अकरम ने 34, कप्तान दरविश रसूली ने 29 और करीम जनत ने 21 रन बनाए। नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने आए मोहम्मद ईशाक ने 17 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाए। उनकी पारी की मदद से अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 129 रन तक पहुंचाया।

चेस ओलिंपियाड : भारतीय पुरुष टीम ने इंग्लैंड को 2.5-1.5 से दी करारी शिकस्त

एजेंसी, समरकंद

46वें फीडे चेस ओलिंपियाड के 7वें राउंड में आर प्रज्ञानानंद और डी गुकेश की जीत से भारत की मेंस टीम ने इंग्लैंड को 2.5-1.5 से हरा दिया। बुधवार को समरकंद में खेले गए मुकाबले में प्रज्ञानानंद ने टॉप बोर्ड और गुकेश ने चौथे बोर्ड पर जीत दर्ज की। इससे भारत ने पिछले राउंड में उज्बेकिस्तान से मिली हार के बाद वापसी की। प्रज्ञानानंद ने इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी निकिता वित्युगोव को हराया। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए दबाव बनाया और मुकाबला अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट में उनकी दूसरी जीत है। इंग्लैंड पर जीत के बाद भारत के 12 मैच पॉइंट्स हो गए हैं। टीम ने 7 में से 6 मुकाबले जीते हैं और एक में हार मिली है। उज्बेकिस्तान ने चीन को 3-1 से हराकर 14 पॉइंट्स के साथ बढ़त बनाए रखी है।

भारत अगले राउंड में अजरबैजान से खेलेगा। वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने चौथे बोर्ड पर डैनियल हॉवर्ड फर्नांडीज को हराया। उन्होंने टाइम प्रेशर के दौरान 40वें मूव की गलती का फायदा उठाया। इसके बाद बढ़त को जीत में बदल दिया। गुकेश अब तक टूर्नामेंट में अजेय हैं। गुकेश ने इससे पहले भारत को पिछले दो चेस ओलिंपियाड में गोल्ड मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी वह तीसरे लगातार गोल्ड की दौड़ में हैं।



महिलाओं ने जर्मनी को हराया

भारतीय महिला टीम ने भी 7वें राउंड में जर्मनी को 3.5-0.5 से हराया। कोनेरू हम्पी, दिव्या देशमुख और सविता श्री ने जीत दर्ज की। वैशाली का मुकाबला ड्रॉ रहा। हम्पी ने टॉप बोर्ड पर डिनारा वैगनर को हराया। दिव्या ने तीसरे बोर्ड पर जीत दर्ज की। चौथे बोर्ड पर सविता श्री ने लारा शुल्जे को हराकर टूर्नामेंट में लगातार छठी जीत दर्ज की। चीन और कजाकिस्तान का मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहने का फायदा भारत को मिला। भारत अब 12 मैच पॉइंट्स के साथ टॉप पर चल रहे चीन और कजाकिस्तान से एक पॉइंट पीछे है।

बंगाल में एक लाख करोड़ का निवेश करेगा अदाणी समूह

एजेंसी, मुंबई

एजेंसी, नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी ने गुरुवार को घोषणा की कि अदाणी समूह वर्ष 2035 तक पश्चिम बंगाल में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगा। यह घोषणा कोलकाता के पास न्यू टाउन क्षेत्र में 2,000 बिस्तरों वाले 'अदाणी आरोग्य मंदिर' अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद आयोजित कार्यक्रम में की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे। गौतम अदाणी ने कहा कि समूह स्वास्थ्य क्षेत्र के अलावा बंदरगाह, माल परिवहन, बिजली, सड़क और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में भी निवेश करेगा। उन्होंने बताया कि 2,000 बिस्तरों वाले गैर-लाभकारी अस्पताल के निर्माण पर करीब 4,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इस परियोजना से 10,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। अस्पताल में विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं के साथ आधुनिक चिकित्सा महाविद्यालय, उन्नत अनुसंधान और मरीजों की देखभाल की सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

अदाणी ने कहा कि तकनीक और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के इस्तेमाल के जरिए बंगाल में चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने अस्पताल की आधारशिला रखे जाने को राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताया। समूह के प्रस्तावित निवेश से पश्चिम बंगाल में बुनियादी ढांचे और औद्योगिक गतिविधियों को विस्तार देने की योजना है।



शाहरुख की दौलत में 2490 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 में बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान लगातार दूसरे साल भारत के सबसे अमीर अभिनेता बने हैं। हालांकि, सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रहने के बावजूद उनकी अनुमानित संपत्ति में पिछले वर्ष की तुलना में 2,490 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में उनकी संपत्ति 12,490 करोड़ रुपये आंकी गई थी, जो इस वर्ष घटकर 10,000 करोड़ रुपये रह गई है। इसके बावजूद शाहरुख देश के सबसे अमीर अभिनेताओं की सूची में पहले स्थान पर हैं। शाहरुख खान की संपत्ति में फिल्मों से होने वाली कमाई के अलावा उनके कारोबारी हित भी शामिल हैं। इनमें रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स प्रमुख हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसी वर्ष की शुरुआत में हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में शाहरुख की संपत्ति का अनुमान 10,800 करोड़ रुपये लगाया गया था। अलग-अलग सूचियों में संपत्ति के अनुमान में अंतर संबंधित कंपनियों, निवेश और अन्य परिसंपत्तियों के मूल्यांकन के कारण हो सकता है। हुरुन की सूची में शामिल संपत्ति के आंकड़े अनुमानित होते हैं और निजी कंपनियों, निवेश तथा अन्य परिसंपत्तियों के मूल्य में बदलाव के साथ इनमें उतार-चढ़ाव हो सकता है।

◆ हुरुन सूची में शाहरुख सबसे अमीर अभिनेता

खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों पर सरकार ने घटाया आयात शुल्क

एजेंसी, नई दिल्ली



सरकार ने घरेलू बाजार में खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्रमुख खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क में कटौती की है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि कच्चे सूरजमुखी तेल पर मूल सीमा शुल्क 10 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। वहीं, कच्चे सोयाबीन और कच्चे पाम तेल पर शुल्क 10 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत किया गया है। संबंधित परिष्कृत खाद्य तेलों पर भी सीमा शुल्क में समान अनुपात में कमी की गई है। मंत्रालय के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्य तेलों की कीमतों में वृद्धि का असर घरेलू लागत और खुदरा कीमतों पर पड़ा है। आयातित खाद्य तेलों की लागत में सीमा शुल्क महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए इसमें कमी से घरेलू कीमतों पर असर पड़ने की उम्मीद है।

सरकार ने कहा कि शुल्क कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए उद्योग को तत्काल कदम उठाने होंगे। साथ ही, कच्चे और परिष्कृत तेलों के बीच शुल्क अंतर बनाए रखा गया है, ताकि घरेलू शोधन क्षमता को बढ़ावा मिले और परिष्कृत तेलों के अत्यधिक आयात को हतोत्साहित किया जा सके।

सेंसेक्स 1248 और निफ्टी 384 अंक टूटा

एजेंसी, मुंबई

24 सितंबर को भारतीय शेयर बाजार में सभी प्रमुख सेक्टरों में भारी बिकवाली के कारण बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,247.71 अंक यानी 1.67 प्रतिशत गिरकर 73,580.54 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 383.70 अंक यानी 1.64 प्रतिशत टूटकर 23,063.10 पर आ गया। बीएसई पर कुल 4,573 शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,476 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,878 शेयरों में गिरावट रही और 219 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी में बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और इंटरग्लोब एविएशन प्रमुख गिरावट वाले शेयर रहे। दूसरी ओर सिप्ला और एनटीपीसी में बढ़त दर्ज की गई। सभी प्रमुख सेक्टर सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी प्राइवेट बैंक 2.2 प्रतिशत, मेटल 1.9 प्रतिशत और बैंक 1.7 प्रतिशत नीचे रहा। इंफ्रा और ऑटो में 1.5 प्रतिशत, जबकि ऑयल एंड गैस में 1.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। मिडकैप सूचकांक 2 प्रतिशत और स्मॉलकैप 1.5 प्रतिशत टूटा।



◆ बैंकिंग और धातु शेयरों में भारी गिरावट से बाजार कमजोर

बाजार में गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण रहे। अमेरिका में मजबूत कारोबारी गतिविधियों के आंकड़ों से 10 वर्षीय ट्रेजरी यील्ड बढ़ी, जिससे ब्याज दरों को लेकर चिंता बढ़ी। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिका-ईरान संबंधों को लेकर अनिश्चितता ने भी बाजार धारणा प्रभावित की। इसके अलावा अमेरिकी शेयर बाजार में कमजोरी के कारण वैश्विक संकेत दबाव में रहे। हाल की तेजी के बाद निवेशकों ने ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली भी की। रुपये में कमजोरी और वित्तीय शेयरों में गिरावट ने बाजार पर दबाव और बढ़ा दिया।

उपलब्धि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में बढ़ी रफ्तार, मूल्यवर्धन से मजबूत होगी भारत की स्थिति

भारत बढ़ा रहा आत्मनिर्भर विनिर्माण क्षमता

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद वैश्विक स्तर पर परिस्थितियों में बड़ा बदलाव आया है। दुनिया के देश और कंपनियां अब किसी एक बाजार, देश या आपूर्ति स्रोत पर अत्यधिक निर्भरता के जोखिम को समझ रही हैं। ऐसे में भारत भी आत्मनिर्भर बनने के लिए अपनी विनिर्माण क्षमता, तकनीकी दक्षता और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में पिछले कुछ समय में उल्लेखनीय तेजी आई है और आने वाले समय में देश में विनिर्माण तथा मूल्यवर्धन बढ़ने से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत का महत्व और बढ़ सकता है।

पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया के वार्षिक फोरम में परिचर्चा के दौरान कृष्णन ने कहा कि किसी देश में पर्याप्त विनिर्माण और मूल्यवर्धन की क्षमता विकसित होने पर वैश्विक मूल्य श्रृंखला में उसकी भूमिका मजबूत होती है। सरकार का प्रयास देश में ऐसी आत्मनिर्भर क्षमता विकसित करना है, जिससे घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ वैश्विक बाजार में भी भारत की भागीदारी बढ़े। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में विभिन्न देशों के साथ मजबूत और भरोसेमंद संबंध बनाना महत्वपूर्ण है। भारत जापान, कनाडा और अन्य देशों के साथ करीबी संबंध विकसित कर रहा है। उन्होंने कहा कि



मौजूदा समय में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिश्ते मजबूत करना बेहद जरूरी है।

कृष्णन ने कहा कि महामारी और उसके बाद हुए अन्य वैश्विक घटनाक्रमों ने कंपनियों और सरकारों को अपनी रणनीतियों पर नए सिरे से विचार करने के लिए मजबूर किया है। पहले कंपनियां अक्सर उत्पादन की लागत कम रखने के लिए सबसे सस्ती जगह पर विनिर्माण केंद्रित करती थीं, लेकिन अब आपूर्ति श्रृंखला में मजबूती और निरंतरता को भी उतना ही महत्व दिया जा रहा है। कंपनियां विभिन्न देशों और क्षेत्रों में उत्पादन तथा आपूर्ति के विकल्प विकसित कर रही हैं, ताकि किसी एक स्रोत पर निर्भरता के कारण उत्पन्न होने वाले जोखिम को कम किया जा सके।

पीएएफआई के अध्यक्ष और फोनपे लिमिटेड में लोक नीति एवं सरकारी मामलों के उपाध्यक्ष शिवनाथ ठुकराल ने कहा कि भारत 'इंडिया 3.0' के दौर में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में देश के तकनीकी भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लोक नीति और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रचनात्मक संवाद के माध्यम से भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में आगे ले जाने और भरोसेमंद तथा किफायती प्रौद्योगिकी विकसित करने पर ध्यान देना होगा। इससे घरेलू उद्यमों को मजबूती मिलने के साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भी अधिक सक्षम बनाने में मदद मिलेगी।